• RNI No. 58061/93 • वर्ष - 21 • अंक - 93 • पृष्ठ - 8 • रु. 5/- बेंगलूरु » मंगलवार » 28-10-2025 • www.dakshinbharat.com • Email : news@dakshinbharat.com

दक्षिण भारत राष्ट्रमत

ದಕ್ಷಿಣ ಭಾರತ ರಾಷ್ಟ್ರಮತ | ಹಿಂದಿ ದಿನ ಪತ್ರಿಕೆ | बेंगलूरु और चेन्नई से एक साथ प्रकाशित

5 पर्व और त्योहार भारत की प्राचीन विरासत के प्रतीक : योगी आदित्यनाथ

6 नया सैन्य गठजोड़ भारत के लिए चुनौती

7 'बड़ा संदेश' देती हैं लघु फिल्में : हुमा कुरैशी

फर्स्ट टेक

भारत से ई-कॉमर्स निर्यात में अमेजन ने 20 अरब डॉलर का आंकड़ा किया पार

नई दिल्ली/भाषा। अमेजन ने अपने 'ग्लोबल सेलिंग प्रोग्राम' के जरिये 2015 से 2025 के बीच भारत से 20 अरब डॉलर से अधिक का ई-कॉमर्स निर्यात किया है। कंपनी ने सोमवार को कहा कि वह 2030 तक 80 अरब डॉलर के लक्ष्य की ओर बढ़ रही है। भारत के सबसे बड़े निर्यात बाजार अमेरिका में व्यापार तथा शुल्क संबंधी चुनौतियों पर अमेजन ने कहा कि वह उन मामलों पर ध्यान केंद्रित कर रही है जो उसके नियंत्रण में हैं। अमेजन ग्लोबल सेलिंग इंडिया के प्रमुख श्रीनिधि कलवापुडी ने कहा कि शुल्क (मामले) ऐसी चीज है जिसे नियंत्रित नहीं कर सकते..इसलिए अमेजन पर चीजों पर ध्यान दे रही है जिसे नियंत्रित किया जा सकता है। कंपनी ने बयान में कहा, '' अमेजन ने आज घोषणा की है कि 'अमेजन ग्लोबल सेलिंग' कार्यक्रम के माध्यम से वह 2015 से 2025 के बीच भारत से ई-कॉमर्स के जरिये 20 अरब अमेरिकी डॉलर से अधिक का निर्यात करने में समक्ष रही...अब कंपनी ने 2030 तक 80 अरब अमेरिकी डॉलर का लक्ष्य रखा है।''

यूएसएस निमित्ज विमानवाहक पोत पर एक विमान व एक हेलीकॉप्टर दुर्घटनाग्रस्त

वाशिंगटन/एपी। विमानवाहक पोत यूएसएस निमित्ज पर तैनात एक लड़ाकू विमान और एक हेलीकॉप्टर, दोनों ही 30 मिनट के अंतराल पर दक्षिण चीन सागर में दुर्घटनाग्रस्त हो गए। नौसेना के प्रशांत बेड़े ने यह जानकारी दी। बेड़े ने एक बयान में कहा कि एमएच-60आर सी हॉक हेलीकॉप्टर के चालक दल के तीन सदस्यों को रविवार दोपहर बचा लिया गया, और एफ/ए-18एफ सुपर हॉर्नेट लड़ाकू विमान में सवार दो पायलट विमान से बाहर निकल गए और उन्हें सुरक्षित बचा लिया गया। बयान के अनुसार पांचों 'सुरक्षित और स्थिर स्थिति में हैं'। बयान में कहा गया है कि दोनों दुर्घटनाओं के कारणों का पता लगाने के लिए जांच की जा रही है।

सूर्यास्त 28-10-2025	सूर्योदय 29-10-2025
5:54 बजे	6:12 बजे

BSE	NSE
84,778.84	25,966.05
(+566.96)	(+170.90)

सोना	चांदी
13,446 रु.	148,678 रु.
(24 कैरेट) प्रति ग्राम	प्रति किलो

हमें आत्मचिंतन करते रहना चाहिए, युद्ध जैसी स्थिति के लिए तैयार रहना चाहिए

■ ऑपरेशन सिंदूर एक केस स्टडी के रूप में काम करेगा जिससे हम सीख सकें और अपना भविष्य तय कर सकें।

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नई दिल्ली/भाषा। रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने सोमवार को कहा कि भारत को युद्ध जैसी स्थिति के लिए तैयार रहना चाहिए क्योंकि मई में पाकिस्तान के साथ चार दिनों के सैन्य संघर्ष ने दिखा दिया कि सीमाओं पर कभी भी कुछ भी हो सकता है।

एक कार्यक्रम को संबोधित करते हुए सिंह ने कहा कि यद्यपि भारत ने ऑपरेशन सिंदूर के दौरान पाकिस्तान को कड़ा जवाब दिया था, लेकिन इसे राष्ट्रीय सुरक्षा चुनौतियों से निपटने में भविष्य की कार्रवाई की रूपरेखा तैयार करने और सीखने के लिए एक केस स्टडी के रूप में काम करना चाहिए।

रक्षा मंत्री ने कहा कि 7-10 मई के अभियान के दौरान स्वदेशी निर्मित सैन्य उपकरणों के प्रभावी उपयोग से क्षेत्रीय और अंतरराष्ट्रीय स्तर पर भारत की प्रतिष्ठा बढ़ी है।

सिंह ने यह भी कहा कि ऑपरेशन सिंदूर के कारण ऐसी स्थिति उत्पन्न हो गई है, जहां युद्ध भी हमारे दरवाजे पर दस्तक दे रहा था। उन्होंने कहा, हालांकि हमने दृढ़ संकल्प के साथ जवाब दिया और हमारी सेनाएं देश की सीमाओं की रक्षा के लिए पूरी तरह तैयार हैं, फिर भी हमें आत्मचिंतन करते रहना होगा।

मंत्री ने कहा, ऑपरेशन सिंदूर एक केस स्टडी के रूप में काम करेगा जिससे हम सीख सकें और अपना भविष्य तय कर सकें। इस घटना ने हमें एक बार फिर दिखाया है कि हमारी सीमाओं पर, कहीं भी, कभी भी कुछ भी हो सकता है। उन्होंने कहा, हमें युद्ध जैसी स्थिति के लिए तैयार रहना होगा और हमारी तैयारी हमारी अपनी बुनियाद पर आधारित होनी चाहिए।

रक्षा मंत्री ने इस बात पर जोर दिया कि वर्तमान वैश्विक अनिश्चितताएं प्रत्येक क्षेत्र का गहन मूल्यांकन करने की मांग करती हैं, तथा चुनौतियों से निपटने के लिए स्वदेशीकरण ही एकमात्र रास्ता है।

'ग्रेट निकोबार परियोजना' से भारत का समुद्री विश्व व्यापार कई गुना बढ़ेगा

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

मुंबई/भाषा। केंद्रीय गृह एवं सहकारिता मंत्री अमित शाह ने सोमवार को कहा कि पांच अरब अमेरिकी डॉलर की 'ग्रेट निकोबार द्वीप विकास परियोजना' से देश का समुद्री व्यापार कई गुना बढ़ जाएगा।

'भारत समुद्री सप्ताह' (आईएमडब्ल्यू) के चौथे संस्करण के उद्घाटन के अवसर पर यहां शाह ने कहा कि भारत में लोकतांत्रिक स्थिरता एवं नौसैनिक क्षमताएं हैं और उसने हिंद-प्रशांत तथा 'ग्लोबल साउथ' के बीच की खाई को पाट दिया है। शाह ने कार्यक्रम में अपने भाषण में कहा, '' पांच अरब अमेरिकी डॉलर की ग्रेट निकोबार परियोजना समुद्री विश्व व्यापार को कई गुना बढ़ा देगी।''

भारत ने 2021 में इस महत्वाकांक्षी बुनियादी ढांचागत परियोजना का निर्माण शुरू किया जिसका उद्देश्य बंगाल की खाड़ी में स्थित इस द्वीप का कायाकल्प करना है।

तेलुगु अभिनेता चिरंजीवी के अश्लील 'डीप फेक' वीडियो के सिलसिले में मामला दर्ज

हैदराबाद/भाषा। अश्लील सामग्री वाले एआई-जनित 'डीप फेक' वीडियो के प्रसार के सिलसिले में तेलुगु फिल्मों के अभिनेता चिरंजीवी की शिकायत के बाद हैदराबाद में एक मामला दर्ज किया गया है। पुलिस ने सोमवार को यह जानकारी दी। चिरंजीवी ने अपनी शिकायत में कहा कि कई वेबसाइट ने उनके नाम, कद-काठी एवं व्यक्तित्व संबंधी समानताओं और छवि का इस्तेमाल करके एआई-जनित फर्जी वीडियो प्रसारित और वितरित किए हैं, जिनमें उन्हें गलत तरीके से अश्लील कृत्यों में लिप्त दिखाया गया है। पुलिस के एक अधिकारी ने बताया कि चिरंजीवी की शिकायत के आधार पर 25 अक्टूबर को साइबर अपराध पुलिस थाने में सूचना प्रौद्योगिकी (आईटी) अधिनियम, भारतीय न्याय संहिता (बीएनएस) और महिलाओं का अश्लील चित्रण (निषेध) अधिनियम 1986 की संबंधित धाराओं के तहत मामला दर्ज किया गया।

'डिजिटल अरेस्ट' लोगों के लिए सबसे बड़े खतरों में से एक : राष्ट्रपति मुर्मू

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नई दिल्ली/भाषा। राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू ने सोमवार को कहा कि प्रौद्योगिकी की वजह से पुलिस प्रणाली में काफी बदलाव आया है और 'डिजिटल अरेस्ट' लोगों के लिए सबसे बड़े खतरों में से एक बन गया है।

राष्ट्रपति भवन में भारतीय पुलिस सेवा (आईपीएस) के परिवीक्षाधीन अधिकारियों के एक समूह को संबोधित करते हुए मुर्मू ने कहा कि लोगों, विशेष रूप से पिछड़े लोगों को पुलिस को समर्थन के एक स्रोत के रूप में देखना चाहिए और उससे डरना नहीं चाहिए।

राष्ट्रपति ने कहा कि भारत विश्व में सबसे तेजी से बढ़ती प्रमुख अर्थव्यवस्था है और हमें अपनी आर्थिक प्रगति को बनाए रखने व तेज करने के लिए बड़े पैमाने पर सार्वजनिक और निजी निवेश की आवश्यकता है। उन्होंने कहा, किसी भी राज्य या क्षेत्र में निवेश आकर्षित करने के लिए कानून-व्यवस्था एक आवश्यक पूर्व-शर्त है। निवेश और विकास को बढ़ावा देने में प्रभावी पुलिसिंग आर्थिक प्रोत्साहन जितनी ही महत्वपूर्ण है। मुर्मू ने कहा कि युवा अधिकारियों के नेतृत्व में भविष्य के लिए तैयार पुलिस बल 'विकसित भारत' के निर्माण में बहुत बड़ी भूमिका निभाएगा।

मुर्मू ने कहा कि प्रौद्योगिकी ने पुलिसिंग के क्षेत्र को काफी हद तक बदल दिया है। उन्होंने कहा, लगभग 10 साल पहले, 'डिजिटल अरेस्ट' शब्द को समझना असंभव होता। आज, यह लोगों के लिए सबसे बड़े खतरों में से एक है।

'डिजिटल अरेस्ट' का अर्थ भय, छल और धमकी का इस्तेमाल करके पीड़ितों से पैसे ऐंठना होता है।

न्यायमूर्ति सूर्यकांत को अगला प्रधान न्यायाधीश नियुक्त करने की सिफारिश

नई दिल्ली/भाषा। भारत के प्रधान न्यायाधीश भूषण रामकृष्ण गवई ने केंद्र सरकार से न्यायमूर्ति सूर्यकांत को अगला प्रधान न्यायाधीश नियुक्त करने की सिफारिश की है।

वर्तमान प्रधान न्यायाधीश गवई के बाद उच्चतम न्यायालय के दूसरे सबसे वरिष्ठ न्यायाधीश, न्यायमूर्ति सूर्यकांत 24 नवंबर को देश के 53वें प्रधान न्यायाधीश के रूप में पदभार ग्रहण कर सकते हैं। प्रधान न्यायाधीश गवई 23 नवंबर को सेवानिवृत्त होंगे।

सूत्रों के अनुसार, इस साल 14 मई को प्रधान न्यायाधीश के रूप में शपथ ग्रहण करने वाले न्यायमूर्ति गवई ने अगले प्रधान न्यायाधीश के रूप में केंद्रीय विधि मंत्रालय से न्यायमूर्ति सूर्यकांत के नाम की सिफारिश की है।

शीर्ष अदालत की ओर से जारी एक प्रेस विज्ञप्ति में कहा गया है, ''भारत के माननीय प्रधान न्यायाधीश, न्यायमूर्ति भूषण रामकृष्ण गवई, भारत के 53वें प्रधान न्यायाधीश के पद के लिए अपने उत्तराधिकारी के रूप में उच्चतम न्यायालय के वरिष्ठतम न्यायाधीश, माननीय न्यायमूर्ति सूर्यकांत के नाम की सिफारिश करते हैं।''

एसआईआर का दूसरा चरण 12 राज्यों और केंद्रशासित प्रदेशों में शुरू होगा

नई दिल्ली/भाषा। निर्वाचन आयोग ने सोमवार को कहा कि बिहार के बाद अब देश के 12 राज्यों और केंद्रशासित प्रदेशों में विशेष गहन पुनरीक्षण (एसआईआर) की कवायद शुरू की जा रही है। मुख्य निर्वाचन आयुक्त ज्ञानेश कुमार ने संवाददाताओं से कहा कि एसआईआर का प्रमुख उद्देश्य योग्य मतदाता का नाम सूची में शामिल करना और अयोग्य के नाम को मतदाता सूची से हटाना है। उन्होंने कहा कि बिहार में पहले चरण के पूरा होने के बाद एसआईआर का दूसरा चरण 12 प्रदेशों और केंद्रशासित प्रदेशों में शुरू हो रहा है। कुमार का यह भी कहना था कि बिहार में एसआईआर की प्रक्रिया सफलतापूर्वक पूरी की गई और इसको लेकर कोई भी अपील नहीं आई जो इस कवायद की सबसे बड़ी खूबी रही।

मिशन मंडेला

दक्षिण भारत राष्ट्रमत

दक्षिण भारत का लोकप्रिय हिन्दी दैनिक

epaper.dakshinbharat.com

कैलाश मण्डेला, मो. 9828233434

घटिया हरकत

जज पर भी जूतों से हमले,
हिम्मत सबकी ही बढ़ी हुई।
युग पुरुषों को गालीबाजी,
करतूतें कुत्सित गढ़ी हुई।
दर्पण में अपना मुंह देखें,
कालिख जिस पर है मढ़ी हुई।
घटिया की घटिया हरकत से,
त्यौरियां हमारी चढ़ी हुई।।

माता पिता अपने बच्चों में सुसंस्कारों का बीजारोपण करें : उपप्रवर्तक नरेशमुनि

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु। शहर के बिन्नी मिल रोड स्थित गुरु ज्येष्ठ पुष्कर जैन आराधना केन्द्र में चातुर्मासार्थ विराजित उपप्रवर्तक नरेशमुनिजी ने सोमवार को उपस्थित श्रद्धालुओं को संबोधित करते हुए कहा कि संस्कार ही जीवन को सही दिशा प्रदान करते हैं । माता-पिता, अभिभावकों का यह प्रमुख कर्तव्य है कि वह अपनी संतान में बाल्यकाल से ही अपने धर्म, संस्कृति, परंपरा, इतिहास की नैतिक शिक्षा प्रदान करते हुए बच्चों में उत्तम सुसंस्कारों का बीजारोपण करें। उन्होंने कहा कि बच्चों में बचपन से ही दिए गए संस्कार अमिट रहते हैं। उन्होंने कहा कि संस्कार रहित जीवन पशु के समान है। मुनिश्री ने मनुस्मृति में बताए गर्भ, विवाह, मृत्यु आदि के बारे में बताते हुए सोलह संस्कारों में प्रमुख पहले गर्भ संस्कार पर चर्चा करते हुए कहा कि संतान शिशु के संस्कारों की शुरूआत उसके माता के गर्भ में पलने के साथ ही शुरू हो जाती है। गर्भस्थ बालक में भी उन शिक्षा संस्कारों, धर्म वाणी श्रवण का अच्छा प्रभाव पड़ता है। यह है गर्भस्थ शिशु में उत्तम सुसंस्कारों की शिक्षा का महान प्रभाव और जगत के समस्त मानव जाति के लिए देखा, पढ़ा, सुना, याद रखा जाने वाला सर्वोत्तम उदाहरण है।

मुनिश्री ने मोबाइल को अणुबम की संज्ञा देते हुए कहा कि हम देखते हैं कि माता पिता अपनी व्यस्तता में हर चीज में छोटे बच्चों को भी खाने, खिलाने हर काम में मोबाइल हाथ में पकड़ा कर खुश होते हैं और अपने कर्तव्य की इतिश्री कर अपने दूसरे कामों में व्यस्त हो जाते हैं। बच्चों को ज्यादा समय तक मोबाइल के इस्तेमाल की अनुमति नहीं दी जानी चाहिए। इसका विशेष ध्यान रखें। आज की स्वस्थ, शिक्षित, सुसंस्कारित युवा पीढ़ी ही कल संघ, समाज का और परिवार, राष्ट्र का नेतृत्व, संचालन करने में कर्तव्यनिष्ठ बन कर जिम्मेदारी का वहन करने में सक्षम बन सकेगी।

प्रारंभ में साध्वी सिद्धमश्रीजी ने समय को अमूल्य धन बताते हुए कहा कि समय का प्रत्येक क्षण मूल्यवान है। अतः समय का सदुपयोग अच्छे कार्यों में करना चाहिए। साध्वी सुप्रभाजी ने भी अपने विचार व्यक्त किए। इस अवसर पर धर्म सभा में उपस्थित श्रीरामपुरम संघ ने संतश्री नरेशमुनिजी से चातुर्मास समाप्ति के पश्चात् अपना प्रथम विहार उनके क्षेत्र में करने का निवेदन किया। शालिभद्र मुनिजी ने मधुर गीत प्रस्तुत करते हुए संस्कार का महत्व समझाया और कार्यक्रम का संचालन किया।

धर्म से ही जीवन में दिशा और दृष्टि मिलती है : डॉ. वरुणमुनि

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु। शहर के गुजराती जैन संघ, गांधीनगर में चातुर्मासार्थ विराजित डॉ.वरुण मुनि जी ने अपने प्रवचन में कहा कि धर्म रहित जीवन ऐसा है जैसे दीप बिना ज्योति, न स्वयं प्रकाशित हो सकता है, न दूसरों को प्रकाश दे सकता है। मुनिश्री ने समझाया कि जीवन में धर्म केवल एक अनुष्ठान नहीं, बल्कि जीवन का मूल आधार है। धर्म वह शक्ति है जो अंधकारमय जीवन को उज्ज्वल बनाती है और मनुष्य को उसकी आत्मा के वास्तविक स्वरूप से परिचित कराती है।

धर्म से ही जीवन में स्थिरता, शांति, करुणा और संयम जैसे गुण विकसित होते हैं, जो सच्चे सुख का आधार हैं। ॠसंतश्री ने कहा कि धर्म मनुष्य को बाहरी वैभव नहीं, बल्कि आंतरिक आलोक प्रदान करता है। आज के भौतिकवादी युग में जहां जीवन की गति तेज़ है, वहाँ धर्म ही वह साधन है जो व्यक्ति को संतुलन, विवेक और सहअस्तित्व की भावना सिखाता है। उन्होंने कहा यदि मनुष्य धर्म को भूल जाए, तो उसका जीवन दिशा विहीन हो जाता है। धर्म ही वह दीपक है, जो जीवन पथ को प्रकाशित करता है। मुनिश्री ने कहा कि धर्म कोई पूजा-पाठ या कर्मकांड भर नहीं है, बल्कि जीवन जीने की कला है। धर्म सिखाता है कि सत्य बोलो, अहिंसा का पालन करो, करुणा रखो और संयम अपनाओ, यही चार स्तंभ जीवन को ऊँचाई तक ले जाते हैं। उन्होंने उपस्थित श्रावक-श्राविकाओं से कहा कि धर्म को केवल मंदिरों में सीमित न करें, उसे अपने घर, परिवार, व्यवसाय और समाज तक ले जाएँ।

जब धर्म व्यवहार में उतरता है, तभी जीवन सफल और सार्थक बनता है। मुनिश्री ने कहा कि धर्म मनुष्य को स्वयं से जोड़ता है, दूसरों से नहीं तोड़ता। धर्म का मूल उद्देश्य है आत्मा की शुद्धि और समग्र कल्याण। उन्होंने कहा कि जैसे दीपक के बिना घर में अंधकार छा जाता है, वैसे ही धर्म के बिना जीवन में भ्रम और दुख बढ़ जाते हैं। प्रवचन के पूर्व कार्यक्रम का शुभारंभ युवा मनीषी रूपेश मुनि जी के मधुर भजनों से हुआ। उपप्रवर्तक पंकजमुनिजी ने मंगल पाठ का वाचन किया।

तेयुप विजयनगर ने आयोजित की 'वीतराग पथ' कार्यशाला

वीतराग पथ पर बढ़ते कदमों को नहीं रोकें : पवन मांडोत

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु। तेरापंथ युवक परिषद विजयनगर द्वारा साध्वी संयमलताजी के सान्निध्य में अभातेयुप के अध्यक्ष पवन मांडोत की अध्यक्षता में सोमवार को 'वीतराग पथ' कार्यशाला का आयोजन हुआ। तेयुप के अध्यक्ष विकास बाँठिया ने सभी का स्वागत किया। साध्वी संयमलताजी ने कहा कि जीवन एक पुरस्कार है, उपहार है, अवसर है, बच्चों का जीवन सफेद कागज है उस पर चाहे जैसा चित्र उकेरा जा सकता है। साध्वीश्री ने स्वयं के वैराग्य जीवन की घटनाओं को बताते हुए बच्चों को प्रेरित किया, साथ ही बच्चों को 1 घंटे से अधिक मोबाइल उपयोग करने का त्याग करवाया गया। उपस्थित श्रावक श्राविकाओं ने भी साध्वीश्री की प्रेरणा से डिजिटल डिटॉक्स का संकल्प लिया।

पवन मांडोत ने अपने व्यक्तव्य में बच्चों को त्याग एवं संकल्प करने हेतु प्रेरित किया एवं अभिभावकों को संकल्प करवाया कि अगर उनके परिवार में बच्चे दीक्षा लेने हेतु तैयार होते हैं तो वह उन्हें मना नहीं करेंगे।

साध्वी मार्दवश्रीजी ने संचालन करते हुए कहा कि पदार्थ जगत से आध्यात्मिक जगत की ओर जाने का मार्ग है वीतराग पथ। बच्चे कलियों से फूल बनकर इस नंदनवन में सुवासित करें। सभी बच्चों को प्रायोजक मनोहरलाल राकेश बाबेल परिवार द्वारा उपहार दिए गए। विजयनगर सभा के अध्यक्ष मंगल कोचर ने शुभकामनाएं दी। इस अवसर पर सभा ट्रस्ट से पुखराज श्रीश्रीमाल, अभातेयुप से विनोद मुथा, गौतम खाब्या, कमलेश चोपड़ा, अणुव्रत समिति के अध्यक्ष महेंद्र टेबा, तेयुप प्रबंध मंडल से प्रदीप बाबेल, पवन बैद, अमित नाहटा, मनीष चावत, पीयूष ललवानी, विजयनगर ज्ञानशाला की संयोजिका ममता मांडोत सहित ज्ञानशाला के बच्चे एवं श्रावक समाज की लोग उपस्थित थे।

इलेक्ट्रॉनिक्स कलपुर्जा विनिर्माण की 5,532 करोड़ रुपए की सात परियोजनाएं मंजूर

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नई दिल्ली/भाषा। सरकार ने 'इलेक्ट्रॉनिक्स कलपुर्जा विनिर्माण योजना' (ईसीएमएस) के तहत मिले 249 प्रस्तावों में से सात परियोजनाओं को मंजूरी दे दी है जिनमें कुल 5,532 करोड़ रुपए का निवेश प्रस्तावित है।

केंद्रीय इलेक्ट्रॉनिक्स एवं सूचना प्रौद्योगिकी मंत्री अश्विनी वैष्णव ने सोमवार को यह जानकारी दी। उन्होंने कहा कि इन परियोजनाओं से देश का इलेक्ट्रॉनिक कलपुर्जों का आयात बिल लगभग 20,000 करोड़ रुपए तक कम हो सकता है। उन्होंने कहा, इलेक्ट्रॉनिक्स कलपुर्जा क्षेत्र की सात परियोजनाओं को मंजूरी दी गई है। आने वाले दिनों में कई अन्य प्रस्तावों को भी मंजूरी दी जाएगी। हमें उम्मीद है कि इन परियोजनाओं से लगभग 20,000 करोड़ रुपए का आयात बिल कम होगा। वैष्णव ने बताया कि स्वीकृत प्रस्तावों में प्रिंटेड सर्किट बोर्ड यानी मदरबोर्ड बेस, कैमरा मॉड्यूल, कॉपर लैमिनेट और पॉलीप्रोपिलीन फिल्म (उपभोक्ता इलेक्ट्रॉनिक्स में इस्तेमाल होने वाले कैपेसिटर के लिए जरूरी) के निर्माण से संबंधित परियोजनाएं शामिल हैं।

इनमें चार परियोजनाएं केन्स ग्रुप की हैं जबकि एक-एक परियोजना सिरमा समूह, एंबर समूह की इकाई एसेंट सर्किट्स और एसआरएफ लिमिटेड की है।

अंतरराष्ट्रीय समुदाय द्वारा लगाए गए सभी प्रतिबंधों का अनुपालन करेंगे: आईओसी

नई दिल्ली/भाषा। देश की सबसे बड़ी पेट्रोलियम कंपनी इंडियन ऑयल कॉरपोरेशन (आईओसी) के चेयरमैन अरविंदर सिंह साहनी ने सोमवार को कहा कि कंपनी सभी लागू प्रतिबंधों का पालन करेगी। हालांकि, साहनी ने रूस से तेल खरीद पर कोई टिप्पणी करने से इनकार कर दिया।

तेल की बिक्री से रूस की आय को कम करने के उद्देश्य से अमेरिका द्वारा नए प्रतिबंध लगाए जाने के बाद भारतीय रिफाइनरियां खेप भेजने और बैंकिंग पर द्वितीयक प्रतिबंधों से बचने के लिए रूसी तेल के आयात में कटौती कर सकती हैं। उन्होंने कहा, ''हम अंतरराष्ट्रीय समुदाय द्वारा लगाए गए सभी प्रतिबंधों का अनुपालन करेंगे।''

अप्रैल-सितंबर अवधि के दौरान आईओसी के कच्चे तेल के आयात में रूसी तेल का हिस्सा 21 प्रतिशत रहा।

मारवाड़ जंक्शन जैन प्रवासी संघ के वार्षिक स्नेह मिलन में सदस्यों का लगा जमघट

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु। शहर के मारवाड़ जंक्शन जैन प्रवासी संघ ने अपना वार्षिक स्नेह मिलन रविवार को दोडबल्लापुर स्थित एक रिसोर्ट में मनाया। 'मिलन, मुस्कान और मस्ती' के संगम थीम पर आधारित इस आयोजन में 600 से अधिक सदस्य व परिवारजन शामिल हुए। कार्यक्रम की शुरुआत में सुदर्शन जैन और उनकी टीम द्वारा अनेक मनोरंजक गेम्स एक्टिविटीज़ और पारिवारिक सहभागी कार्यक्रम आयोजित किए गए। आयोजन में मधुर गीतों और म्यूज़िकल गेम्स के आयोजन में आनंद का उत्साह देखने को मिला। ॠइस अवसर पर संघ के बहन-बेटी परिवारों, तपस्वियों तथा 70 वर्ष से अधिक आयु वाले बुजुर्गों तथा प्रतियोगिताओं के विजेताओं का सम्मान किया गया। वार्षिक सम्मेलन में आगामी दो वर्ष 2025-27 के लिए पारसमल भंडारी को पुनः अध्यक्ष नियुक्त किया गया तथा विशाल भंडारी को युवा अध्यक्ष के रूप में दायित्व सौंपा गया। पारसमल भंडारी ने सभी का स्वागत किया। आयोजन समिति के सदस्यों ने सक्रिय भूमिका निभाई। कार्यक्रम में वरिष्ठ मार्गदर्शक रिखबचंद बडोला, महिला मंडल की अध्यक्षा चंद्रादेवी भंडारी एवं अन्य गणमान्य लोगों ने विशेष जिम्मेदारी निभाई। महिला मंडल द्वारा फैंसी ड्रेस और सम्मान समारोह सहित विभिन्न स्पर्धाओं में भाग लिया ।

मायुमं सेन्ट्रल ने श्याम गौशाला में दान की गाय

बेंगलूरु/दक्षिण भारत । मारवाड़ी युवा मंच, सेंट्रल द्वारा गोपाष्टमी के उपलक्ष्य में रविवार को बन्नरघट्टा रोड स्थित श्याम गौशाला में गौ दान, हवन, पूजन, 56 गौभोग और महाप्रसाद का आयोजन किया जिसमें 85 सदस्यों ने भाग लिया। इस मौके पर मायुम के गौतम लोहिया, आयुष भीमसारिया, रोशन सुल्तानिया, पवन केजरीवाल, गोपाल गोयल तथा गौशाला के अध्यक्ष सतीश गोयल सहित अनेक सदस्य उपस्थित थे। सदस्य परिवारों ने अपने हाथों से गाय का दान करते हुए गौसेवा की तथा गायों को गुड़ व हरा चारा खिलाया।

दक्षिण भारत राष्ट्रमत

निवेदन

आगामी वर्ष में 6 से 8 मार्च तक जैसलमेर में आयोजित जैन श्वेताम्बर खरतरगच्छ समुदाय के प्रथम दादा गुरुदेव श्री जिनदत्तसूरीश्वर जी के 871 वर्ष पुरानी चादर, चोलपट्टा और मुंहपत्ती के चादर महोत्सव में शामिल होने के लिए चादर महोत्सव आयोजन समिति के वित्त संयोजक कुशलराज गुलेच्छा व अन्य सदस्यों ने अक्कलकुवा संघ में विराजित उपाध्यायश्री मनितप्रभसागरजी के दर्शन कर निवेदन किया।

छठ महापर्व

दक्षिण भारत राष्ट्रमत

बेंगलूरु के यलहंका क्षेत्र के कट्टगनहल्ली ग्राउन्ड में नवदुर्गा पूजा समिति द्वारा बनाए गए 100 फीट लम्बे व 10 फीट चौड़े कृत्रिम घाट पर श्रद्धालुओं ने पूरी आस्था व श्रद्धा से छठ महापर्व मनाया। सोमवार को बड़ी संख्या में श्रद्धालुओं ने अस्त होते सूर्य को अर्घ्य दिया। मंगलवार को उदय होते सूर्य को अर्घ्य दिया जाएगा। समिति के अध्यक्ष कमलेश कुमार सिंह ने बताया कि बड़ी संख्या में व्रतियों के साथ श्रद्धालु इस मौके पर उपस्थित थे।

फडणवीस ने शाह के बयान के बाद स्पष्ट किया, 'दोस्त बैसाखी नहीं होते'

मुंबई/भाषा। महाराष्ट्र के मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस ने सोमवार को कहा कि दोस्त बैसाखी नहीं होते। केंद्रीय मंत्री अमित शाह ने एक बयान में कहा था कि राज्य में भारतीय जनता पार्टी बैसाखियों पर नहीं बल्कि अपने बल पर चलती है। फडणवीस, यहां एक पार्टी कार्यक्रम में शाह के बयान पर एक पत्रकार के सवाल का जवाब दे रहे थे।

एकनाथ शिंदे की शिवसेना और अजित पवार के नेतृत्व वाली राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी (राकांपा) के साथ तीन दलों की गठबंधन सरकार का नेतृत्व कर रहे फडणवीस ने कहा, जो लोग इस टिप्पणी पर सवाल उठा रहे हैं, वे 'बैसाखी' का मतलब नहीं समझते। दोस्त बैसाखी नहीं होते।

इस बीच, मुख्यमंत्री ने सतारा जिले के फलटण में एक महिला चिकित्सक की आत्महत्या के मामले का 'राजनीतिकरण' करने के लिए विपक्ष की भी आलोचना की। उन्होंने कहा, किसी संवेदनशील मुद्दे का राजनीतिकरण करने वाले लोग बदकिस्मत होते हैं। वे सुर्खियों में बने रहना चाहते हैं। मैं पहले ही कह चुका हूं कि इस मामले में किसी को भी बख्शा नहीं जाएगा।

मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस ने मतदाता सूची पर संदेह जताने के लिए भी विपक्ष की आलोचना की।

दिल्ली में इस साल छठ की छटा ही अलग है : मुख्यमंत्री गुप्ता

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नई दिल्ली/भाषा। दिल्ली की मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता सोमवार शाम को छठ महापर्व में शामिल हुईं और कहा कि इस वर्ष राष्ट्रीय राजधानी में त्योहार की भव्यता और वैभव पहले से अलग है।

गुप्ता ने भारतीय जनता पार्टी की दिल्ली इकाई के अध्यक्ष वीरेंद्र सचदेवा और उत्तर-पश्चिमी दिल्ली के सांसद योगेंद्र चंदोलिया के साथ मंगलोपुरी में एक छठ घाट का दौरा किया। दिल्ली के लोगों को शुभकामनाएं देते हुए उन्होंने कहा, ''इस समय मनाया जा रहा छठ पर्व का वैभव, भव्यता और दिव्यता दिल्लीवासियों को राहत प्रदान कर रही है। मैं छठी मैया से दिल्ली की समृद्धि और खुशहाली की प्रार्थना करती हूं।'' मुख्यमंत्री ने कहा कि यमुना किनारे कई वर्षों के बाद यह त्योहार मनाया जा रहा है। दिल्ली की पिछली सरकार के दौरान सूर्य देव को अर्घ्य देने सहित छठ पूजा पर प्रतिबंध लगा दिया गया था। उन्होंने कहा कि भाजपा सरकार ने दिल्ली में बसे पूर्वांचली समुदाय द्वारा त्योहार मनाने के लिए व्यापक तैयारियां की हैं। एक अनुमान के मुताबिक दिल्ली की आबादी में पूर्वांचलियों (पूर्वी उत्तर प्रदेश, बिहार और झारखंड के लोगों के लिए संयुक्त संबोधन)की हिस्सेदारी करीब 40 प्रतिशत हैं और मतदाताओं के सबसे बड़े वर्गों में से एक हैं। दिल्ली सरकार ने यमुना तट पर पल्ला से कालिंदीकुंज तक 17 स्थानों पर घाट तैयार किए हैं, इसके अलावा शहर के उद्यानों और अन्य सार्वजनिक स्थानों पर 1,500 अस्थायी घाट भी बनाए हैं।

उत्तराखंड में जल्द बनेंगी 23 खेल अकादमियां : मुख्यमंत्री धामी

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

देहरादून/भाषा। उत्तराखंड के मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने सोमवार को कहा कि प्रदेश में जल्द 23 खेल अकादमियों की स्थापना की जाएगी ।

यहां तपोवन में राजीव गांधी नवोदय विद्यालय में 'सांसद खेल महोत्सव' का उदघाटन करने के बाद मुख्यमंत्री ने कहा कि राज्य सरकार द्वारा खेल संस्कृति को बढ़ावा देने के लिए किए निरंतर प्रयास किए जा रहे हैं और उत्तराखंड विश्वस्तरीय खेल इंफ्रास्ट्रक्चर के मामले में भी देश के प्रमुख राज्यों में गिना जाने लगा है । इस संबंध में उन्होंने कहा, '' 'स्पोर्ट्स लेगेसी प्लान' के अंतर्गत प्रदेश के आठ प्रमुख शहरों में 23 खेल अकादमियों की स्थापना की जाएगी। '' उन्होंने बताया कि इन अकादमियों में प्रत्येक वर्ष 920 विश्वस्तरीय एथलीट और 1000 अन्य खिलाड़ी उच्च स्तरीय प्रशिक्षण प्राप्त कर सकेंगे । मुख्यमंत्री ने कहा, ''हल्द्वानी में उत्तराखंड का प्रथम खेल विश्वविद्यालय एवं लोहाघाट में एक महिला स्पोर्ट्स कॉलेज स्थापित करने की दिशा में भी तेजी से कार्य किए जा रहे हैं। ''

उत्तराखंड में आयोजित 38वें राष्ट्रीय खेलों में प्रदेश के खिलाड़ियों द्वारा कुल 103 पदक जीतने का जिक्र करते हुए मुख्यमंत्री ने कहा कि प्रदेश में खेलों के समग्र विकास और खिलाड़ियों को प्रोत्साहित करने के उद्देश्य से नई खेल नीति भी लागू की गई है । उन्होंने कहा कि राष्ट्रीय और अंतरराष्ट्रीय स्तर पर पदक विजेता खिलाड़ियों को सरकारी नौकरी प्रदान की जा रही है।

एसआईआर को लेकर निर्वाचन आयोग की नीयत और विश्वसनीयता पर प्रश्नचिन्ह : कांग्रेस

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नई दिल्ली/भाषा। कांग्रेस ने सोमवार को कहा कि कई सवालों के जवाब नहीं मिलने और कथित 'वोट चोरी' के मामले को देखते हुए विशेष गहन पुनरीक्षण (एसआईआर) करावाए जाने से विपक्ष और जनता संतुष्ट नहीं हैं तथा निर्वाचन आयोग की नीयत और विश्वसनीयता पर प्रश्नचिन्ह लगा हुआ है। पार्टी के मीडिया विभाग के प्रमुख पवन खेड़ा ने यह भी कहा कि बिहार में एसआईआर से निर्वाचन आयोग और भाजपा की नीयत पूरे देश के सामने आ चुकी है।

मुख्य निर्वाचन आयुक्त ज्ञानेश कुमार ने सोमवार को कहा कि बिहार के बाद अब देश के 12 राज्यों और केंद्रशासित प्रदेशों में विशेष गहन पुनरीक्षण (एसआईआर) की कवायद शुरू होगी। दूसरे चरण में छत्तीसगढ़, गोवा, गुजरात, केरल, मध्य प्रदेश राजस्थान, तमिलनाडु, उत्तर प्रदेश और पश्चिम बंगाल, पुडुचेरी, अंडमान एवं निकोबार द्वीप समूह और लक्षद्वीप में एसआईआर कराया जाएगा।

खेड़ा ने एक वीडियो जारी कर कहा, ''आज निर्वाचन आयोग ने 12 राज्यों में एसआईआर की घोषणा की। अभी तक बिहार में हुए एसआईआर से जुड़े सवालों के जवाब हमें नहीं मिले हैं। हालात ये थे कि एसआईआर को दुरुस्त करने के लिए उच्चतम न्यायालय को आगे आना पड़ा।''

समुद्री क्षेत्र की परियोजनाओं के वित्तपोषण के लिए मंच विकसित करने की जरूरत : गडकरी

मुंबई/भाषा। सड़क परिवहन एवं राजमार्ग मंत्री नितिन गडकरी ने सोमवार को कहा कि समुद्री क्षेत्र की परियोजनाओं के वित्तपोषण के लिए एक समर्पित मंच बनाने की आवश्यकता है, जिससे देश में आर्थिक वृद्धि और रोजगार सृजन में तेजी आएगी। पूर्व पोत परिवहन एवं बंदरगाह मंत्री गडकरी ने यह भी कहा कि सड़क परिवहन अवसंरचना में सुधार के कारण दिसंबर के अंत तक देश की लॉजिस्टिक्स लागत घटकर एकल अंक या लगभग नौ प्रतिशत रह जाएगी। सड़क परिवहन एवं राजमार्ग मंत्री ने यह भी कहा कि भारतीय राष्ट्रीय राजमार्ग प्राधिकरण (एनएचएआई) के लिए धन कोई चुनौती नहीं है, लेकिन सड़क निर्माण पर तेजी से व्यय सुनिश्चित करना उसके लिए एक समस्या है।

अगर कांग्रेस आलाकमान फैसला करता है तो मैं पांच साल तक मुख्यमंत्री बना रहूंगा : सिद्दरामय्या

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

मंगलूरु। कर्नाटक के मुख्यमंत्री सिद्दरामय्या ने सोमवार को कहा कि अगर कांग्रेस आलाकमान फैसला करता है तो वह पूरे पांच साल के कार्यकाल के लिए मुख्यमंत्री के पद पर बने रहेंगे। नवंबर में कर्नाटक में कांग्रेस के नेतृत्व वाली सरकार अपने कार्यकाल का ढाई साल पूरा कर रही है। पांच साल के कार्यकाल के आधे पड़ाव पर पहुंचने पर नेतृत्व में संभावित बदलाव की अटकलें लग रही हैं और कुछ लोग इस चरण को ''नवंबर क्रांति'' कह रहे हैं। हालांकि नेतृत्व परिवर्तन की चर्चाओं के बीच सिद्दरामय्या ने लगातार दोहराया है कि वह पूरे पांच साल का कार्यकाल पूरा करेंगे।

यह पूछे जाने पर कि क्या वह पांच साल तक मुख्यमंत्री बने रहेंगे, इस पर सिद्दरामय्या ने संवाददाताओं से कहा, ''अगर आलाकमान फैसला करता है।'' सिद्दरामय्या के करीबी विश्वासपात्र और पूर्व मंत्री के. एन. राजन्ना ने बयान दिया था कि उन्हें (सिद्दरामय्या को) पांच साल तक मुख्यमंत्री बने रहना चाहिए। राजन्ना के इस बयान के बारे में पूछे जाने पर कि सिद्दरामय्या ने कहा, ''यह उनकी निजी राय है।''

कांग्रेस में मुख्यमंत्री पद के कई दावेदारों के बारे में सिद्दरामय्या ने कहा, ''लोकतंत्र में हम दौड़ में शामिल लोगों से यह नहीं कह सकते कि वे प्रतिस्पर्धा नहीं करें। यह उनका अधिकार है। कोई भी मुख्यमंत्री पद का उम्मीदवार होने का दावा कर सकता है लेकिन अंततः फैसला आलाकमान ही करेगा।'' नेतृत्व परिवर्तन का मुद्दा बार-बार क्यों उठता रहता है, इस बारे में एक अन्य सवाल पर उन्होंने कहा, ''ऐसा इसलिए है क्योंकि आप (मीडिया) पूछते रहते हैं।''

सत्तारूढ़ कांग्रेस में नेतृत्व परिवर्तन की अटकलें पिछले कुछ समय से जारी हैं और ऐसी खबरें हैं कि सिद्दरामय्या एवं उपमुख्यमंत्री डी. के. शिवकुमार के बीच कथित तौर पर सत्ता-साझा करने को लेकर समझौता हुआ है। मई 2023 में विधानसभा चुनाव परिणाम के बाद शीर्ष पद के लिए दोनों नेताओं के बीच कड़ी प्रतिस्पर्धा थी और कांग्रेस आलाकमान ने अंततः शिवकुमार को उपमुख्यमंत्री का पद संभालने के लिए मना लिया था। उस समय आई खबरों से संकेत मिलता था कि निश्चित अवधि के लिए बारी बारी से ''मुख्यमंत्री'' की व्यवस्था पर सहमति बन गई है जिसके तहत शिवकुमार ढाई साल बाद पदभार संभालेंगे। हालांकि पार्टी ने कभी इसकी आधिकारिक पुष्टि नहीं की।

मधुगिरी निर्वाचन क्षेत्र से कांग्रेस विधायक राजन्ना ने इससे पहले बेंगलूरु में मीडियाकर्मियों से कहा कि सिद्दरामय्या कांग्रेस के लिए ''अत्यंत आवश्यक'' हैं। उन्होंने कहा, ''मैंने विधानसभा में पहले भी कहा है कि जैसे बी. एस. येडीयुरप्पा भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के लिए और देवेगौड़ा परिवार जनता दल (एस) के लिए अपरिहार्य हैं, वैसे ही सिद्दरामय्या कांग्रेस के लिए अपरिहार्य हैं। हर कोई इस सच को स्वीकार करता है हालांकि कुछ लोग कहते हैं कि पार्टी के लिए कोई भी अत्यंत महत्वपूर्ण व्यक्ति नहीं है। अपने अनुभव से मैं कह सकता हूं कि सिद्दरामय्या वास्तव में कांग्रेस के लिए अत्यंत महत्वपूर्ण हैं।''

राजन्ना ने कहा कि अगर पार्टी आलाकमान सिद्दरामय्या को सरकार के ढाई साल पूरे होने पर कैबिनेट फेरबदल की अनुमति देता है तो उनके नेतृत्व पर कोई असर नहीं पड़ेगा। उन्होंने कहा कि अगर अनुमति नहीं मिलती है तो ''राजनीतिक गतिविधियां'' हो सकती हैं। उन्होंने शिवकुमार की नयी दिल्ली की यात्रा को भी कोई तवज्जो नहीं देते हुए कहा कि यह किसी अदालती मामले या निजी मामलों से संबंधित हो सकती है। राजन्ना ने कहा, वह कर्नाटक की कांग्रेस इकाई के प्रमुख के रूप में आलाकमान और राहुल गांधी से मिल सकते हैं और उनके निर्देशों का पालन करेंगे।

निजी कंपनी का बैंक खाता हैक कर 48 करोड़ अंतरित करने के मामले में दो लोग गिरफ्तार

बेंगलूरु। निजी वित्तीय कंपनी के बैंक खाते हैक करने और विदेशी आईपी एड्रेस का इस्तेमाल करके धोखाधड़ी से 48 करोड़ रुपये अंतरित करने के आरोप में दो लोगों को गिरफ्तार किया गया है। पुलिस ने सोमवार को यह जानकारी दी। पुलिस ने बताया कि आरोपियों की पहचान उदयपुर निवासी संजय पटेल (43) और बेलगावी के रहने वाले इस्माइल रशीद अत्तार (27) के रूप में हुई है।

पुलिस ने बताया कि 'विजडम फाइनेंस प्राइवेट लिमिटेड' के एक वरिष्ठ प्रबंधक ने सात अगस्त को साइबर अपराध थाने में शिकायत दर्ज कराई थी, जिसके बाद जांच शुरू हुई। शिकायत में कहा गया है कि छह से सात अगस्त के बीच कंपनी के बैंक खातों से कई बार अनधिकृत व संदिग्ध तरीके से धन अंतरित किया गया। पुलिस के एक वरिष्ठ अधिकारी ने कहा, कंपनी की आंतरिक जांच से पता चला है कि ये लेनदेन उसके आधिकारिक सिस्टम या पंजीकृत आईपी एड्रेस से नहीं किए गए थे। इसके बजाय विदेशी आईपी एड्रेस का इस्तेमाल कर कंपनी के खातों से लगभग 47 करोड़ रुपये अवैध रूप से अन्य बैंक खातों में स्थानांतरित किए गए थे।

पुलिस ने बताया कि कुल 48 करोड़ रुपये अवैध रूप से अंतरित किये गये तथा लेन-देन के विवरण की जांच की जा रही है।

बाइक सवार हमलावरों ने ग्राम पंचायत सदस्य को गोली मारी

बेंगलूरु। बेंगलूरु के पास छह बाइक सवार हमलावरों ने कथित तौर पर एक ग्राम पंचायत सदस्य पर गोली चलाई जिससे वह घायल हो गया। पुलिस ने सोमवार को यह जानकारी दी। घटना रविवार शाम को नेलमंगला तालुका के इस्लामपुर इलाके में घटी जो कि बेंगलूरु ग्रामीण में आता है। पुलिस ने बताया कि सलीम पाशा (50) की हालत खतरे से बाहर है और उसका एक अस्पताल में इलाज चल रहा है। उन्होंने बताया कि हमले में शामिल लोगों की पहचान कर ली गई है। वे एक ही गांव के हैं और आशंका है कि घटना आपसी रंजिश का नतीजा थी।

धर्मस्थल मामले की जांच कर रही एसआईटी संभवतः अक्टूबर के अंत तक रिपोर्ट सौंपेगी : परमेश्वर

बेंगलूरु/दक्षिण भारत। कर्नाटक के गृह मंत्री जी परमेश्वर ने सोमवार को कहा कि धर्मस्थल शहर में कई हत्याओं, दुष्कर्म और पीड़ितों को गुप्त रूप से ''दफनाने'' के आरोपों की जांच कर रही एसआईटी अक्टूबर के अंत तक अपनी रिपोर्ट सौंप सकती है। उन्होंने हालांकि कहा कि यह देखना होगा कि मामले की जांच कर रही विशेष जांच टीम (एसआईटी) अंतिम रिपोर्ट सौंपेगी या अंतरिम रिपोर्ट।

परमेश्वर ने एक सवाल के जवाब में कहा, ''एसआईटी ने कहा है कि वह अक्टूबर में रिपोर्ट देगी। वह संभवतः 31 अक्टूबर से पहले रिपोर्ट दे सकती है या दो दिन बाद दे सकती है। हमने उससे कहा है कि वे व्यापक रूप से रिपोर्ट दें और अंतिम रिपोर्ट प्रस्तुत करें। उसने कहा है कि वह संभवतः अक्टूबर में अपनी जांच पूरी कर लेगी।'' उन्होंने यहां संवाददाताओं से कहा कि एसआईटी ने जानकारी दी है कि फोरेंसिक विज्ञान प्रयोगशाला (एफएसएल) की रिपोर्ट, रासायनिक विश्लेषण और अन्य रिपोर्ट मिलने के बाद वह अपनी रिपोर्ट सौंपेगी।

परमेश्वर ने कहा, ''क्योंकि जो हड्डियां एकत्र की गई थीं, उनका रासायनिक विश्लेषण कर निष्कर्ष निकाला जाना था। एसआईटी ने कहा कि वह इस प्रक्रिया के बाद अपनी रिपोर्ट सौंपेगी। संभवतः इस महीने के अंत तक रिपोर्ट आने की उम्मीद है।'' गृहमंत्री ने जांच से संबंधित सभी सूचनाएं एक ही रिपोर्ट में शामिल होने के सवाल पर कहा कि यह देखना होगा कि क्या एसआईटी अंतिम रिपोर्ट प्रस्तुत करेगी या जांच से संबंधित सभी प्रमुख सूचनाओं के साथ एक अंतरिम रिपोर्ट प्रस्तुत करेगी।

विवाद तब शुरू हुआ जब एक शिकायतकर्ता ने दावा किया कि पिछले दो दशकों में धर्मस्थल में यौन उत्पीड़न वाली महिलाओं सहित कई शवों को दफनाया गया है और उसका इशारा इन कथित घटनाओं को लेकर एक स्थानीय मंदिर के प्रशासकों की ओर था। हालांकि बाद में शिकायतकर्ता की पहचान सी एन चिन्नैया के रूप में हुई और उसे झूठी गवाही के आरोप में गिरफ्तार किया गया। राज्य सरकार द्वारा गठित एसआईटी आरोपों की जांच कर रही है। उसने धर्मस्थल में नेत्रवती नदी के किनारे वन्य क्षेत्रों में शिकायतकर्ता द्वारा चिह्नित कई स्थानों पर खुदाई की है, जहां दो स्थानों पर कंकाल के कुछ अवशेष पाए गए हैं।

हमें ओलंपिक पदकों में भी नम्बर वन होना चाहिए : सिद्दरामय्या

मेंगलूरु/दक्षिण भारत। मुख्यमंत्री सिद्दरामय्या ने आह्वान किया कि देश जनसंख्या में नंबर वन हो। इसे ओलंपिक पदकों में भी नंबर वन होना चाहिए। उन्होंने नए उर्वा स्टेडियम में आयोजित मुख्यमंत्री - मैंगलोर इंडिया इंटरनेशनल चैलेंज 2025 टूर्नामेंट का उद्घाटन करने के बाद यह बात कही। हमने ओलंपिक और पैरालंपिक सहित अंतर्राष्ट्रीय खेल आयोजनों में पदक विजेताओं के लिए राज्य सरकार के विभागों में ग्रुप ए के पद और अन्य पद आरक्षित किए हैं।

हमने डीएसपी सहित अन्य पुलिस पदों में भी आरक्षण 2 प्रतिशत से बढ़ाकर 3 प्रतिशत कर दिया है।

इसके अलावा, मैंने ओलंपिक में पदक लाने वाले और राज्य व देश का गौरव बढ़ाने वाले खिलाड़ियों को 5 करोड़ रुपये का इनाम देने की घोषणा की है। सरकार सभी आवश्यक सुविधाएँ प्रदान करने के लिए तैयार है। उन्होंने खिलाड़ियों से पदक लाने का आह्वान किया।

बैडमिंटन भी दुनिया के सबसे लोकप्रिय खेलों में से एक है। मुख्यमंत्री सिद्दरामय्या ने प्रकाश पादुकोण, पुलेला गोपीचंद, साइना नेहवाल और पी.वी. सिंधु की सराहना करते हुए कहा कि उन्होंने भारतीय बैडमिंटन की नींव रखी और देश का नाम रोशन किया। मैंने इस उर्वा इंडोर स्टेडियम की आधारशिला रखी जहाँ यह टूर्नामेंट आयोजित किया जा रहा है और मैंने इसका उद्घाटन भी किया। यह पैसा हमारी सरकार का है। उन्होंने बताया कि पिछली भाजपा सरकार ने इस स्टेडियम को पूरा करने में कोई सहयोग नहीं किया। लेकिन जब मैं मुख्यमंत्री के रूप में वापस आया, तो मैंने कुल 38 करोड़ रुपये दिए और स्टेडियम बनकर तैयार हो गया।

हेब्बाल विधानसभा क्षेत्र में 'वोट चोरी' रोकने के लिए एक बल तैनात

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु। शहरी विकास और शहरी नियोजन मंत्री बैराती सुरेश, जो इस क्षेत्र के विधायक भी हैं, ने कहा कि राज्य में पहली बार, हेब्बाल विधानसभा क्षेत्र में वोट चोरी के मामलों का पता लगाने के लिए कांग्रेस कार्यकर्ताओं की एक टास्क फोर्स का गठन किया जाएगा, जो देश भर में गहन विवाद का विषय रहा है। हेब्बाल विधानसभा क्षेत्र के आनंदनगर में सुल्तान पाल्या मुख्य मार्ग, गंगानगर प्रथम मुख्य मार्ग और अटरिया कॉलेज मार्ग पर लगभग 3 करोड़ रुपये की लागत से डामरीकरण कार्य का शुभारंभ करने के बाद बोलते हुए, उन्होंने कहा कि बारिश ने थोड़ी राहत दी है और गड्ढों को भरने और सड़कों पर डामरीकरण का काम शुरू कर दिया गया है।

उन्होंने कहा कि पार्कों का नवीनीकरण, नालियों की मरम्मत और अन्य कार्य चरणबद्ध तरीके से किए जाएँगे। वर्ष 2023 के विधानसभा चुनावों में हेब्बाल निर्वाचन क्षेत्र में भी वोट चोरी की घटना हुई। ऐसी जानकारी है कि चुनाव के दिन 20 हज़ार से ज़्यादा लोग बेंगलूरु के बाहरी इलाकों से वोट डालने आए, जबकि वे उस निर्वाचन क्षेत्र में रहते ही नहीं थे। इस संदर्भ में, उन्होंने घोषणा की कि हमारी कांग्रेस पार्टी द्वारा तत्काल एक टास्क फ़ोर्स का गठन किया जाएगा ताकि यह सुनिश्चित किया जा सके कि आगामी ग्रेटर बेंगलूरु निगम और विधानसभा चुनावों में वोट चोरी का यह सिलसिला न फैले। पूरे हेब्बाल विधानसभा क्षेत्र के प्रत्येक वार्ड के लिए कांग्रेस नेताओं और कार्यकर्ताओं की एक टास्क फ़ोर्स होगी, और इसके सदस्य चुनाव आयोग से अपने वार्डों की एक निश्चित मतदाता सूची प्राप्त करेंगे।

हम प्रियंक खरगे के खिलाफ अदालत में मामला दायर कर सकते हैं : असम मुख्यमंत्री

गुवाहाटी/दक्षिण भारत। असम के मुख्यमंत्री हिमंत विश्व शर्मा ने सोमवार को कहा कि उनकी सरकार कर्नाटक के सूचना प्रौद्योगिकी (आईटी) मंत्री प्रियंक खरगे के खिलाफ मामला दर्ज करने पर विचार कर रही है, क्योंकि उन्होंने कथित तौर पर कहा था कि पूर्वोत्तर राज्य में सेमीकंडक्टर इकाई जैसे बड़े उद्योग स्थापित करने के लिए कोई प्रतिभा नहीं है। शर्मा ने कर्नाटक के मंत्री के ''आपत्तिजनक बयान'' की निंदा नहीं करने के लिए विपक्षी कांग्रेस की भी आलोचना की।

उन्होंने कहा, ''प्रियंक खरगे अव्वल दर्जे के मूर्ख हैं। उन्होंने असमिया युवाओं का अपमान किया है और कांग्रेस ने अभी तक प्रियंक खरगे की निंदा नहीं की है।'' खरगे ने कथित तौर पर एक समाचार चैनल से कहा था कि कर्नाटक में किये जाने वाले निवेश को 'केंद्र के दबाव' के बाद गुजरात और असम ले जाया जा रहा है। इस पर प्रतिक्रिया व्यक्त करते हुए शर्मा ने कहा, ''शायद, हम उनके खिलाफ मामला दर्ज करें क्योंकि उन्होंने कहा है कि असम में शिक्षित युवा नहीं हैं। यह असमिया युवाओं का अपमान है। इसलिए, हम इस पर विचार कर रहे हैं कि क्या उनके खिलाफ अदालत में मामला दायर किया जा सकता है।''

वर्तमान केएससीए समिति द्वारा चुनाव की तारीखों की घोषणा करने का समय आ गया है : वेंकटेश प्रसाद

बेंगलूरु। पूर्व भारतीय तेज गेंदबाज वेंकटेश प्रसाद ने सोमवार को कर्नाटक राज्य क्रिकेट संघ (केएससीए) के मौजूदा प्रशासकों से आग्रह किया कि वे उप-नियमों के मामूली प्रावधानों पर अड़े रहकर कार्रवाई में देरी करने के बजाय चुनाव कराएं। प्रसाद के साथ अनुभवी प्रशासक विनय मृत्युंजय और भारतीय महिला क्रिकेट टीम की पूर्व कप्तान शांता रंगास्वामी ने कहा कि संघ में मौजूदा अराजकता की स्थिति से बचने के लिए जल्द से जल्द चुनाव शुरू किए जाने चाहिए। प्रसाद ने यहां एक चुनिंदा मीडिया से कहा, ''हम सभी (चुनाव की) घोषणा का इंतजार कर रहे हैं। यह बहुत पहले हो जाना चाहिए था और अब तक एक नयी समिति को संघ का संचालन संभाल लेना चाहिए था।'' उन्होंने कहा, आप जानते हैं कि नियमों और केएससीए उप-नियम के अनुसार यह (चुनाव) 30 सितंबर से पहले होना था।

बेंगलूरु मंडल ने सतर्कता जागरूकता सप्ताह का शुभारंभ किया

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु। सतर्कता जागरूकता सप्ताह हर साल भारत रत्न सरदार वल्लभभाई पटेल की जयंती के सप्ताह में मनाया जाता है। इस वर्ष, सतर्कता जागरूकता सप्ताह 27 अक्टूबर से 2 नवंबर तक मनाया जा रहा है। बेंगलूरु मंडल के मंडल रेल प्रबंधक आशुतोष कुमार सिंह ने सोमवार को बेंगलूरु मंडल कार्यालय में अधिकारियों और कर्मचारियों को सत्यनिष्ठा की शपथ दिलाकर सतर्कता जागरूकता सप्ताह का शुभारंभ किया। इस अवसर पर अपर मंडल रेल प्रबंधक परीक्षित मोहनपुरिया और प्रवीण कटारकी; वरिष्ठ मंडल कार्मिक अधिकारी उमा शर्मा और अन्य अधिकारी उपस्थित थे। इस वर्ष सतर्कता जागरूकता सप्ताह का विषय 'सतर्कता : हमारी साझा जिम्मेदारी है।' यह हमें याद दिलाता है कि भ्रष्टाचार के खिलाफ लड़ाई केवल संस्थाओं की जिम्मेदारी नहीं है; यह एक सामूहिक कर्तव्य है जो प्रत्येक नागरिक से जीवन के सभी क्षेत्रों में नैतिकता, ईमानदारी और जवाबदेही के मूल्यों को बनाए रखने का आह्वान करता है।

मंत्रिमंडल में फेरबदल, नेतृत्व परिवर्तन पर कांग्रेस आलाकमान से कोई संकेत नहीं मिला : परमेश्वर

बेंगलूरु/दक्षिण भारत। कर्नाटक के गृह मंत्री जी. परमेश्वर ने सोमवार को कहा कि राज्य मंत्रिमंडल में फेरबदल या नेतृत्व परिवर्तन के बारे में कांग्रेस आलाकमान से अब तक कोई संकेत नहीं मिला है। उन्होंने कहा कि ऐसी अटकलों और भ्रम पर विराम लगना चाहिए तथा प्रशासन पर ध्यान केंद्रित किया जाना चाहिए। दलित समुदाय से आने वाले वरिष्ठ नेता और मंत्री के. एच. मुनियप्पा को मुख्यमंत्री बनाने की मांग के बीच, उन्होंने कहा कि अगर ऐसा होता है तो वह इसका स्वागत करेंगे क्योंकि वह भी उसी उत्पीड़ित समुदाय से आते हैं, लेकिन अंततः इस मामले पर फैसला आलाकमान को करना है। नवंबर में, कांग्रेस सरकार के ढाई साल पूरे होने पर राज्य में मुख्यमंत्री बदलने की अटकलें लगाई जा रही हैं, जिसे कुछ लोग नवंबर क्रांति बता रहे हैं। इस बारे में पूछे गए एक सवाल के जवाब में परमेश्वर ने कहा, मुझे कुछ भी पता नहीं। हम आलाकमान के फैसले के बारे में कुछ नहीं कह सकते। देखते हैं कि वे क्या फैसला लेते हैं। मीडिया के सामने बेवजह बयान देने से और अधिक भ्रम की स्थिति पैदा होगी। क्या आलाकमान की ओर से अब तक किसी ने इस बारे में कुछ कहा है? हमें आलाकमान से कोई जानकारी नहीं मिली है। उन्होंने कहा, जब तक आलाकमान निर्णय नहीं ले लेता और हमें नहीं बता देता, हमारे किसी भी बयान का कोई महत्व नहीं होगा...आलाकमान हर चीज पर विचार करने के बाद निर्णय लेगा...आलाकमान की ओर से किसी ने भी मुझे अब तक इस बारे में कुछ बताया या संकेत नहीं दिया है।'' ''दलित मुख्यमंत्री'' बनाये जाने की मांग पर, जिसमें कुछ लोगों ने मुनियप्पा को मुख्यमंत्री बनाने की मांग की है, गृह मंत्री ने कहा कि अगर उन्हें (मुनियप्पा को) मुख्यमंत्री बनाया जाता है तो उन्हें खुशी होगी, क्योंकि वह इसके काबिल हैं और वे दोनों एक ही समुदाय से हैं, जिसने लंबे समय तक उत्पीड़न का सामना किया है। परमेश्वर ने कहा, मुनियप्पा सात बार सांसद रहे हैं, यह कोई सामान्य बात नहीं है।

मराठा सेना ने शहीद वीरों को श्रद्धांजलि देते हुए मनाया इन्फैंट्री दिवस

बेंगलूरु/दक्षिण भारत। मराठा लाइट इन्फैंट्री रेजिमेंटल सेंटर (एलआईआरसी), बेलगावी ने 79वें इन्फैंट्री दिवस को गर्व और श्रद्धा के साथ मनाया तथा देश की सेवा में सर्वोच्च बलिदान देने वाले इन्फैंट्री के बहादुर सैनिकों को हार्दिक श्रद्धांजलि अर्पित की। मराठा एलआईआरसी में शर्कत युद्ध स्मारक पर पुष्पांजलि अर्पित करने का समारोह आयोजित किया गया, जहां मराठा एलआईआरसी के कमांडेंट ब्रिगेडियर जॉयदीप मुखर्जी और जूनियर लीडर्स विंग के कमांडर मेजर जनरल राकेश मनोचा, एसएम, वीएसएम ने शहीद नायकों को पुष्पांजलि अर्पित की। समारोह में मराठा एलआईआरसी, जूनियर लीडर्स विंग और स्टेशन के दिग्गजों, अधिकारियों, जेसीओ और ओआर ने भाग लिया, जिन्होंने वीरता, बलिदान और कर्तव्य के प्रति दृढ़ समर्पण की अपनी साझा विरासत की पुष्टि की। इस कार्यक्रम में रेजिमेंट के अपने गौरवशाली वंश के प्रति गहरे सम्मान और इन्फैंट्री सैनिकों की अदम्य भावना को दर्शाया गया, जो अद्वितीय साहस, दृढ़ता और गर्व के साथ देश की सीमाओं की रक्षा करते आ रहे हैं।

दो पुलिसकर्मी निलंबित

बेंगलूरु। बेंगलूरु की एक 'ब्यूटीशियन' से कथित तौर पर धोखाधड़ी करने, उसे आपराधिक धमकी देने और उसका यौन उत्पीड़न किए जाने के बाद पुलिस के दो अधिकारियों को निलंबित कर दिया गया है। पुलिस ने सोमवार को यह जानकारी दी। पुलिस ने बताया कि बेंगलूरु के डीजे हल्ली थाने से संबद्ध पुलिस निरीक्षक सुनील एच. बी. और सहायक उपनिरीक्षक (एएसआई) प्रकाश को निलंबित कर दिया गया है।

पुलिस के अनुसार, अपनी शिकायत में महिला ने आरोप लगाया कि करीब एक साल पहले सुनील ने वित्तीय विवाद के एक मामले में मदद करने के बहाने युवती का नंबर ले लिया और उसे मैसेज करने लगा। पीड़िता से दोस्ती करने के बाद सुनील ने उसे पीन्या स्थित अपने फ्लैट पर कथित रूप से बुलाया।

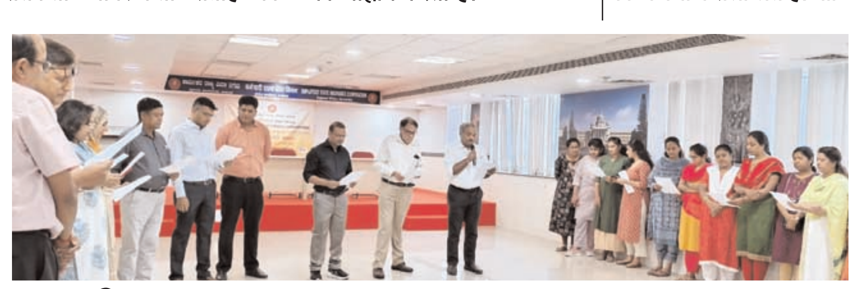

सतर्कता सप्ताह आयोजन व अखंडता शपथ

बेंगलूरु। कर्मचारी राज्य बीमा निगम क्षेत्रीय कार्यालय 27 अक्टूबर से 2 नवम्बर तक सतर्कता सप्ताह के आयोजन के उपलक्ष्य में बीमा आयुक्त टी. रेणुका प्रसाद, चिकित्सा आयुक्त अशित मलिक की उपस्थित में सभी अधिकारियों व कर्मचारियों को सतर्कता शपथ दिला कर शुभारंभ किया। बीमा आयुक्त ने पदाधिकारियों को सार्वजनिक जीवन के सभी क्षेत्रों में ईमानदारी, पारदर्शिता और जवाबदेही बनाए रखने के लिए कहा। चिकित्सा आयुक्त ने भ्रष्टाचार के प्रति शून्य सहिष्णुता दृष्टिकोण अपनाने के महत्व पर बल दिया तथा सुशासन और नैतिक आचरण को बढ़ावा देने के लिए संगठन की प्रतिबद्धता की पुनः पुष्टि की। इसी श्रृंखला में, भ्रष्टाचार को जड़ से समाप्त करने हेतु कार्यालय में जागरुक्ता प्रशिक्षण, संगोष्ठी व वेबिनार भी आयोजित किए जाएंगे। कार्यालय में सतर्कता उपायों पर विभिन्न प्रतियोगिताओं का भी आयोजन किया जा रहा है।

इस अवसर पर क्षेत्रीय निदेशक मनोज कुमार ने धन्यवाद ज्ञापन करते हुए सभी कर्मचारियों को अपनी दैनिक दिनचर्या में प्रशासनिक स्वच्छता को अपनाने पर बल दिया। इस शपथ के दौरान राज्य चिकित्सा अधिकारी सलमा जबीन, उपनिदेशक जनसम्पर्क दरबारा सिंह, उपनिदेशक अभिषेक कुमार सिंह एवं अन्य वरिष्ठ अधिकारी उपस्थित थे।

दक्षिण पश्चिम रेलवे
निविदा सूचना सं: ECN-TRD-05-2025
दिनांक: 18.10.2025
भारत के राष्ट्रपति की ओर से अधोहस्ताक्षरी निम्नलिखित कार्य के लिए ई-निविदाएं आमंत्रित करते हैं:

कार्य का नाम	अनुमानित लागत
तुमकूरु - दावणगेरे (टीके-डीवीजी) विभाग (104.317 आरकेएम / 128.013 टीकेएम) का उरुकेरे (छोड़कर) (चै. 11/687) से तावरेकेरे (सहित) (चै. 66/920) और चित्रदुर्ग (रहित) (चै. 142/920) से तोलहुनिसे (रहित) (चै. 192/524) के बीच इलेक्ट्रिकल सामान्य सेवाएँ, इंजीनियरिंग कार्यों के साथ साथ 2x25 केवी ओएचई और पीएसआई सिस्टम (टीएसएस, एसपी और एसएसपीयों) का डिज़ाइन, आपूर्ती, स्थापना, परीक्षण और कमीशनिंग और चिक्कमगलूरु और शिकारीपुर पर जीएसएस से ट्रैन्समिशन लाईन का प्रावधान के साथ 220 केवी / 25 केवी कर्षण सबस्टेशन का डिज़ाइन, आपूर्ती, स्थापना, परीक्षण और कमीशनिंग कार्य।	रु. 332,97,15,455.38

निविदाओं जमा करने की अंतिम तिथि: 16.02.2025, 11:00 बजे तक
विवरण के लिए लॉग ऑन करें www.ireps.gov.in में
उप मुख्य इलेक्ट्रिकल इंजीनियर/कर्षण वितरण-2/निर्माण/बेंगलूरु
PUB/580/AAMO/PRB/SWR/2025-26
अनारक्षित टिकटों की बुकिंग में आसानी के लिए गूगल प्ले स्टोर से यूटीएस मोबाइल ऐप डाउनलोड करें
South Western Railway - SWR | SWRRLY | SWRAILWAYHQ | sw_railways

फर्जी गिरदावरी पर होगी कार्रवाई, गलत रजिस्ट्रेशन होंगे निरस्त : दक

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

जयपुर। सहकारिता राज्य मंत्री (स्वतंत्र प्रभार) गौतम कुमार दक ने खरीफ 2025 में समर्थन मूल्य पर जिंस बेचान के लिए फर्जी गिरदावरी और गलत रजिस्ट्रेशन की शिकायतों पर सख्त रवैया अपनाते हुए निर्देश दिए हैं कि जिन लोगों द्वारा बुवाई के विपरीत फर्जी गिरदावरी दर्ज की गई है, उनके विरुद्ध संबंधित जिला कलेक्टर द्वारा कार्रवाई की जाए।

दक सोमवार को शासन सचिवालय स्थित अपने कार्यालय में राजफेड द्वारा किसानों से मूंग, मूंगफली, उड़द और सोयाबीन की न्यूनतम समर्थन मूल्य पर खरीद की तैयारियों की समीक्षा बैठक को संबोधित कर रहे थे। उन्होंने यह भी निर्देश दिए कि फर्जी गिरदावरी के आधार पर यदि किसी ने समर्थन मूल्य पर जिंस बेचान के लिए रजिस्ट्रेशन कराया है तो उसे निरस्त किया जाए, ताकि वास्तविक किसानों को समर्थन मूल्य पर खरीद योजना का लाभ मिल सके। फर्जी गिरदावरी के आधार पर गलत रजिस्ट्रेशन करने वाले ई-मित्र संचालकों के विरुद्ध भी कार्रवाई की जाएगी। इस संबंध में उन्होंने जिला कलेक्टर, बीकानेर को दूरभाष पर तत्काल जाँच एवं कार्रवाई करने के निर्देश दिए।

सहकारिता मंत्री ने बैठक में यह भी निर्देश दिए कि खरीद केंद्रों पर फसल की गुणवत्ता जाँच के लिए नैफेड और एनसीसीएफ की ओर से सर्वेयर लगाए जाएं। खरीद केन्द्रों पर जिंस की तुलाई हेतु पर्याप्त संख्या में कांटे लगाए जाएं और खरीदी गई फसल को वेयरहाउस में जमा कराने के लिए हैंडलिंग एवं परिवहन की समुचित व्यवस्था सुनिश्चित की जाए।

बैठक में राजफेड के प्रबंध निदेशक टीकम चन्द बोहरा, नैफेड के राज्य प्रमुख महेंद्र सिंह रावत, एनसीसीएफ की राज्य प्रमुख मधु शर्मा, राजफेड महाप्रबंधक वाणिज्य कार्तिकेय मिश्रा एवं उप प्रबंधक आईटी पवन ओझा उपस्थित रहे।

बाड़मेर में चचेरे भाई बहन की पानी के टैंक में डूबने से मौत

जयपुर। राजस्थान के बाड़मेर जिले में रविवार को चचेरे भाई बहन की पानी के टैंक में डूबने से मौत हो गई। पुलिस ने यह जानकारी दी। पुलिस ने बताया कि यह घटना चौहटन थाना क्षेत्र के जूना लखवारा गांव में हुई। पुलिस के अनुसार, जोगाराम नाम के व्यक्ति का बेटा छगन (तीन) अपनी चचेरी बहन पूजा (आठ) और मांगीलाल नाम के व्यक्ति की बेटी के साथ टैंक के पास खेल रहा था। पुलिस ने बताया कि छगन की मां टैंक से मवेशियों के लिए पानी भर रही थी और उसका ढक्कन बंद करना भूल गई। पुलिस के मुताबिक, खेलते खेलते छगन टैंक में गिर गया। मूक-बधिर पूजा मदद के लिए पुकार नहीं सकी और उसे बचाने के लिए टैंक में कूद गई, जिससे दोनों की डूबने से मौत हो गयी। पुलिस के मुताबिक, कुछ मिनट बाद जब छगन की मां वापस लौटी तो उसने अपने बेटे का शव टैंक में तैरता हुए देखा और शोर मचाया।

सरदार वल्लभभाई पटेल की 150वीं जयंती के उपलक्ष्य पर जयपुर में एकता मार्च का होगा आयोजन

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

जयपुर। युवा मामले एवं खेल विभाग के शासन सचिव डॉ. नीरज कुमार पवन ने बताया कि सरदार वल्लभभाई पटेल की 150वीं जयंती के उपलक्ष्य पर 31 अक्टूबर को प्रातः 6 बजे जयपुर के गांधी सर्किल से एकता मार्च का भव्य शुभारंभ किया जाएगा।

पवन ने बताया कि एकता मार्च का मार्ग जयपुर के गांधी सर्किल से बिड़ला मंदिर, रामबाग, अंबेडकर सर्किल होते हुए अमर जवान ज्योति तक रहेगा। उन्होंने बताया कि इस पदयात्रा में विशिष्टजन, प्रदेश के विभिन्न शिक्षण संस्थानों, एनएसएस, एनसीसी, युवा लीडर, पुलिस, आरएसी, होमगार्ड, विभिन्न कर्मचारी संघ, एनजीओ, राजकीय कार्मिकों सहित बड़ी संख्या में आमजन भाग लेंगे।

पवन सोमवार को सवाई मानसिंह स्टेडियम में एकता मार्च कार्यक्रम के सफल आयोजन के लिए आयोजित बैठक की अध्यक्षता कर रहे थे। उन्होंने एकता मार्च में ज्यादा से ज्यादा प्रतिभागियों का भाग लेना सुनिश्चित करने और उनके लिए सभी आवश्यक सुविधाएं उपलब्ध कराने के निर्देश दिये। उन्होंने सभी संबंधित विभागों को कार्यक्रम के सफल आयोजन के लिए आपसी समन्वय से कार्य करने के निर्देश दिए। बैठक में जिला प्रशासन, सूचना एवं जनसम्पर्क, डीओआईटी, पर्यटन, नगर निगम ग्रेटर, चिकित्सा एवं स्वास्थ्य, स्काउट गाइड, हायर एजुकेशन सहित सम्बंधित विभागों के अधिकारी उपस्थित रहे।

बंदियों ने मिट्टी से बनाया सरदार पटेल का सजीव चित्र

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

दौसा। जेल में राष्ट्रीय एकता दिवस की अनूठी तैयारी, लौहपुरुष की सैंड आर्ट प्रतिमा बनी आकर्षण का केंद्र दौसा। विशिष्ट केंद्रीय कारागृह श्यालावास में राष्ट्रीय एकता दिवस 31 अक्टूबर की तैयारियों के तहत बंदियों ने देश के लौहपुरुष सरदार वल्लभभाई पटेल की मिट्टी से बनी एक भव्य और सजीव सैंड आर्ट प्रतिमा तैयार की है। यह कलाकृति पूरी तरह से जेल परिसर की प्राकृतिक मिट्टी और रंगों का उपयोग करके बनाई गई है, जो कला के माध्यम से सुधार की दिशा में एक प्रेरक प्रयास है।

जेल अधीक्षक पारस जांगिड़ ने बताया कि इस पहल के माध्यम से बंदियों में सकारात्मकता और राष्ट्रीय भावना का संचार किया जा रहा है। इस अनूठी कलाकृति को बंदी राजेश मूर्तिकार ने अपने हुनर और अथक परिश्रम से गढ़ा है, जिसमें बंदी संदीप गुप्ता ने सहयोगी की भूमिका निभाई। मिट्टी से बने सरदार पटेल के इस चित्र में उनके दृढ़ व्यक्तित्व और राष्ट्रीय एकता के भाव को अत्यंत कुशलता के साथ दर्शाया गया है।

जेलर विकास बागोरिया ने बताया कि राष्ट्रीय एकता दिवस के उपलक्ष्य में जेल परिसर में कई अन्य कार्यक्रम भी आयोजित किए जाएंगे। इन कार्यक्रमों में देश की एकता के लिए शपथ ग्रहण, देशभक्ति भरा नुक्कड़ नाटक, सरदार पटेल पर आधारित प्रश्नोत्तरी व भाषण प्रतियोगिता और एक विशेष एकता परेड शामिल है, जिसका उद्देश्य बंदियों को राष्ट्रीय मूल्यों और एकता के महत्व से जोड़ना है।

एसीबी के महानिदेशक का गोविंद गुप्ता ने पदभार ग्रहण किया

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

जयपुर। भारतीय पुलिस सेवा (आईपीएस) के वरष्ठि अधिकारी गोविंद गुप्ता ने भ्रष्टाचार निरोधक ब्यूरो (एसीबी) के महानिदेशक का सोमवार को यहां कार्यभार ग्रहण किया।

गुप्ता ने इस अवसर पर कहा कि राज्य सरकार की मंशा के अनुरूप भ्रष्टाचार के विरुद्ध 'जीरो टॉलरेंस' की नीति के अनुसार काम किया जाएगा और इस लड़ाई में पारदर्शिता, त्वरित कार्रवाई और टीम भावना ही सबसे बड़ी शक्ति है। उन्होंने कहा, आमजन के विश्वास को और अधिक सशक्त बनाना हमारी सर्वोच्च प्राथमिकता होगी। प्रवक्ता के अनुसार, गुप्ता ने इस अवसर पर ब्यूरो की टीम को भी संबोधित किया।

उन्होंने कहा कि सूचना तंत्र को और अधिक प्रभावी बनाने तथा जन-जागरूकता बढ़ाने की दिशा में ठोस कदम उठाए जाएंगे। गुप्ता ने विशेष रूप से कहा कि ब्यूरो का टोल-फ्री हेल्पलाइन नंबर 1064 और व्हाट्सऐप नंबर 9413502834 का व्यापक प्रचार-प्रसार किया जाएगा, ताकि कोई भी नागरिक भ्रष्टाचार से जुड़ी शिकायतें सहजता से दर्ज करा सके।

गुप्ता ने स्पष्ट किया, हम यह सुनिश्चित करेंगे कि किसी निर्दोष व्यक्ति के साथ अन्याय न हो, साथ ही भ्रष्टाचार में संलिप्त व्यक्तियों के विरुद्ध कठोर एवं त्वरित कार्रवाई की जाएगी। इससे पहले ब्यूरो की अतिरिक्त महानिदेशक स्मिता श्रीवास्तव ने गुप्ता का स्वागत किया।

सहायक प्रशासनिक अधिकारी रिश्वत लेते पकड़ा गया

जयपुर। भ्रष्टाचार निरोधक ब्यूरो (एसीबी) की टीम ने चूरू जिले के सरदार शहर में तहसील कार्यालय के सहायक प्रशासनिक अधिकारी को 90,000 रुपये की कथित रिश्वत लेते हुए सोमवार को पकड़ लिया। अधिकारियों ने यह जानकारी दी। उनके अनुसार, आरोपी सहायक प्रशासनिक अधिकारी निर्मल सोनी को गिरफ्तार कर लिया गया है।

अब 14 से कम उम्र के बच्चे दुकान और संस्थानों में नहीं कर सकेंगे काम

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

जयपुर। मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा के नेतृत्व में राज्य सरकार प्रदेश में व्यापारिक गतिविधियों को बढ़ावा देने के साथ ही श्रमिकों के कल्याण और उनकी सुरक्षा के लिए प्रतिबद्ध होकर कार्य कर रही है। इसी क्रम में मुख्यमंत्री ने राजस्थान दुकान एवं वाणिज्य संस्थान (संशोधन) अध्यादेश 2025 का अनुमोदन किया है। अध्यादेश में प्रस्तावित संशोधन के अनुसार कम उम्र के बच्चों को दुकानों और वाणिज्य संस्थानों में नियोजित नहीं किया जा सकेगा। प्रशिक्षु की न्यूनतम उम्र अब 12 वर्ष के स्थान पर 14 वर्ष अनिवार्य की गई है। वहीं, रात्रि के समय में 14 से 18 साल की उम्र के किशोर कार्य भी नहीं कर पाएंगे। पहले यह सीमा 12 से 15 वर्ष नियत थी। इसी प्रकार अध्यादेश में श्रमिकों की दैनिक कार्य अवधि की अधिकतम सीमा 9 के स्थान पर 10 घंटें नियत की गई है। वहीं, ऑवरटाइम करने की अधिकतम सीमा को भी तिमाही में 144 घंटों तक बढ़ाया गया है। इससे दुकानों और व्यापारिक संस्थानों की कार्यक्षमता के साथ-साथ उत्पादकता में भी वृद्धि होगी। प्रचलित राजस्थान दुकान एवं वाणिज्य संस्थान अधिनियम 1958 एक्ट के अनुसार 12 से 15 साल तक के किशोर अधिकतम 3 घंटें प्रतिदिन कार्य कर सकते थे। अध्यादेश में इसे बढ़ाकर 14 से 18 वर्ष तक कर दिया गया है।

मुख्यमंत्री शर्मा ने राजस्थान कारखाना (संशोधन) नियम 2025 का भी अनुमोदन किया है। इसके अन्तर्गत विशिष्ट प्रकृति के कारखानों में महिलाओं के नियोजन को स्वीकृति प्रदान की गई है। साथ ही, इनमें कार्यस्थल पर महिलाओं की सुरक्षा और निजता के अधिकार के संबंध में विशेष प्रावधान भी जोड़े गए है। नए नियमों के अनुसार कारखाना स्थल पर गर्भवती और धात्री महिला के अतिरिक्त अन्य महिलाएं कार्य कर सकेंगी। लेकिन नियोक्ताओं को ऐसी महिलाओं के लिए श्वसन तंत्र सुरक्षा, फेस शील्ड, हीट शील्ड, मास्क, ग्लब्स आदि व्यक्तिगत सुरक्षा उपकरणों की व्यवस्था सुनिश्चित करनी होंगी। साथ ही, कार्यस्थल पर वायु गुणवत्ता के साथ सभी श्रमिकों को सुरक्षा प्रशिक्षण भी सुनिश्चित किया जाएगा।

भारत सरकार से प्राप्त कंप्लायंस रिडक्शन एंड डिरेगुलेशन डॉकेट की पालना में राज्य सरकार ने उपरोक्त संशोधन किए है। इसके अन्तर्गत प्रमुख रूप से श्रमिकों के लिए कार्य करने की सीमा को बढ़ाने के साथ ही महिला श्रमिकों की खतरनाक प्रकृति के कार्यों में लागू प्रतिबंध को समाप्त किया गया है।

कृषक परिवारों को सिंचाई के लिए दिन के समय मिलेगी सौर ऊर्जा आधारित बिजली

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

जयपुर। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी की दूरदर्शी ऊर्जा नीति और मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा के कुशल नेतृत्व में राजस्थान अक्षय ऊर्जा के क्षेत्र में देश का सिरमौर राज्य बन चुका है। प्रधानमंत्री कुसुम योजना के माध्यम से राज्य में सौर ऊर्जा उत्पादन ने नई ऊँचाइयाँ छू ली हैं, जिसमें सवाई माधोपुर जिला भी इस राष्ट्रीय ऊर्जा क्रांति का सशक्त सहभागी है। जिले के बौंली उपखण्ड स्थित कोलाड़ा 33/11 केवी सब-स्टेशन क्षेत्र में हाल ही में 1.82 मेगावाट क्षमता का सौर ऊर्जा संयंत्र स्थापित किया गया है।

यह राज्य का 956वां सौर संयंत्र है, जिससे सवाई माधोपुर जिले की सौर ऊर्जा उत्पादन क्षमता में उल्लेखनीय वृद्धि हुई है। राजस्थान ने पीएम-कुसुम योजना के कंपोनेंट-ए एवं कंपोनेंट-सी के अन्तर्गत अब तक 2,000 मेगावाट क्षमता से अधिक के विकेन्द्रित सौर ऊर्जा संयंत्र स्थापित कर देश में एक नई मिसाल कायम की है। योजना के कंपोनेंट-ए में राजस्थान देश में प्रथम स्थान तथा कंपोनेंट-सी में महाराष्ट्र एवं गुजरात के बाद तीसरे स्थान पर पहुंच गया है।

अंता विधानसभा उपचुनाव : 2 बागी उम्मीदवारों ने नाम लिए वापस

जयपुर। राजस्थान के अंता विधानसभा उपचुनाव में भारतीय जनता पार्टी को बड़ी राहत मिली है। भाजपा से नाराज चल रहे दो दिग्गज नेतापूर्व विधायक रामपाल मेघवाल और संतोष सुमनने सोमवार को अपना नामांकन वापस ले लिया। दोनों नेताओं ने भाजपा प्रत्याशी मोरपाल सुमन के समर्थन में चुनाव मैदान से हटने का निर्णय लिया है। नाम वापसी के बाद दोनों नेताओं का कोटा-बूंदी सांसद कार्यालय में भाजपा जिलाध्यक्ष नरेश सिंह सिकरवार ने दुपट्टा पहनाकर स्वागत किया। दोनों नेताओं के बागी तेवर चढ़कर मोरपाल के समर्थन में आने से अंता सीट पर भाजपा का समीकरण मजबूत होता नजर आ रहा है। भाजपा ने इस सीट पर पूर्व प्रधान मोरपाल सुमन को उम्मीदवार बनाया है, जबकि कांग्रेस ने पूर्व मंत्री प्रमोद जैन भाया को टिकट दिया है। अब बागी उम्मीदवारों के हटने के बाद मुकाबला सीधा भाजपा और कांग्रेस और निर्दलीय नरेश मीणा के बीच होता दिख रहा है। बागियों के नाम वापसी से भाजपा को संगठनात्मक एकजुटता और मतों के ध्रुवीकरण में बड़ा फायदा मिल सकता है।

प्रदेश में महिलाओं और बच्चों के सर्वांगीण विकास के लिए योजनाओं का हो सफलतापूर्वक क्रियान्वयन : सोनी

जयपुर/दक्षिण भारत। महिला एवं बाल विकास, शासन सचिव महेन्द्र सोनी की अध्यक्षता में समेकित बाल विकास (आईसीडीएस) के नवनियुक्त बाल विकास परियोजना एवं सहायक बाल विकास परियोजना अधिकारियों का 21 दिवसीय विभागीय संस्थानिक प्रशिक्षण सोमवार से जयपुर स्थित हरिशचन्द्र माथुर राजस्थान राज्य लोक प्रशासन संस्थान (एचसीएम रीपा) में शुरू हुआ। महिला एवं बाल विकास, शासन सचिव सोनी ने उद्घाटन सत्र में नव-नियुक्त बाल विकास परियोजना अधिकारियों (सीडीपीओ/सहायक सीडीपीओ) का आईसीडीएस में स्वागत करते हुए कहा कि यह प्रशिक्षण केवल जानकारी देने का माध्यम नहीं है, बल्कि यह आपको संवेदनशील प्रशासनिक नेतृत्व के लिए तैयार करने की प्रक्रिया है।

शासन सचिव ने कहा कि मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा के नेतृत्व में एवं उप मुख्यमंत्री दिया कुमारी के निर्देशन में प्रदेश में महिलाओं और बच्चों के सर्वांगीण विकास की नवाचारपूर्ण योजनाओं, कार्यक्रमों और अभियानों का सफलतापूर्वक क्रियान्वयन कर, राजस्थान ने राष्ट्रीय स्तर पर उत्कृष्ट प्रदर्शन किया है। सोनी ने कहा कि प्रधानमंत्री मातृ वंदना योजना में देशभर में प्रथम स्थान प्राप्त करने से पूर्व, विभाग ने राष्ट्रीय पोषण पखवाड़ा 2025 में देश में पहला स्थान प्राप्त किया था।

पुष्कर पशु मेला परवान चढ़ा

देशी-विदेशी पर्यटकों को लुभा रहीं अश्व और ऊंटों की अठखेलियां

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

पुष्कर। विश्व प्रसिद्ध पुष्कर पशु मेले में अश्व और ऊंट वंश की अठखेलियां विदेशी पर्यटकों को लुभा रही हैं। विदेशी पर्यटक पशुओं के साथ देहाती ग्रामीण पशुपालकों की दिनचर्या की बारे में जानकारी लेकर उत्साहित नजर आ रहे हैं। पशुपालकों के रेतीले धोरों में खाना बनाने, उनके रहन सहन व पशुओं के खान-पान के बारे में जानकारी लेकर अपने कैमरे में यादे कैद कर रहे हैं। पुष्कर मेला देशी के साथ विदेशियों के बीच भी बहुचर्चित है। रेतीले धोरों में ऊंट व अश्वों के रंभाने की आवाज सभी के लिए एक अलग ही अनूभुति का विस्मरण करा रही है। उधर मेले में पशुओं की खरीद फरोख्त जोरों पर जारी है। व्यापारी पशुओं की नस्ल, कद, चाल, दांत देख कर पशुओं का मोलभाव कर रहे है।

यूनाइटेड स्टेटस के 16 सदस्यीय विदेशी पर्यटकों का दल पशु मेला देखकर काफी रोमांचित हुए। उन्होंने पत्रकारों से बातचीत में बताया कि वे जस्ट 2 घंटे पहले आए है, यहां उन्हे कोई अंदाजा नहीं था कि उन्हें यहां इतना भव्य सुन्दर और भीड़भाड़ वाला दृश्य देखने को मिलेगा। उन्होंने भारतीय की संस्कृति के बारे में सीखना शुरू किया है तथा वे यहां कैमल के श्रृंगार को देखकर सभी काफी रोमांचित हुए है।

मेले में अब तक पहुंचे घोड़े-घोड़ियों में 68 इंच प्लस लंबाई के बादल नामक अश्व मेलार्थियों के आकर्षण का केन्द्र बना है। रविवार को दिनभर मेलार्थी बादल के साथ सेल्फी लेते दिखे। पुष्कर मेले में बादल को तीसरी बार लेकर आए केकड़ी के जेतवाल स्टड फार्म के राहुल जेतवाल ने बताया कि बादल का रंग सफेद है, वह 5 वर्षीय है तथा 68 इंच प्लस है। अश्व पालन में उनकी यह 7वीं पीढ़ी है। राहुल ने बादल की कीमत पर बताया कि वह अनमोल है फिर भी वे इसकी कीमत 15 करोड़ तक मानते हैं। गत वर्ष इसकी 9 करोड़ तक बोली लगी थी।

रेतीले धोरों में पशुओं की मंडी सज कर तैयार हो गई है। अब तक मेले में ऊंट व अश्व सहित 3 हजार से अधिक पशु पहुंच गए हैं। पशुपालन विभाग के संयुक्त निदेशक व मेला अधिकारी डा. सुनील घीया ने बताया कि मेले में रविवार की शाम तक 3 हजार 21 पशुओं की आवक दर्ज की गई है। इनमें सर्वाधिक 2102 अश्व शामिल है। जबकि अभी तक 917 ऊंटों की आमद हुई है। 1 गौवंश व 1 भैंस वंश आए हैं। कुल 234 जानवर राजस्थान के बाहर से आए हैं। घीया ने बताया कि पुष्कर मेले में रविवार को एक ही दिन में करीब 15 सौ अश्व वंश पहुंचे। जबकि ऊंट केवल 184 ही आए। खुले आसमान के नीचे पशुपालक व व्यापारियों के बीच लाखों रुपयों का लेनदेन हो रहा है। मेले में ऊंट व अश्वों के साथ एक भैंसा भी पहुंचा है। वहीं भैंसे की खासियत है कि वह 650 किलो वजनी है। मध्यप्रदेश से पहली बार पुष्कर मेले में बिकने के लिए पहुंचा राणा नामक भैंसा देशी के साथ विदेशियों के लिए आकर्षण का केन्द्र बना है। धर्मेन्द्र चौहान ने बताया कि राणा साढ़े 3 साल का है। वे उसे प्रतिदिन चना, अंडा, दूध, घी का सेवन कराते हैं। वे इसकी कीमत 15 लाख रुपए मान रहे हैं।

मगरमच्छी रुदन कर भ्रम फैलाने का विफल प्रयास कर रही कांग्रेस : शेखावत

जोधपुर/दक्षिण भारत। केंद्रीय संस्कृति एवं पर्यटन मंत्री गजेन्द्र सिंह शेखावत ने निकाय चुनाव पर कांग्रेस द्वारा जानबूझकर भ्रम फ़ैलाने पर कहा कि कांग्रेस मगरमच्छी रुदन कर जनता में भ्रम फैलाने का असफल प्रयास कर रही है, जो न केवल दुर्भाग्यपूर्ण है, बल्कि विपक्ष की व्यावसायिक नैतिकता पर भी एक प्रश्न है। अपने एक बयान में केंद्रीय मंत्री शेखावत ने कहा कि पूर्व में राज्यभर में सभी निकायों के चुनाव चाहे वह पंचायत निकाय हो या वह शहरी निकाय हो, अलग-अलग तिथियों को होते थे, कभी किसी पालिका के चुनाव तो कभी किसी पालिका के चुनाव और इधर कभी किसी पंचायत के चुनाव तो कभी किसी पंचायत के चुनाव होते थे। निकाय चुनावों को लेकर कभी एकरूपता का भाव राज्य में पैदा ही नहीं हुआ था। उन्होंने कहा कि कह सकते हैं कि राज्य में निकायों के चुनाव आज तक किश्तों में हुए थे, किन्तु इस बार की भजनलाल सरकार ने दृढ राजनीतिक इच्छाशक्ति दिखाते हुए इन सब निकायों के चुनावों को एक साथ करने का निर्णय लिया। इस दिशा में कदम उठाए और अंततः अब निकाय चुनाव एक साथ होने का मार्ग लगभग प्रशस्त हो गया, जो काफी कठिन और चुनौती पूर्ण कार्य था।

शेखावत ने कहा कि कांग्रेस यह जानते हुए भी कि सभी निकायों के चुनाव एक साथ करवाने के लिए जहां जिस निकाय का कार्यकाल पूरा हो है, उसे अन्य निकायों के कार्यकाल के पूरे होने तक रुकना ही होगा, फिर भी कांग्रेसी नेता जनता को मीडिया में अनर्गल तर्क देते हुए उकसाने करने की कोशिश कर रहे हैं। केंद्रीय मंत्री ने कहा कि जनता को संयम रख एक तिथि में चुनाव करवाने के आशय को स्पष्ट करने की जगह कांग्रेस अपने रटे-रटाए संविधान खतरे में है, के तर्क को ही दोहराती रही, ताकि राज्य की जनता अधीर हो जाए। भजनलाल सरकार की विश्वसनीयता पर प्रश्नचिह्न लगाए, किन्तु जनता कांग्रेस के बहकावे में कतई नहीं आई और संयम के साथ एक राज्य-एक चुनाव की राज्य सरकार की इच्छाशक्ति को समझा है।

कोलकाता में छठ पूजा में हजारों लोग शामिल हुए

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

कोलकाता/भाषा। छठ पर्व के 'संध्या अर्घ्य' के दिन सोमवार शाम को समूचे कोलकाता में नदियों और अन्य जलाशयों के किनारे घाटों पर हजारों श्रद्धालुओं ने सूर्य देव को अर्घ्य दिया। मंगलवार सुबह उगते सूर्य को अर्घ्य देने के लिए घाटों पर फिर से श्रद्धालु एकत्रित होंगे और इसके साथ ही भक्ति, कृतज्ञता और पवित्रता के प्रतीक इस चार दिवसीय पर्व का समापन हो जाएगा।

कोलकाता नगर निगम (केएमसी) के एक अधिकारी ने बताया कि श्रद्धालुओं ने सूर्यास्त से पहले शहर के जलाशयों के आसपास 188 घाटों पर पूजा-अर्चना की। केएमसी इनमें से 149 घाटों का रखरखाव करता है, जबकि 39 घाटों का रखरखाव कोलकाता महानगर विकास क्षेत्र द्वारा किया जाता है। प्रमुख स्थानों पर भीड़भाड़ को रोकने के लिए केएमसी ने छह अस्थायी घाट भी बनाए। दक्षिण और पूर्वी कोलकाता में दोई घाट, बागबाजार, नीमतला, बाबूघाट, रानी रश्मोनी घाट और कई अन्य स्थलों पर श्रद्धालुओं की भीड़ उमड़ी। केएमडीए ने राष्ट्रीय हरित अधिकरण (एनजीटी) के निर्देशों का पालन करते हुए झीलों के पारिस्थितिकी तंत्र और जैव विविधता की रक्षा के लिए रवींद्र सरोवर और सुभाष सरोवर झीलों में पूजा के आयोजन, पटाखे फोड़ने या तेज संगीत बजाने पर प्रतिबंध लगाते हुए लोगों का प्रवेश प्रतिबंधित कर दिया है। इसके तहत 26 अक्टूबर को सुबह 10 बजे से 28 अक्टूबर को दोपहर तक इन झीलों के द्वार बंद रहेंगे।

कोलकाता के पुलिस आयुक्त मनोज कुमार वर्मा ने सुचारू आवाजाही सुनिश्चित करने के लिए सोमवार को दोपहर 12 बजे से रात 10 बजे तक और मंगलवार को तड़के तीन बजे से सुबह 10 बजे तक कुछ सड़कों पर यातायात प्रतिबंध जारी किए।

बिहार, झारखंड और पूर्वी उत्तर प्रदेश के लोगों के अलावा अन्य राज्यों के हिंदू समुदायों ने भी इस उत्सव में भाग लिया।

मुख्यमंत्री ममता बनर्जी ने सोशल मीडिया मंच 'एक्स' पर एक पोस्ट में लोगों को छठ के अवसर पर शुभकामनाएं दीं।

पश्चिम बंगाल प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड (डब्ल्यूबीपीसीबी) के एक अधिकारी ने कहा कि शाम की पूजा के दौरान शहर का वायु गुणवत्ता सूचकांक (एक्यूआई) 'मध्यम' और 'संतोषजनक' श्रेणियों के बीच रहा।

भाजपा एक राजनीतिक गिरोह, उसका एजेंडा समाज में नफ़रत फैलाना : अखिलेश यादव

लखनऊ/भाषा। समाजवादी पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष अखिलेश यादव ने सत्तारूढ़ दल पर निशाना साधते हुए सोमवार को आरोप लगाया कि भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) एक राजनीतिक गिरोह है, जिसका एजेंडा समाज में नफरत फैलाना और सामाजिक सद्भाव को खत्म करना है। सपा मुख्यालय से जारी एक बयान के अनुसार, यहां विभिन्न जिलों से आये कार्यकर्ताओं को सम्बोधित करते हुए यादव ने दावा किया भाजपा सरकार में तमाम तरह के अवैध कारोबार हो रहे हैं, जमीनों पर अवैध कब्जे हो रहे हैं और भाजपाई सरकारी जमीनों व तालाबों पर कब्जे कर रहे है।

उत्तर प्रदेश के पूर्व मुख्यमंत्री ने आरोप लगाया, भाजपा भूमाफिया पार्टी है और इस सरकार में असीमित लूट और भ्रष्टाचार है। हर विभाग और हर कार्य में भ्रष्टाचार है, सरकारी बजट की लूट चल रही है। यादव ने सपा कार्यकर्ताओं की सराहना करते हुए कहा कि प्रदेश की जनता भाजपा सरकार को हटाने और समाजवादी पार्टी की सरकार बनाने के लिए तत्पर है और जनता समाजवादी पार्टी पर भरोसा कर रही है। यादव ने कहा, कार्यकर्ताओं की जिम्मेदारी है कि जनता की इच्छा पर खरे उतरें। जनता के बीच रहकर सपा की नीतियों और कार्यक्रमों की जानकारी दें। कार्यकर्ताओं को भाषा, व्यवहार और परस्पर भरोसा करते हुए एकजुटता का परिचय देना है। सपा प्रमुख ने आरोप लगाया कि भाजपा सरकार पीडीए (पिछड़ा, दलित, अल्पसंख्यक) के साथ हर स्तर पर भेदभाव कर रही है।

अयोध्या में श्री राम जन्मभूमि मंदिर के निर्माण संबंधी सभी कार्य पूर्ण हुए : ट्रस्ट

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

अयोध्या (उप्र)/भाषा। श्री राम जन्मभूमि तीर्थ क्षेत्र ट्रस्ट ने सोमवार को कहा कि मंदिर निर्माण सबंधी सभी कार्य पूर्ण हो गए हैं।

ट्रस्ट ने अपने आधिकारिक एक्स पर एक पोस्ट में कहा, सभी श्रीरामभक्तों को यह जानकारी देते हुए हर्ष हो रहा है कि मंदिर निर्माण सबंधी सभी कार्य पूर्ण हो गए हैं।

ट्रस्ट ने कहा कि मुख्य मंदिर, परकोटा के छह मंदिर भगवान शिव, भगवान गणेश, भगवान हनुमान, सूर्यदेव, देवी भगवती, देवी अन्नपूर्णा तथा शेषावतार मंदिर भी पूर्ण हो चुके हैं और इन पर ध्वजदण्ड एवं कलश स्थापित हो चुके हैं।

पोस्ट में कहा गया इसके अतिरिक्त सप्त मण्डप अर्थात् महर्षि वाल्मीकि, वशिष्ठ, विश्वामित्र, महर्षि अगस्त्य, निषादराज, शबरी एवं ऋषि पत्नी अहल्या मंदिरों का भी निर्माण पूर्ण हो चुका है।

इसमें कहा गया है, सन्त तुलसीदास मंदिर भी पूर्ण हो चुका है तथा जटायु और गिलहरी की प्रतिमाएं स्थापित की जा चुकी हैं।

ट्रस्ट ने कहा कि जिन कार्यों का सीधा सम्बन्ध दर्शनार्थियों की सुविधा या व्यवस्था से है, वे सभी कार्य पूरे किए जा चुके हैं।

इसने कहा कि मानचित्र के अनुसार सड़कें एवं फ्लोरिंग पर पत्थर लगाने का कार्य निर्धारित कंपनी द्वारा तथा भूमि सौन्दर्य, हरियाली और 'लैंड स्केपिंग' कार्य सहित 10 एकड़ में पंचवटी का निर्माण तीव्र गति से किया जा रहा है। ट्रस्ट ने कहा कि फिलहाल वही निर्माण कार्य जारी हैं, जिनका संबंध जनता से नहीं है, जैसे 3.5 किलोमीटर लम्बी चारदीवारी, ट्रस्ट कार्यालय, अतिथि गृह व सभागार आदि के कार्य है।

प्राविधिक शिक्षा के क्षेत्र में नवाचार,अनुसंधान एवं सुधार की दिशा में निरंतर प्रयास की जरूरत : पटेल

लखनऊ/भाषा। उत्तर प्रदेश की राज्यपाल एवं राज्य विश्वविद्यालयों की कुलाधिपति आनंदीबेन पटेल ने सोमवार को कहा कि प्राविधिक शिक्षा के क्षेत्र में नवाचार, अनुसंधान एवं सुधार की दिशा में निरंतर प्रयास की जरूरत है। राज्यपाल ने उनकी अध्यक्षता में आज यहां राजभवन में डॉ. ए.पी.जे. अब्दुल कलाम प्राविधिक विश्वविद्यालय (ए.के.टी.यू.), उप्र एवं प्राविधिक शिक्षा विभाग, उत्तर प्रदेश की संयुक्त समीक्षा बैठक को संबोधित करते हुए यह टिप्पणी की। राजभवन से जारी एक बयान के मुताबिक, बैठक में प्राविधिक शिक्षा विभाग के अधिकारियों द्वारा प्रदेश में प्राविधिक शिक्षा से संबंधित विभिन्न विषयों पर राज्यपाल को विस्तार से अवगत कराया गया। राज्यपाल ने प्राविधिक शिक्षा की गुणवत्ता में सुधार के लिए आवश्यक दिशा-निर्देश देते हुए कहा कि ए.के.टी.यू. के आईटी एवं इलेक्ट्रॉनिक्स विभाग तथा इनक्यूबेशन सेंटरों से संबंधित समस्याओं का शीघ्र समाधान किया जाए।

मप्र के मुख्यमंत्री मोहन यादव ने कहा, मिलावटखोरों को जेल पहुंचाकर मानेंगे

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

इंदौर/भाषा। मिलावटखोरी के खिलाफ सख्त कार्रवाई की चेतावनी देते हुए मध्यप्रदेश के मुख्यमंत्री मोहन यादव ने सोमवार को कहा कि मिलावट के जरिये लोगों की जान से खिलवाड़ करने वाले तत्वों को कतई बख्शा नहीं जाएगा। यादव ने इंदौर में राज्य सरकार द्वारा 8.12 करोड़ रुपए की लागत से बनाई गई खाद्य एवं औषधि परीक्षण प्रयोगशाला का लोकार्पण किया। उन्होंने इस मौके पर आयोजित समारोह में कहा,''मैं मिलावटखोरों को चेतावनी देना चाहता हूं कि हम उन्हें कतई छोड़ने वाले नहीं हैं। हम ऐसे लोगों को जेल के अंदर पहुंचा कर मानेंगे।''

यादव ने कहा कि मिलावट के जरिये लोगों की जान से खिलवाड़ की छूट किसी भी व्यक्ति को नहीं दी जा सकती। मुख्यमंत्री ने कहा,''अगर आप गलत काम करेंगे, तो सरकार आपको छोड़ेगी नहीं। अगर आपने सही काम किया, तो हम आपको प्रोत्साहित करेंगे।'' उन्होंने बताया कि 1956 के दौरान वजूद में आए सूबे के इतिहास में पहली बार राजधानी भोपाल के बाद संभागीय स्तर पर खाद्य एवं औषधि परीक्षण प्रयोगशाला खोली गई है और यह सिलसिला जबलपुर, ग्वालियर व अन्य संभागों में भी जारी रहेगा।

मुख्यमंत्री ने कहा,''इंदौर, 56 दुकान और अन्य चाट-चौपाटियों के लिए मशहूर है। इस प्रयोगशाला की मदद से शहर में खाद्य पदार्थों में मिलावट को रोका जा सकेगा और स्वाद के शौकीनों के लिए शुद्ध खाद्य सामग्री की उपलब्धता सुनिश्चित की जा सकेगी।'' उन्होंने कहा कि भोपाल की खाद्य एवं औषधि परीक्षण प्रयोगशाला के जरिये हर साल खाद्य पदार्थों और दवाओं के केवल 6,000-6,000 नमूनों की जांच हो पाती है।

मुख्यमंत्री मोहन यादव ने कहा,''इंदौर की प्रयोगशाला शुरू होने के बाद अब राज्य में हर साल खाद्य पदार्थों और दवाओं के कुल 20,000 नमूनों की जांच हो सकेगी।''

पर्व और त्यौहार भारत की प्राचीन विरासत के प्रतीक : योगी आदित्यनाथ

लखनऊ/भाषा। उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने सोमवार को यहां कहा कि पर्व और त्योहार केवल एक आयोजन नहीं है, बल्कि यह भारत की प्राचीन विरासत के प्रतीक भी हैं। लखनऊ के लक्ष्मण मेला मैदान स्थित गोमती नदी के तट पर छठ पूजा के अवसर पर आयोजित समारोह को संबोधित करते हुए आदित्यनाथ ने कहा, पर्व और त्योहार केवल एक आयोजन नहीं है...ये हमारी सामाजिक एकता, आध्यात्मिक उन्नयन, भारत की प्राचीन विरासत के प्रतीक भी हैं।

अखिल भारतीय भोजपुरी समाज के अध्यक्ष प्रभुनाथ राय द्वारा आयोजित इस समारोह में गोमती तट पर उमड़ी भीड़ को संबोधित करते हुए मुख्यमंत्री ने कहा कि भोजपुरी समाज आज देश और दुनिया के हर कोने में छठ पर्व की आस्था से जुड़ा है। उन्होंने कहा, यह पर्व आत्मशुद्धि और लोक-कल्याण का प्रतीक होने के साथ ही सामाजिक सौहार्द और राष्ट्रीय एकता का सशक्त संदेश भी देता है। आदित्यनाथ ने छठी माता की कृपा आमजन पर बने रहने की कामना करते हुए कहा कि दुनिया में ऐसे आयोजनों के उदाहरण मिलना मुश्किल है। इस अवसर पर उत्तर प्रदेश के उपमुख्यमंत्री ब्रजेश पाठक और लखनऊ की महापौर सुषमा खरकवाल भी उपस्थित थीं।

बंगाल में पात्र मतदाताओं के नाम हटाने के किसी भी प्रयास का विरोध करेंगे : तृणमूल कांग्रेस

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

कोलकाता/भाषा। पश्चिम बंगाल में मतदाता सूचियों के विशेष गहन पुनरीक्षण (एसआईआर) की निर्वाचन आयोग की घोषणा से राजनीतिक घमासान छिड़ गया है। सत्तारूढ़ तृणमूल कांग्रेस को आशंका है कि ''भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के इशारे पर पात्र मतदाताओं के नाम हटाने'' के प्रयास किए जा सकते हैं, जबकि भाजपा का कहना है कि ''किसी भी अवैध मतदाता को बख्शा नहीं जाएगा''।

निर्वाचन आयोग के इस कदम पर तीखी प्रतिक्रिया व्यक्त करते हुए तृणमूल कांग्रेस के प्रवक्ता कुणाल घोष ने कहा कि पार्टी वास्तविक मतदाताओं को सूची से हटाने के किसी भी प्रयास का ''लोकतांत्रिक तरीके से विरोध'' करेगी।

घोष ने कहा, ''अगर किसी भी पात्र मतदाता का नाम हटाने का प्रयास किया जाता है तो इसका विरोध किया जाएगा। हमें मतदाता सूची पुनरीक्षण से कोई समस्या नहीं है लेकिन अगर इसके नाम पर कोई भाजपा के इशारे पर किसी भी पात्र मतदाता का नाम हटाने की कोशिश करता है तो हम लोकतांत्रिक तरीके से इसका विरोध करेंगे।''

उन्होंने कहा, ''हम सभी से शांति बनाए रखने और भाजपा के जाल में नहीं फंसने का आग्रह करते हैं। बस याद रखें कि पश्चिम बंगाल की मुख्यमंत्री ममता बनर्जी और तृणमूल कांग्रेस के राष्ट्रीय महासचिव अभिषेक बनर्जी पश्चिम बंगाल के लोगों के साथ हैं।''

भाजपा ने निर्वाचन आयोग के इस कदम का स्वागत किया है और इसे ''अवैध मतदाताओं को बाहर निकालने'' के लिए एक आवश्यक कदम बताया।

वरिष्ठ भाजपा नेता और राज्य विधानसभा में विपक्ष के नेता शुभेंदु अधिकारी ने कहा, ''किसी भी अवैध मतदाता को बख्शा नहीं जाएगा। जो वैध मतदाता हैं उन्हें डरने की कोई जरूरत नहीं है। लेकिन घुसपैठियों, जो तृणमूल कांग्रेस के वोट बैंक हैं, को बाहर का रास्ता दिखाया जाएगा।''

निर्वाचन आयोग ने सोमवार को घोषणा की कि पश्चिम बंगाल सहित 12 राज्यों और केंद्र शासित प्रदेशों में मतदाता सूची के विशेष गहन पुनरीक्षण का दूसरा चरण चार नवंबर से शुरू होगा।

चक्रवात 'मोंथा' के कारण पश्चिम बंगाल के कई जिलों में भारी बारिश की संभावना

कोलकाता/भाषा। चक्रवात 'मोंथा' के कारण मंगलवार से शुक्रवार तक पश्चिम बंगाल के कई जिलों में भारी बारिश होने की संभावना है। यह जानकारी भारत मौसम विज्ञान विभाग ने दी। आईएमडी ने एक विशेष बुलेटिन में कहा कि बंगाल की खाड़ी के ऊपर स्थित मौसम प्रणाली के एक गंभीर चक्रवाती तूफान में तब्दील होने और मंगलवार रात को आंध्र प्रदेश के काकीनाडा के पास पहुंचने की संभावना है।

मौसम विभाग ने मछुआरों को बृहस्पतिवार तक पश्चिम बंगाल तट के आसपास समुद्र में न जाने की सलाह दी है। मौसम विभाग ने दार्जिलिंग और कलिम्पोंग जिलों के पहाड़ी इलाकों में भूस्खलन और मैदानी इलाकों के निचले इलाकों में जलभराव की आशंका जताई है। दक्षिण बंगाल में कई स्थानों पर हल्की से मध्यम बारिश होने की संभावना है, जबकि उत्तर और दक्षिण 24 परगना, पूर्व और पश्चिम मेदिनीपुर, झारग्राम, पुरुलिया, पूर्व और पश्चिम बर्धमान, बीरभूम और मुर्शिदाबाद जिलों में मंगलवार और शुक्रवार के बीच भारी बारिश होने की संभावना है। उत्तर बंगाल के दार्जिलिंग, कलिम्पोंग, जलपाई गुड़ी, अलीपुरद्वार और कूचबिहार जिलों में भारी से बहुत भारी बारिश और उत्तर एवं दक्षिण दिनाजपुर तथा मालदा जिलों में भारी बारिश होने की संभावना है।

मीडिया लोकतंत्र का प्रहरी है : नरेंद्र सिंह तोमर

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

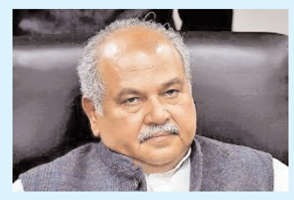

भोपाल/भाषा। मध्यप्रदेश विधानसभा के अध्यक्ष नरेंद्र सिंह तोमर ने कहा है कि पत्रकारिता लोकतंत्र की प्रहरी है और जब विधायिका एवं मीडिया साझा मंच पर संवाद करते हैं तो लोकतंत्र की जड़ें मजबूत होती हैं।

तोमर ने 'सेंट्रल इंडिया प्रेस क्लब' (पब्लिक ट्रस्ट) द्वारा आयोजित ''मीडिया संवाद एवं दिवाली मिलन'' कार्यक्रम को संबोधित करते हुए रविवार को कहा कि पत्रकार केवल सूचना ही नहीं देता बल्कि जनमत का निर्माता भी होता है जिसकी कलम जनता एवं सत्ता के बीच एक मजबूत सेतु का काम करती है। एक सरकारी विज्ञप्ति में अध्यक्ष के हवाले से कहा गया कि पत्रकारिता लोकतंत्र की प्रहरी है और जब विधायिका एवं मीडिया साझा मंच पर संवाद करते हैं तो लोकतंत्र की जड़ें और मजबूत होती हैं। विपक्ष के नेता उमंग सिंघार ने ''विधायिका और पत्रकारिता - लोकतंत्र के दो स्तंभ'' विषय पर अपने विचार रखते हुए कहा कि एक पत्रकार सच्चाई तक पहुंचने के लिए वैसे ही मेहनत करता है, जैसे एक वकील तर्क जुटाने और जासूस सबूत ढूंढने के लिए करता है।

विधानसभा के प्रमुख सचिव अरविंद शर्मा ने पत्रकारिता को ''तथ्यों की तपस्या'' बताते हुए कहा कि निष्पक्ष रिपोर्टिंग लोकतंत्र के तापमान को संतुलित रखती है।

हम प्रियंक खरगे के खिलाफ अदालत में मामला दायर कर सकते हैं : हिमंत

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

गुवाहाटी/भाषा। असम के मुख्यमंत्री हिमंत विश्व शर्मा ने सोमवार को कहा कि उनकी सरकार कर्नाटक के सूचना प्रौद्योगिकी (आईटी) मंत्री प्रियंक खरगे के खिलाफ मामला दर्ज करने पर विचार कर रही है, क्योंकि उन्होंने कथित तौर पर कहा था कि पूर्वोत्तर राज्य में सेमीकंडक्टर इकाई जैसे बड़े उद्योग स्थापित करने के लिए कोई प्रतिभा नहीं है।

शर्मा ने कर्नाटक के मंत्री के ''आपत्तिजनक बयान'' की निंदा नहीं करने के लिए विपक्षी कांग्रेस की भी आलोचना की। उन्होंने कहा, ''प्रियंक खरगे अव्वल दर्जे के मूर्ख हैं। उन्होंने असमिया युवाओं का अपमान किया है और कांग्रेस ने अभी तक प्रियंक खरगे की निंदा नहीं की है।'' खरगे ने कथित तौर पर एक समाचार चैनल से कहा था कि कर्नाटक में किए जाने वाले निवेश को केंद्र के 'दबाव' के बाद गुजरात और असम ले जाया जा रहा है। इस पर प्रतिक्रिया व्यक्त करते हुए शर्मा ने कहा, ''शायद, हम उनके खिलाफ मामला दर्ज करें क्योंकि उन्होंने कहा है कि असम में शिक्षित युवा नहीं हैं। यह असमिया युवाओं का अपमान है। इसलिए, हम इस पर विचार कर रहे हैं कि क्या उनके खिलाफ अदालत में मामला दायर किया जा सकता है।''

डिजिटल कंटेंट क्रिएटर महिला अश्लीलता फैलाने के आरोप में गिरफ्तार

अगरतला/भाषा। त्रिपुरा में डिजिटल कंटेंट क्रिएटर महिला को सोशल मीडिया पर अश्लील सामग्री प्रसारित करने के आरोप में गिरफ्तार किया गया है। पुलिस ने यह जानकारी दी।

माधवी विश्वास विभिन्न मुद्दों पर प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी, मुख्यमंत्री माणिक साहा और सांसद विप्लव कुमार देव की अपने अलग अंदाज में कड़ी आलोचना करने के कारण फेसबुक पर काफी लोकप्रिय हैं। पश्चिम अगरतला थाने के प्रभारी राणा चटर्जी ने सोमवार को बताया कि रविवार को रामनगर निवासी परमीता घोषाल की शिकायत के आधार पर पुलिस ने पश्चिम त्रिपुरा जिले के जोगेंद्रनगर में माधवी विश्वास के घर पर छापेमारी की और उन्हें गिरफ्तार कर लिया। उन्होंने कहा, विश्वास पर सोशल मीडिया मंच के माध्यम से अश्लील सामग्री फैलाने का आरोप है।

असम में नए विधेयक में बहुविवाह पर सात साल जेल की योजना

गुवाहाटी/भाषा। असम के मुख्यमंत्री हिमंत विश्व शर्मा ने सोमवार को कहा कि बहुविवाह के खिलाफ प्रस्तावित कानून में कम से कम सात साल की सजा होगी। उन्होंने 'मुख्य मंत्रीर निजुत मोइना' योजना के दूसरे चरण की शुरुआत के अवसर पर कहा कि यह विधेयक शीतकालीन सत्र के पहले दिन 25 नवंबर को विधानसभा में पेश किया जाएगा। कार्यक्रम में शामिल लाभार्थी लड़कियों को उन्होंने बताया, यदि कोई व्यक्ति अपनी पत्नी को कानूनी रूप से तलाक दिए बिना किसी अन्य महिला से विवाह करता है, तो उसके धर्म की परवाह किए बिना उसे सात वर्ष या उससे अधिक कारावास का प्रावधान होगा। उन्होंने कहा कि आरोपी कह सकता है कि उसका धर्म इसकी इजाजत देता है, लेकिन भाजपा सरकार कभी बहुविवाह की इजाजत नहीं देगी। शर्मा ने कहा, हम किसी भी कीमत पर इस राज्य में महिलाओं की गरिमा की रक्षा करेंगे।

असम में एसआईआर को लेकर अलग आदेश जारी किया जाएगा: ज्ञानेश कुमार

नई दिल्ली/भाषा। मुख्य निर्वाचन आयुक्त ज्ञानेश कुमार ने सोमवार को कहा कि असम में नागरिकता अधिनियम के अलग प्रावधान लागू होते हैं और राज्य में मतदाता सूची के विशेष गहन पुनरीक्षण के लिए एक विशेष आदेश जारी किया जाएगा। असम उन 12 राज्यों और केंद्र शासित प्रदेशों की सूची में शामिल नहीं है जहां चार नवंबर से मतदाता सूची को दुरुस्त करने की प्रक्रिया शुरू करने की घोषणा की गई है। कुमार ने कहा, ''नागरिकता अधिनियम के तहत, असम में नागरिकता के लिए अलग प्रावधान हैं। उच्चतम न्यायालय की निगरानी में नागरिकता की जांच का कार्य लगभग पूरा होने वाला है। 24 जून का एसआईआर आदेश पूरे देश के लिए था। ऐसी परिस्थितियों में यह असम पर लागू नहीं होता।'' उन्होंने कहा, ''इसलिए असम के लिए अलग से पुनरीक्षण आदेश जारी किए जाएंगे और एसआईआर की एक अलग तिथि घोषित की जाएगी।''

अब इस सत्र में किसी भी प्रतियोगिता में भाग नहीं लेगी पीवी सिंधू

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नई दिल्ली/भाषा। दो बार की ओलंपिक पदक विजेता स्टार बैडमिंटन खिलाड़ी पीवी सिंधू ने यूरोपीय चरण से पहले पैर में लगी चोट से पूरी तरह उबरने पर ध्यान केंद्रित करने के लिए 2025 के सत्र की बाकी बची बीडब्ल्यूएफ टूर प्रतियोगिताओं से हटने का फैसला किया है।

हैदराबाद की 30 वर्षीय शटलर ने कहा कि यह निर्णय उनकी सहयोगी टीम और चिकित्सा विशेषज्ञों से परामर्श करने के बाद लिया गया। इन चिकित्सा विशेषज्ञों में प्रसिद्ध खेल हड्डी रोग विशेषज्ञ डॉ. दिनशॉ पारदीवाला भी शामिल हैं। सिंधू ने सोमवार को एक बयान में कहा, ''अपनी टीम के साथ विचार विमर्श करने और डॉक्टर पारदीवाला से सलाह लेने के बाद हमने महसूस किया कि मेरे लिए 2025 में शेष सभी बीडब्ल्यूएफ टूर प्रतियोगिताओं से हटना सबसे अच्छा होगा।'' उन्होंने कहा, ''यूरोपीय चरण से पहले मेरे पैर में जो चोट लगी थी वह अभी तक पूरी तरह से ठीक नहीं हुई है। चोट लगना किसी भी खिलाड़ी के करियर का अहम हिस्सा होता है हालांकि इसे स्वीकार करना आसान नहीं होता है। इस तरह की परिस्थितियां आपके धैर्य की परीक्षा लेती हैं और आपको मजबूत होकर वापसी करने के लिए प्रेरित भी करती हैं।''पिछले साल पेरिस ओलंपिक में शुरुआती दौर में बाहर होने के बाद यह साल भी सिंधू के लिए अच्छा नहीं रहा। वह कई प्रतियोगिताओं के पहले दौर में बाहर हो गई और इस दौरान एक भी खिताब नहीं जीत सकी।

राजद समर्थकों में तेज प्रताप को लेकर भावना: 'घी दाल में ही गिरता है'

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

महुआ (बिहार)/भाषा। बिहार विधानसभा चुनाव में वैशाली जिले के महुआ निर्वाचन क्षेत्र में दिलचस्प बहुकोणीय मुकाबला होने की संभावना है जहां बहुत सारे मतदाताओं के बीच यह धारणा हावी है कि यदि वे तेज प्रताप यादव के पक्ष में मतदान कर दें, तो भी लाभ उनकी पसंदीदा पार्टी राष्ट्रीय जनता दल (राजद) को ही मिलेगा।

राजद के कट्टर समर्थकों के बीच यह कहावत अक्सर सुनने को मिल जाती है कि घी दाल में ही गिरता है। उनका कहने का अर्थ यह है कि कि यदि वे लालू प्रसाद के बड़े बेटे एवं राजद से निष्कासित तेज प्रताप यादव को वोट दें तब भी इससे राजद को ही फायदा होगा क्योंकि आखिरकार तेज प्रताप अपने पिता की पार्टी के साथ ही खड़े होंगे। इस सीट पर राजद के अधिकृत उम्मीदवार मौजूदा विधायक मुकेश रौशन हैं। रौशन लगातार यह समझाने की कोशिश कर रहे हैं कि यदि मतदाता तेजस्वी यादव को मुख्यमंत्री बनते देखना चाहते हैं तो वोट उनके पक्ष में ही जाना चाहिए। तेजस्वी खुद समीपवर्ती सीट राघोपुर से लगातार तीसरी बार चुनावी मैरान में हैं। उन्हें 'इंडिया' गठबंधन (इंडियन नेशनल डेवलपमेंटल इन्क्लूसिव अलायंस) का मुख्यमंत्री पद का चेहरा घोषित किया गया है जिससे यादव मतदाता खासे उत्साहित हैं जिनकी महुआ में अच्छी-खासी तादाद है।

बेंगलूरु | मंगलवार | 28-10-2025 www.dakshinbharat.com /dakshinbharat /dakshinbharat DAKSHIN BHARAT RASHTRAMAT HINDI DAILY

दक्षिण भारत राष्ट्रमत

सुविचार

सच्ची सफलता उस पल से शुरू होती है, जब आप अपने सबसे बड़े डर को पार कर लेते हैं।

दक्षिण भारत राष्ट्रमत

भारत-चीनः सांस्कृतिक सेतु से नई उम्मीदें

चीन के प्रसिद्ध विद्वानों की श्रीमद्भगवद्गीता के अध्ययन में बढ़ती रुचि सराहनीय है। यह कुछ आश्चर्य का विषय भी है। चीनी सरकार भारत के प्रति शत्रुता रखती है। चीनी कम्युनिस्ट पार्टी को धर्म में लोगों की बढ़ती रुचि अखरती है। ऐसे में 88 वर्षीय प्रोफेसर झांग बाओशेंग द्वारा श्रीमद्भगवद्गीता का चीनी भाषा में अनुवाद किया जाना सुखद आश्चर्य पैदा करता है। भारतीय दूतावास ने 'संगमम - भारतीय दार्शनिक परंपराओं का संगम' विषय पर जो संगोष्ठी आयोजित की, उसमें चीनी विद्वानों ने श्रीमद्भगवद्गीता को भारत का दार्शनिक विश्वकोश बताया है। उन्होंने भौतिक एवं आध्यात्मिक गतिविधियों के बीच सामंजस्य स्थापित करने की इसकी कालातीत अंतर्दृष्टि पर प्रकाश डाला है। इन विद्वानों के विचार जानकर पता चलता है कि इन्होंने बहुत गहराई से अध्ययन किया है। ऐसे विद्वान चीन और भारत की जनता के बीच सेतु की तरह हैं। भारत में चीनी समाज के बारे में जानकारी का थोड़ा अभाव ही रहा है। चीनी सरकार और चीनी कम्युनिस्ट पार्टी भारत के बारे में चाहे जितनी अनर्गल बयानबाजी करें, लेकिन एक आम चीनी के मन में हमारे देश के लिए सम्मान और जिज्ञासा की भावना है। उसके लिए भारत बुद्ध के संदेश, योग की परंपरा, ध्यान, शांति, कला, संस्कृति, संगीत और नृत्य की धरती है। बेशक चीन और पाकिस्तान के साथ भारत के युद्ध हो चुके हैं। दोनों के साथ तनाव का स्तर घटता-बढ़ता रहता है। सरकारी स्तर पर संबंधों को मधुर नहीं कह सकते, लेकिन एक आम चीनी और एक आम पाकिस्तानी के नजरिए में बहुत फर्क है। चीनी नागरिकों में वैसा उन्माद देखने को नहीं मिलेगा, जो पाकिस्तानियों में बहुत आसानी से देखने को मिल जाता है। इससे भविष्य में सामाजिक स्तर पर भारत-चीन संबंधों के मधुर होने की उम्मीद की जा सकती है।

दोनों ही देशों के लोग एक-दूसरे के अनुभवों से बहुत कुछ सीख सकते हैं। चीन में योग, ध्यान, आयुर्वेद, प्राकृतिक चिकित्सा, भारतीय खानपान, पहनावे को बहुत पसंद किया जाता है। वहां भारतीय फिल्में लोकप्रिय होती जा रही हैं। चीन में भारतीय मूल के डॉक्टर द्वारकानाथ कोटनिस को देवता की तरह माना जाता है। उन्होंने दूसरे विश्व युद्ध के दौरान चीनी लोगों की बहुत सेवा की थी। कहते हैं कि एक बार उन्होंने 72 घंटों तक लगातार काम किया और सैकड़ों लोगों को नया जीवन दिया था। उन प्रतिभाशाली एवं सेवाभावी डॉक्टर का लौकिक जीवन सिर्फ 32 साल का रहा, लेकिन चीनी लोग उन्हें आज भी याद करते हैं। चीन के हेबेई स्थित शिजियाझुआंग में डॉ. कोटनिस की बड़ी प्रतिमा लगी हुई है। चीनी लोग उस प्रतिमा को देखकर सलाम करते हैं। वहां रामचरितमानस को लेकर भी गहरी जिज्ञासा है। अयोध्या में श्रीराम मंदिर बनने के बाद इस संबंध में लोग इंटरनेट पर खूब सर्च कर रहे हैं। अगर उन्हें अवसर मिले तो वे अयोध्या आना चाहेंगे। चीनी लोगों को भारतीय खानपान बहुत आकर्षित करता है। यहां हजारों तरह के पकवान देखकर उनका लुत्फ उठाने का मन करता है। चीन ही नहीं, जापान और दक्षिण कोरिया में भी भारतीय पकवानों की धूम है। एक शख्स ने सोशल मीडिया पर बताया था कि वह परांठे खाना चाहता था। बस, इसी के लिए वह दिल्ली आ गया था! उसके मुताबिक, जो स्वाद भारतीय भोजन में है, वह दुनिया में कहीं नहीं है। यह खूबी भारत को अद्भुत और अद्वितीय बनाती है। अब जरूरत इस बात की है कि हम दुनिया के सामने अपनी खूबियों को सही ढंग से पेश करें। हमें स्वच्छता पर ध्यान देने की जरूरत है। चीनी नागरिकों ने इस क्षेत्र में बहुत काम किया है। अपने देश को स्वच्छ एवं सुंदर बनाना हर नागरिक का कर्तव्य है। हमें भी दृढ़ संकल्प के साथ यह काम करना चाहिए।

ट्वीटर टॉक

कोटा में विभिन्न क्षेत्रों से आए देवतुल्य नागरिकों द्वारा कि गई शिकायतों, समस्याओं एवं सुझावों को संवेदनशीलता के साथ सुनकर संबंधित विभागों के अधिकारियों को समयबद्ध समाधान हेतु दिशा-निर्देश दिए। यह पहल जनता की बात सीधे प्रशासन तक पहुँचाने का माध्यम है।

-मदन दिलावर

जोधपुर जिले के ओसियां क्षेत्र में हुए भीषण सड़क हादसे में एक व्यक्ति की दुर्भाग्यपूर्ण मृत्यु एवं कई लोगों के घायल होने का समाचार अत्यंत दुःखद और चिंताजनक है। ईश्वर दिवंगत आत्मा को शांति दें तथा हादसे में घायल हुए नागरिकों को शीघ्र स्वास्थ्य लाभ प्रदान करें।

-दिया कुमारी

आज अहमदाबाद में परम पूज्य आचार्यश्री 108 आदिसागर जी महाराज (अंकलीकर) के 111वें आचार्य पदाभिनंदन एवं विश्व के प्रथम ब्राह्मी लिपि कैलेंडर के भव्य विमोचन समारोह में उपस्थित होकर श्रद्धा, अध्यात्म और संस्कृति के एकाकार रूप का साक्षात्कार किया।

-गजेन्द्रसिंह शेखावत

प्रेरक प्रसंग

विद्वता और विनम्रता

फ्रांस में नोके नामक संत, तपस्वी और विद्वान थे। वहां के राजा चार्ल्स उनकी विद्वता और गुणों के बहुत कायल थे और उन्हें सम्मानित कर अपने दरबार में लाना चाहते थे। लेकिन जब नोके इसके लिए तैयार नहीं हुए, तो राजा स्वयं उनके मठ में पहुंच गए। राजा और नोके के बीच अब धर्म के साथ-साथ कई अन्य विषयों पर भी वार्तालाप हुई। राजा ने उनसे कुछ राजनीतिक विषयों पर भी सलाह ली। राजा के दरबारियों को यह सब अच्छा नहीं लगा। मुख्य सलाहकार तो क्रोध से नोके का अपमान करने को तैयार हो गया। अगले दिन, जब नोके राजा और अन्य संभ्रांत नागरिकों के साथ चर्च में प्रार्थना कर रहे थे, तो वह सलाहकार क्रोधित होकर अंदर आया और नोके के पास जाकर अपशब्द कहे, 'तुम बड़े विद्वान और ईश्वर के निकट माने जाते हो। क्या तुम मुझे बता सकते हो कि ईश्वर इस समय क्या कर रहे हैं?' संत ने तुरंत मुस्कुराते हुए जवाब दिया, 'पुत्र, इस समय पृथ्वी पर जो दीन हैं, उन्हें उन्नत कर रहे हैं और जो अहंकारी हैं, उन्हें नीच बना रहे हैं।' संत की मधुर वाणी में संयमित जवाब सुनकर उस अहंकारी सलाहकार का सारा घमंड चूर-चूर हो गया।

सामयिक

नया सैन्य गठजोड़ भारत के लिए चुनौती

ललित गर्ग
मोबाइल : 9811051133

हाल ही में पाकिस्तान समेत संयुक्त अरब अमीरात, कतर और अज़रबैजान के बीच बन रहे सैन्य गठजोड़ की खबरें भारत के लिए गंभीर चिंता का विषय हैं। यह घटनाक्रम न केवल दक्षिण एशिया बल्कि मध्य एशिया और खाड़ी क्षेत्र के भू-राजनीतिक समीकरणों को भी प्रभावित कर रहा है। पाकिस्तान लगातार अपनी रक्षा और कूटनीतिक स्थिति को मज़बूत करने की दिशा में सक्रिय हुआ है और वह ऐसे देशों से निकटता बढ़ा रहा है जो भारत के रणनीतिक हितों के लिए चुनौती बन सकते हैं। भारत को इस नए उभरते गठजोड़ को केवल एक सामान्य रक्षा समझौते के रूप में नहीं देखना चाहिए, बल्कि इसे एक दीर्घकालिक रणनीतिक प्रयास के रूप में समझना चाहिए, जिसका उद्देश्य पाकिस्तान की अंतरराष्ट्रीय स्थिति को सुधारना और भारत पर अप्रत्यक्ष दबाव बनाना है। भारत की विदेश नीति और सुरक्षा के मद्देनजर इस तरह के गठबंधन बड़ी चुनौती के लिहाज देखे जाने चाहिए।

पिछले महीने पाकिस्तान और सऊदी अरब के बीच हुए ऐतिहासिक सैन्य समझौते, जिसके तहत एक देश पर हुआ हमला दूसरे देश पर भी माना जाएगा, की तर्ज पर ही इस सैन्य गठजोड़ का विचार सामने लाया गया है। हालांकि इन चार देशों के बीच अभी कोई औपचारिक समझौता नहीं हुआ है, लेकिन माना जा रहा है कि अगले कुछ महीनों में इसकी घोषणा हो जाएगी। गौरतलब है कि तुर्किये, पाकिस्तान और अजरबैजान का त्रिपक्षीय गठबंधन, जिसे थ्री ब्रदर्स के नाम से जाना जाता है, एक मजबूत सैन्य साझेदारी का रूप ले चुका इसके अतिरिक्त, इस्लामिक मिलिट्री काउंटर टेररिज्म कोएलिशन (आईएमसीटीसी) भी है, जिसका संस्थापक सऊदी अरब है और जिसमें चालीस से अधिक सदस्य देश शामिल हैं। इन देशों के बीच सैन्य अभ्यास, हथियार सौदे और कश्मीर जैसे मुद्दों पर इनका स्वाभाविक सामूहिक रुख भारत के लिए चिंता का विषय रहा है। इससे पाकिस्तान अपनी कुचालों का जायज ठहराने एवं अपनी रक्षा की गुहार लगाते हुए भारत पर दबाव बनाना चाहता है। नहीं भूलना चाहिए कि पहलगाम आतंकी हमले के बाद जब भारतीय सेना ने ऑपरेशन सिंदूर चलाया, तब ज्यादातर मुस्लिम देशों ने तटस्थ रुख अपनाया था, लेकिन तुर्किये और अजरबैजान दो ऐसे मुल्क थे, जो पूरी तरह से पाकिस्तान के समर्थन में खड़े थे। दरअसल, तुर्किये के राष्ट्रपति तैयब अर्दोआन की इस्लामिक दुनिया के मॉडर्न खलीफा बनने की सनक का पाकिस्तान समर्थन करता है, इसी वजह से तुर्किये ने संयुक्त राष्ट्र में भी कश्मीर पर पाकिस्तान के रुख का खुला समर्थन किया है।

सऊदी अरब और पाकिस्तान के बीच हुआ हालिया रक्षा समझौता इस बात का संकेत है कि पाकिस्तान अब अपनी सुरक्षा रणनीति को क्षेत्रीय स्तर पर फैलाने में सफल हो रहा है। यह समझौता इस सिद्धांत पर आधारित है कि अगर किसी एक देश पर हमला होता है तो दोनों की संयुक्त प्रतिक्रिया होगी। यह बात भारत के लिए सीधे तौर पर खतरे की घंटी है क्योंकि इससे पाकिस्तान को रक्षा सहायता, प्रशिक्षण, संसाधन और राजनीतिक समर्थन प्राप्त हो सकता है। इसी तरह पाकिस्तान अज़रबैजान, यूएई और कतर जैसे देशों के साथ भी अपने संबंधों को मजबूत करने में जुटा है। इन देशों के साथ पाकिस्तान का यह बढ़ता सामरिक सहयोग उसके लिए आर्थिक और तकनीकी लाभ भी लेकर आ सकता है, जिससे भारत के लिए क्षेत्रीय संतुलन बनाए रखना कठिन हो सकता है। भारत को इन परिस्थितियों में अपनी विदेश नीति को अधिक सशक्त और लचीला बनाना होगा। अब वह समय बीत चुका है जब भारत केवल पारंपरिक प्रतिद्वंद्विता और सीमित क्षेत्रीय चिंताओं के आधार पर नीति बनाता था। आज की दुनिया में भू-राजनीति बहुस्तरीय हो चुकी है, जहां आर्थिक संबंध, तकनीकी साझेदारी और रक्षा सहयोग एक-दूसरे से गहराई से जुड़े हुए हैं। भारत को चाहिए कि वह अपने खाड़ी देशों से संबंधों को और सुदृढ़ करे। यूएई और सऊदी अरब जैसे देशों के साथ भारत के आर्थिक और सांस्कृतिक संबंध पहले से ही मजबूत हैं, पर उन्हें रक्षा सहयोग के स्तर पर भी विस्तारित करने की जरूरत है। भारत यदि इन देशों के साथ रणनीतिक साझेदारी बढ़ाता है तो पाकिस्तान को क्षेत्रीय स्तर पर अलग-थलग करने में मदद मिल सकती है।

साथ ही भारत को यह भी समझना होगा कि पाकिस्तान केवल सैन्य ताकत पर नहीं, बल्कि कूटनीतिक चालों और मीडिया नैरेटिव के माध्यम से भी अपनी स्थिति को मजबूत करने का प्रयास कर रहा है। ऐसे में भारत को न केवल रक्षा मोर्चे पर बल्कि कूटनीतिक और सूचनात्मक मोर्चे पर भी सक्रिय रहना होगा। भारत की नीति प्रतिक्रियात्मक न होकर सक्रिय, दूरगामी और अग्रदर्शी होनी चाहिए। भारत को यह दिखाना होगा कि वह केवल अपनी सीमाओं की रक्षा तक सीमित नहीं है, बल्कि क्षेत्रीय स्थिरता और वैश्विक शांति का भी एक भरोसेमंद संरक्षक है। भारत ही दुनिया से आतंकवाद को समाप्त करने की मुहिम छेड़े हुए है। भारत के लिए यह भी जरूरी है कि वह अपने मित्र देशों के साथ सामूहिक सुरक्षा दृष्टिकोण विकसित करे। जिस तरह अमेरिका और यूरोपीय संघ सामूहिक रक्षा नीति पर चलते हैं, उसी तरह भारत को भी इंडो-पैसिफिक क्षेत्र, एसोसिएशन ऑफ साउथइस्ट ऐशियन नेशनस - देशों और मध्य पूर्व में सहयोगी नेटवर्क को सुदृढ़ करना चाहिए। यह केवल सैन्य दृष्टि से नहीं बल्कि कूटनीतिक और आर्थिक दृष्टि से भी भारत की स्थिति को मजबूत करेगा। पाकिस्तान की नई विदेश नीति की दिशा साफ है- वह भारत को घेरने की कोशिश कर रहा है, चाहे वह चीन के साथ सीपेक परियोजना के माध्यम से हो या अब मध्य-पूर्व के देशों के साथ रक्षा सहयोग के जरिए। भारत को इस घेराबंदी को तोड़ने के लिए तीन दिशा में एक साथ काम करना होगा-अपनी रक्षा क्षमता को आधुनिक बनाना, विदेश नीति में सक्रियता लाना, और अंतरराष्ट्रीय स्तर पर भारत की सकारात्मक छवि को और प्रखर बनाना। यह स्थिति भारत के लिए केवल एक चुनौती नहीं बल्कि अपनी सामरिक दूरदर्शिता को सिद्ध करने का अवसर भी है। भारत यदि समय रहते अपने पड़ोस में बढ़ते इस सैन्य गठजोड़ की गंभीरता को समझ लेता है और सक्रिय कदम उठाता है, तो वह न केवल पाकिस्तान की कूटनीतिक चालों को निष्प्रभावी बना सकता है, बल्कि दक्षिण एशिया को स्थिरता और सहयोग के नए मॉडल के रूप में प्रस्तुत कर सकता है।

इन चार राष्ट्रों का सैन्य गठबंधन भारत के लिए एक चेतावनी है कि भू-राजनीति में देशों के बीच धार्मिक एकजुटता नए रूप में सामने आ रही है, ऐसे में क्षेत्रीय शांति और सुरक्षा बनी रहे, इसके लिए भारत को अपनी रक्षा क्षमताओं को मजबूत करते हुए कूटनीतिक मोर्चे पर भी सक्रिय बने रहना होगा। भारत पिछले कई वर्षों से पाकिस्तान, तुर्की और अजरबैजान को काउंटर करने के लिए अलग-अलग रणनीतियों पर काम कर रहा है। इनमें इन तीनों देशों के दुश्मनों की मदद से लेकर इन्हें आर्थिक तरीके से चोट पहुंचाना भी शामिल है। पाकिस्तान के खिलाफ भारत के कदमों से हर कोई परिचित है। अब बात करते हैं तुर्की की। भारत ने तुर्की को काउंटर करने के लिए उसके सबसे बड़े दुश्मन ग्रीस के साथ रक्षा संबंधों को मजबूत किया है। इसके अलावा भारत ने साइप्रस के मुद्दे को भी अंतरराष्ट्रीय मंचों पर उठाना शुरू किया है, जिसकी जमीन पर तुर्की ने अवैध रूप पर कब्जा जमाया हुआ है। वहीं, भारत ने तुर्की को अपने बाजार में प्रवेश को लेकर भी सख्तियां बरती है। इस सैन्य गठजोड़ के हकीकत बनने की सूरत में भारत के लिए जरूरी होगा कि वह आर्मेनिया, ग्रीस और साइप्रस के साथ अपने संबंध मजबूत करे और यूएई के साथ भी द्विपक्षीय रिश्तों को और प्रगाढ़ बनाए, जो भारत का बड़ा व्यापारिक भागीदार रहा है और आम तौर पर इस्लामिक मुद्दों पर तटस्थ रुख रखता है।आज भारत को यह मानना होगा कि सुरक्षा अब केवल हथियारों का मामला नहीं है, यह अर्थव्यवस्था, कूटनीति, और तकनीक का समन्वित प्रश्न बन चुका है। पाकिस्तान की नई चालें एवं कुचालें हमें केवल सतर्क रहने की नहीं, बल्कि सजग, सक्रिय और रणनीतिक रूप से एक कदम आगे रहने की प्रेरणा देती हैं। भारत यदि अपनी नीति में इस नए दृष्टिकोण को शामिल करता है, तो यह गठजोड़ उसके लिए खतरा नहीं बल्कि आत्मसुधार और आत्मसशक्तिकरण का अवसर साबित हो सकता है।

चिंतन

कम करना होगा प्लास्टिक का उपयोग

अमित बैजनाथ गर्ग
मोबाइल : 78770 70861

हाल ही में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने छत्तीसगढ़ के सरगुजा जिले के अंबिकापुर के गार्बेज कैफे का जिक्र किया। वर्ष 2019 में खोला गया यह देश का पहला गार्बेज कैफे था। अंबिकापुर नगर निगम ने प्लास्टिक वेस्ट के दुष्प्रभाव को कम करने के उद्देश्य से यह अनोखी पहल की थी। इस कैफे की खासियत यह है कि यहां प्लास्टिक कचरे के बदले भरपेट खाना और नाश्ता मिलता है। एक किलो प्लास्टिक देने पर पूरा खाना और आधा किलो प्लास्टिक देने पर नाश्ता दिया जाता है। अंबिकापुर ने गार्बेज कैफे जैसे नवाचार के माध्यम से पर्यावरण संरक्षण में एक मिसाल कायम की है। इस पहल से शहर में प्लास्टिक वेस्ट की मात्रा वर्ष दर वर्ष घटती जा रही है। प्रधानमंत्री की गार्बेज पर चर्चा के बाद एक बार फिर प्लास्टिक कचरा बातचीत का केंद्र बन गया है।

प्लास्टिक कचरा औद्योगिक और उपभोक्ता प्रक्रियाओं से उत्पन्न होने वाला अपशिष्ट है। यह एक बड़ी वैश्विक समस्या है, क्योंकि प्लास्टिक विघटित नहीं होता और समुद्री जीवन, मानव स्वास्थ्य और पर्यावरण पर नकारात्मक प्रभाव डालता है। प्लास्टिक कचरे को कम करने के लिए प्लास्टिक के उपयोग को कम करने, पुन: उपयोग करने और रीसाइक्लिंग करने जैसे विभिन्न उपायों की आवश्यकता है। प्लास्टिक प्रदूषण महासागरों, नदियों और झीलों को प्रदूषित करता है, जिससे जलीय जीवन को नुकसान पहुंचता है। यह लंबे समय तक पर्यावरण में बना रहता है। प्लास्टिक से निकलने वाले माइक्रोप्लास्टिक्स (सूक्ष्म कण) मानव रक्त, फेफड़ों और अन्य अंगों में पाए गए हैं। प्लास्टिक में पाए जाने वाले रसायन हार्मोन असंतुलन और अन्य स्वास्थ्य समस्याओं का कारण बन सकते हैं। प्लास्टिक उत्पादन से वायुमंडल में ग्रीनहाउस गैसों का उत्सर्जन होता है, जो जलवायु परिवर्तन में योगदान देता है।

पिछले 70 वर्षों में प्लास्टिक उत्पादन में तेजी से वृद्धि हुई है। 1950 में दुनिया भर में इसका उत्पादन केवल दो मिलियन टन था। अब यह 450 मिलियन टन से ज्यादा उत्पादन करता है। पहला सिंथेटिक प्लास्टिक बेकेलाइट 1907 में उत्पादित किया गया था, जिसने वैश्विक प्लास्टिक उद्योग की शुरुआत को चिह्नित किया। हालांकि वैश्विक प्लास्टिक उत्पादन में तेज वृद्धि 1950 के दशक तक नहीं हुई थी। अगले 70 वर्षों में प्लास्टिक का वार्षिक उत्पादन लगभग 230 गुना बढ़कर 2019 में 460 मिलियन टन हो गया है। यहां तक कि पिछले दो दशकों में ही वैश्विक प्लास्टिक उत्पादन दोगुना हो गया है। वहीं एक अध्ययन के अनुसार, भारत दुनिया में सबसे बड़ा प्लास्टिक प्रदूषक है, जो प्रतिवर्ष लगभग 9.3 मिलियन टन प्लास्टिक प्रदूषण में योगदान देता है। इस कचरे का एक बड़ा हिस्सा लैंडफिल में चला जाता है या पर्यावरण में मिल जाता है।

प्लास्टिक पूरी धरती पर पाया जाता है और अनुमान है कि 2040 तक प्लास्टिक कचरे की मात्रा तीन गुना हो जाएगी। दुनिया के सबसे दुर्गम स्थानों तक प्लास्टिक कैसे पहुंचता है, यह दर्शाने वाली जानकारी अभी भी विकसित हो रही है। 2020 के एक अध्ययन से पता चला है कि बड़े प्लास्टिक के टुकड़े तब तक टूटते हैं, जब तक वे बेहद छोटे नहीं हो जाते और फिर मिट्टी और हवा के माध्यम से लंबी दूरी तक पहुंच जाते हैं। ये कण ईरान के रेगिस्तान, अंटार्कटिका में गिरने वाली बर्फ और माउंट एवरेस्ट की चोटी जैसी जगहों पर भी पाए गए हैं। पिछले 20 सालों में प्लास्टिक जीवित प्राणियों के अंदर भी दिखाई दिया है। वैज्ञानिकों ने मछलियों, पक्षियों और समुद्री कछुओं के शरीर में यहां तक कि मानव रक्त और प्लेसेंटा में भी प्लास्टिक के सूक्ष्म कण पाए हैं, जिन्हें माइक्रोप्लास्टिक कहा जाता है। इस साल वैज्ञानिकों ने पहली बार जीवित लोगों के फेफड़ों की गहराई में माइक्रोप्लास्टिक की पहचान की।

इस बात के भी संकेत मिले हैं कि प्लास्टिक के कणों और उनसे जुड़े रसायनों को सांस के जरिए अंदर लेने से फेफड़ों को नुकसान पहुंचता है। वैज्ञानिक यह जानने की कोशिश कर रहे हैं कि लंबे समय तक इनके संपर्क में रहने का क्या असर हो सकता है। पिछले कुछ दशकों के अध्ययनों से लगातार यह पता चला है कि कैंसर और पुरानी फेफड़ों की बीमारी से पीड़ित मरीजों के फेफड़ों के नमूनों में प्लास्टिक के कण पाए गए हैं। प्लास्टिक के रेशों के संपर्क में आने वाले कर्मचारियों को फेफड़ों की समस्याएं हो सकती हैं। उनकी फेफड़ों की क्षमता कम हो सकती है, जो शायद सूजन से होने वाले नुकसान के कारण हो सकता है। वैज्ञानिकों को यह भी पता है कि इन प्लास्टिक को बनाने वाले रसायन ज़्यादा मात्रा में मनुष्यों के लिए जहरीले होते हैं। वैज्ञानिक अभी भी यह जानने की कोशिश कर रहे हैं कि लंबे समय तक इनके संपर्क में रहने का स्वास्थ्य पर क्या असर हो सकता है। यह एक ऐसी प्रक्रिया है, जिसमें लंबा समय लग सकता है।

असल में प्लास्टिक के आविष्कार ने आधुनिक समाज में क्रांति ला दी है। अब यह सचमुच हर जगह मौजूद है, लेकिन प्लास्टिक और उससे बनने वाली सस्ती सिंगल यूज पैकेजिंग की हमारी लत अब पूरी दुनिया में फैल रही है और हमारे शरीर में घुसपैठ कर रही है। इससे बचाव के लिए प्लास्टिक की वस्तुओं, जैसे कि कंटेनरों और बोतलों का पुन: उपयोग करें।

प्लास्टिक कचरे को रीसाइक्लिंग के लिए अलग करें और उचित रीसाइक्लिंग प्रक्रियाओं का पालन करें। प्लास्टिक बैग, स्ट्रॉ और सिंगल यूज वाली बोतलों और सिंगल यूज वाले प्लास्टिक उत्पादों से बचें। डिस्पोजेबल बोतलों के बजाय पुन: उपयोग की जाने वाली पानी की बोतलों का उपयोग करें। टूटी हुई प्लास्टिक की वस्तुओं को फेंकने के बजाय ठीक करने या दान करने का प्रयास करें। वहीं सरकारों को प्लास्टिक के उपयोग को कम करने, बेहतर अपशिष्ट प्रबंधन प्रणाली विकसित करने और प्लास्टिक के पुनर्चक्रण को बढ़ावा देने पर भी काम करना होगा। सभी मिलकर काम करेंगे, तो प्लास्टिक कचरे की समस्या का समाधान कर पाएंगे।

नजरिया

श्रम से ही जीवन सार्थक एवं सफल

संजीव ठाकुर
मोबाइल : 90094 15415

ऋषि मुनियों ने कहा है श्रम से ही जीवन सार्थक होता है श्रम मनोबल संयम और तब जीवन के तत्व गुण हैं और इन्हीं से मनुष्य को मनुष्य होने का गौरव प्राप्त होता है। सफलता रातों रात नहीं मिलती, जो सफलता भाग्य से मिलती है वह जल्द ख़त्म भी हो सकती है। इसलिए निरंतर मेहनत, श्रम करने आदत होनी चाहिए, साथ में यदि उच्च मनोबल हो तो सोने-पे-सोहागा होती है और इससे प्राप्त सफलता स्थाई होती है, जीवन में अच्छे लक्ष्य को लेकर की गई मेहनत सार्थक होती है और कभी व्यर्थ जाया नहीं होती है। सफलता का भावार्थ धन संग्रहण अथवा दौलत प्राप्ति ही कभी नहीं हो सकती। सफलता का सदैव तात्पर्य एक अच्छा और संवेदनशील मनुष्य का होना ही है।

वर्तमान के आपाधापी एवं कठिन जीवन शैली में हर व्यक्ति चाहता है कि उसे प्राथमिकता मिले और उसके सब कार्य तत्काल पूर्ण हो जाए। भारत की जनसंख्या के हिसाब से हर स्थान, हर जगह जबरदस्त प्रतियोगिता का वातावरण निर्मित हो चुका है। एक काम के लिए हजारों लोग लाइन में लगे हुए हैं, मूलत किसी पद को पाने के लिए इतनी ज्यादा प्रतियोगिता एवं प्रतिस्पर्धा है कि साधारण कद काठी एवं सामान्य व्यक्तित्व का व्यक्ति भीड़ में कहीं खो जाता है अपने निर्धारित लक्ष्य को प्राप्त करने से वंचित रह जाता है।असफलता के कारण मानसिक दबाव जिंदगी भर रहने लगता है, ऐसे व्यक्तित्व विकास मनुष्य के जीवन में एक कड़ी और चुनौतीपूर्ण जीवन रेखा है। एसे में व्यक्ति को शानदार व्यक्तित्व बनाने के लिए बड़ी मेहनत एवं कठिन तपस्या की आवश्यकता होती है। तभी वह इस प्रतिस्पर्धात्मक जीवन शैली में अपने आप को सही और सटीक स्थापित कर पाता है। आप जो भी कार्य करते हैं, पढ़ते हैं, नौकरी करते हैं, व्यवसाय या समाज सेवा करते हैं, उसके संबंध में आपके पास गहरी और संपूर्ण जानकारी होना चाहिए। अधूरा ज्ञान बहुत ही खतरनाक और असमंजस निर्माण करने वाला होता है और कार्य की सफलता में संदेह भी पैदा करता है। क्योंकि अधूरी जानकारी आपके काम करने की प्रणाली पर सवालिया निशान लगा देती है।

इसमें आप फिर जवाब देने की स्थिति में भी नहीं रह पाएंगे। अधूरा ज्ञान नकारात्मक होकर आपके आत्मविश्वास को भी डगमगा देता है। आप फिर उस कार्य को करने में डरने लगेंगे। इसलिए किसी कार्य को करने के पूर्व उसके प्रति अच्छी जानकारी सम्यक रूप से होमवर्क की तरह कर ले। और सदैव कार्यों की प्राथमिकता तैयार रखें आसान एवं सरल कार्य पहले संपादित करें, जिससे आपके आत्मविश्वास में वृद्धि हो सके फिर काम के लिए आप अपनी तैयारियां पूर्ण कर सकेंगे, आपका आसान काम करने के बाद का आत्मविश्वास आपको कठिन कार्य करने के लिए उत्प्रेरित करेगा और कठिन कार्य करने में आप आसानी एवं सरलता महसूस करने लगेंगे। किसी भी कार्य को करने से पहले बिल्कुल भी किंचित मात्र भयभीत ना हो क्योंकि डर के कारण कई काम स्वतः बिगड़ जाते हैं।

शानदार व्यक्तित्व के विकास में समय का उपयोग और अनुप्रयोग अत्यंत महत्वपूर्ण है। यदि आप समय का सदुपयोग अच्छे से करते हैं तो आधी सफलता आपके सामने होती है। संपूर्ण आत्मविश्वास के साथ इस कार्य को किस समय करना है, यह आपके समझ में जल्दी आ जाता है तो आपका सफलता का ग्राफ बहुत जल्दी ऊपर की ओर जाने लगेगा, क्योंकि समय की कीमत जो व्यक्ति जानता है समय उसकी इज़्ज़त करता है। और उसे सफलता की सीढ़ियां चढ़ने से कोई रोक नहीं सकता, समय का अनुशासन सबसे बड़ा सबक है, काम को सही समय में करना एक तरह की बड़ी ईमानदारी मानी जाती है।

यदि आप समय के प्रति प्रतिबद्ध हैं एवं ईमानदारी से कार्य करने की हिमायती हैं तो आपको सफल व्यक्तित्व की श्रेणी में लाने से कोई रोक नहीं सकता,इसी तरह अप एक अच्छे राष्ट्र के निर्माण में योगदान भी कर सकते हैं,अच्छे व्यकितत्व के निर्माण से ही शक्तिशाली, विकसित राष्ट्र का निर्माण किया जासकता है,अपने व्यक्तिव्य के निर्माण के साथ शिक्षित संस्कारी देश को सर्वोपरि मान कर राष्ट्रिय हित में सर्वस्व त्यागना होगा, तब जाकर एक महँ राष्ट्र की नीव राखी जासकती है।

महत्त्वपूर्ण

Printed& Published by Devendra Sharma on behalf of owners M/s. New Media Company,6/4 , Ist floor, Cantonment station road, Bengaluru-51and printed at Dinasudar Printing Division, 116, Queens Road, Bengaluru-560052. **Editor-Shreekant Parashar**, (*Responsible for selection of news under PRB Act.) Reproduction of any matter from this newspaper in whole or in part or any suchmanner without prior written permission from the publisher is strictly prohibited and punishable by law.**RNI No. 58061/93. Regn No.: RNP/KA/BGS/2050/2015-2017 posted at Bengaluru PSO Mysore Road Bengaluru-560 026**

पाठकों से अनुरोध है कि इस प्रकाशन में प्रकाशित किए जाने वाले किसी भी तरह के विज्ञापन (वैवाहिक, वर्गीकृत, टैंड़र एवं सजावटी इत्यादि) पर कोई भी कार्यवाही, प्रतिबद्धता या धनराशि का व्यय करने से पूर्व इन विज्ञापनों के बारे में समस्त जानकारी वह स्वयं प्राप्त कर लें। दक्षिण भारत राष्ट्रमत समूह उत्पादों की गुणवत्ता तथा सेवाओं के लिए विज्ञापनदाताओं द्वारा किए जा रहे किसी प्रकार के दावों के लिए जिम्मेदार नहीं है। अगर विज्ञापनदाता विज्ञापन में किया जा रहा दावा पूरा नहीं करता है तो दक्षिण भारत राष्ट्रमत समूह के संपादक, मुद्रक एवं प्रकाशक या मालिकान को पाठक किसी भी रूप में उत्तरदाई नहीं बना सकता।– दक्षिण भारत राष्ट्रमत

प्रस्तुति

श्रीनगर के कोठीबाग स्थित जीजीएचएसएस में ड्रीम स्कूल परियोजना के उद्घाटन के दौरान पारंपरिक वेशभूषा में प्रस्तुति देते हुए छात्र।

मनोनीत प्रधान न्यायाधीश सूर्यकांत ने दिए हैं कई महत्वपूर्ण फैसले

नई दिल्ली/भाषा। जल्द ही भारत के 53वें प्रधान न्यायाधीश के रूप में शपथ लेने वाले न्यायमूर्ति सूर्यकांत शीर्ष न्यायिक कार्यालय में जब बैठेंगे तो अपने साथ दो दशकों के अनुभव का खजाना भी लेकर आएंगे, जिसमें अनुच्छेद 370 को निरस्त करने, बिहार मतदाता सूची संशोधन, पेगासस स्पाइवेयर मामला, भ्रष्टाचार और लैंगिक समानता पर ऐतिहासिक फैसले और आदेश शामिल हैं।

भारत के प्रधान न्यायाधीश बी.आर. गवई ने सोमवार को केंद्र से अगले सीजेआई के रूप में न्यायमूर्ति सूर्यकांत के नाम की सिफारिश की। वरिष्ठतम न्यायाधीश न्यायमूर्ति कांत, सीजेआई गवई की सेवानिवृत्ति के बाद 24 नवंबर को भारत के प्रधान न्यायाधीश बनेंगे।

वह 24 मई, 2019 को शीर्ष न्यायालय के न्यायाधीश बने और नियुक्त होने के बाद, नौ फरवरी, 2027 को अपनी सेवानिवृत्ति तक

प्रधान न्यायाधीश के रूप में उनका कार्यकाल लगभग 15 महीने का होगा।

हरियाणा के हिसार जिले में 10 फरवरी, 1962 को एक मध्यमवर्गीय परिवार में जन्मे न्यायमूर्ति सूर्यकांत एक छोटे शहर के वकील से देश के सर्वोच्च न्यायिक पद तक पहुंचे, जहां वे राष्ट्रीय महत्व और संवैधानिक मामलों के कई फैसलों और आदेशों का हिस्सा रहे।

उन्हें 2011 में कुरुक्षेत्र विश्वविद्यालय से कानून में स्नातकोत्तर में 'प्रथम श्रेणी में प्रथम' स्थान प्राप्त करने का गौरव भी प्राप्त है। पंजाब और हरियाणा उच्च न्यायालय में कई उल्लेखनीय फैसले लिखने वाले न्यायमूर्ति सूर्यकांत को पांच अक्टूबर, 2018 को हिमाचल प्रदेश उच्च न्यायालय का मुख्य न्यायाधीश नियुक्त किया गया था। उन्हें 2019 में सर्वोच्च न्यायालय में न्यायाधीश नियुक्त किया गया।

उच्चतम न्यायालय के न्यायाधीश के रूप में उनका कार्यकाल अनुच्छेद 370 को हटाने, अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता और नागरिकता के अधिकारों पर फैसले देने के लिए जाना जाता है।

न्यायमूर्ति सूर्यकांत हाल ही में राज्य विधानसभा द्वारा पारित विधेयकों से निपटने में राज्यपाल और राष्ट्रपति की शक्तियों से संबंधित राष्ट्रपति के परामर्श पर सुनवाई करने वाली न्यायालय की पीठ में शामिल हैं। इस फैसले का बेसब्री से इंतज़ार किया जा रहा है, जिसका असर कई राज्यों पर पड़ेगा।

कैमरून में मौजूदा राष्ट्रपति बिया को विजेता घोषित किया गया

याओंडे (कैमरून)/एपी। कैमरून की शीर्ष अदालत ने सोमवार को राष्ट्रपति पॉल बिया को हालिया चुनाव में विजेता घोषित किया। वह विश्व के किसी देश के सर्वाधिक उम्र के राष्ट्रपति हैं। वह 92 वर्ष के हैं।

कैमरून में सुरक्षा बलों के साथ झड़पों में कम से कम चार प्रदर्शनकारियों की मौत हो गई, क्योंकि विपक्षी दल के समर्थक विश्वसनीय चुनाव परिणामों की मांग को लेकर प्रदर्शन कर रहे थे। बिया 1982 से मध्य अफ्रीकी राष्ट्र का नेतृत्व कर रहे हैं। देश की शीर्ष अदालत संवैधानिक परिषद ने कहा कि बिया को 12 अक्टूबर को हुए चुनाव में 53.66 प्रतिशत वोट मिले, जबकि पूर्व सहयोगी से प्रतिद्वंद्वी बने इस्सा चिरोमा बाकरी को 35.19 प्रतिशत वोट मिले। रविवार को देश की आर्थिक राजधानी डौआला में चार प्रदर्शनकारियों की गोली लगने से मौत हो गई, जबकि कई शहरों में सैकड़ों लोगों के सड़कों पर उतर आने के बाद 100 से ज़्यादा लोगों को गिरफ़्तार कर लिया गया। चुनाव से कुछ दिन पहले ही चिरोमा ने अपनी पार्टी द्वारा संकलित परिणामों का हवाला देते हुए जीत का दावा किया था। हालांकि, बिया ने इस दावे को खारिज कर दिया। डौआला सहित लिटोरल क्षेत्र के गवर्नर सैमुअल डियूडोन इवाहा डिबौआ के अनुसार, डौआला में कई सुरक्षा कर्मी भी घायल हुए हैं। उन्होंने बताया कि कम से कम 105 प्रदर्शनकारियों को गिरफ्तार किया गया है।

ऑनलाइन वीडियो में प्रदर्शनकारियों को सुरक्षा बलों के साथ भिड़ते देखा जा सकता है, जिन्होंने आंसू गैस छोड़ी और डौआला तथा उत्तर में गरौआ और मरौआ सहित अन्य शहरों में प्रमुख सड़कों पर प्रदर्शन कर रहे लोगों को तितर-बितर करने की कोशिश की।

हाल के दिनों में विपक्षी दल के दर्जनों समर्थकों, कार्यकर्ताओं और नेताओं को गिरफ़्तार किया गया है।

कैमरून के क्षेत्रीय प्रशासन मंत्री पॉल अतांगा न्जी ने शनिवार को पत्रकारों को बताया था कि सरकार ने हिंसा की साज़िश रचने वाले कई लोगों को गिरफ्तार किया है।

लगभग तीन करोड़ की आबादी वाले देश कैमरून में चुनाव से पहले तनाव पैदा हो गया था। लगभग आधी जिंदगी सत्ता में रहे बिया के दोबारा चुनाव लड़ने के फैसले से युवाओं और विपक्ष में नाराजगी है।

पूजा

पश्चिम बंगाल की मुख्यमंत्री ममता बनर्जी सोमवार को कोलकाता के एक घाट पर छठ पूजा समारोह के दौरान पूजा-अर्चना करती हुईं।

'मस्ती 4' का पोस्टर आउट

मुंबई/एजेन्सी

बॉलीवुड की कल्ट कॉमेडी फ्रेंचाइज़ी 'मस्ती' की वापसी को लेकर दर्शकों में उत्साह चरम पर है! विशेष रूप से जैसे ही 28 अक्टूबर यानी कल रिलीज़ होने जा रही 'मस्ती 4' की ट्रेलर रिलीज़ की डेट सामने आई है, दर्शक और ज़्यादा उत्साहित हो गए हैं और इसी उत्साह को देखते हुए वेवबाउंड प्रोडक्शन ने कलरफुल और एनर्जी से भरपूर एनसेंबल पोस्टर रिलीज़ कर उनके उत्साह को और भी हाई कर दिया है। यह पोस्टर फिल्म के मस्त, मज़ेदार और ओवर-द-टॉप अंदाज़ को पूरी तरह दर्शाता है। मिलाप मिलन ज़वेरी द्वारा लिखित और निर्देशित 'मस्ती 4' में वापसी कर रही है, रितेश देशमुख, विवेक ओबेरॉय और आफताब शिवदासानी की वही आइकॉनिक तिकड़ी, जो दोबारा अमर, मीत और प्रेम के अपने पॉपुलर किरदारों में नज़र आएंगे।गौरतलब है कि इस नए और जबरदस्त एनर्जी से भरपूर पोस्टर में रितेश देशमुख, विवेक ओबेरॉय और आफताब शिवदासानी के साथ फिल्म की ग्लैमरस लीडिंग लेडीज़ श्रेया शर्मा, रुही सिंह और एलनाज़ नोरोज़ी भी दिखाई दे रही हैं। यही नहीं, हंसी के इस बवंडर में तुषार कपूर, शाद रंधावा और निशांत मलकानी भी शामिल हैं, जो फिल्म को मस्ती, अफरा-तफरी और शरारती मिज़ाज के एक मज़ेदार रोलरकोस्टर में बदलने का वादा कर रहे हैं।

पोस्टर की टैगलाइन भारत की नंबर 1 सबसे शरारती फ्रेंचाइजी एक बार फिर लौट आई है इस बात की तरफ साफ इशारा करती है कि यह फिल्म दर्शकों को अनलिमिटेड हंसी, पागलपंती और फुलटू एंटरटेनमेंट का डोज़ देने वाली है।

21 नवंबर को भारत के सभी सिनेमाघरों में रिलीज़ होने जा रही वेवबाउंड प्रोडक्शन और ज़ी स्टूडियोज़ द्वारा प्रस्तुत यह फिल्म, मारुती इंटरनेशनल और बालाजी टेलीफिल्म्स के सहयोग से बनी है। इसे ए. झुनझुनवाला और शिखा करण अहलूवालिया (वेवबाउंड प्रोडक्शन) के साथ इंद्र कुमार और अशोक ठाकेरिया (मारुती इंटरनेशनल), शोभा कपूर और एकता कपूर (बालाजी मोशन पिक्चर्स), तथा उमेश बंसल ने प्रोड्यूस किया है।

इन सभी को देखते हुए यह बात आसानी से कही जा सकती है कि मिलाप मिलन ज़वेरी के सिग्नेचर ह्यूमर, दर्शकों की पसंदीदा तिकड़ी की वापसी और नए स्टारकास्ट के धमाकेदार जुड़ाव के साथ, 'मस्ती 4' अब तक की सबसे मज़ेदार और एंटरटेनिंग बॉलीवुड कमबैक साबित होगी!

द ताज स्टोरी के डायलॉग प्रोमो ने बढ़ाया रोमांच

मुंबई/एजेन्सी

मुंबई। तुषार अमरीश गोयल द्वारा लिखित और निर्देशित तथा स्वर्णिम ग्लोबल सर्विसेज प्रा. लि. और सीए सुरेश झा द्वारा प्रस्तुत 'द ताज स्टोरी', हर नए अपडेट के साथ दर्शकों के बीच ज़बरदस्त चर्चा का विषय बनती जा रही है। दमदार, विस्फोटक और सोचने पर मजबूर कर देने वाले ट्रेलर के बाद अब मेकर्स ने फिल्म का एक शक्तिशाली डायलॉग प्रोमो रिलीज़ किया है, जिसने चर्चा को एक नया मोड़ दे दिया है। इस प्रोमो में परेश रावल और जाकिर हुसैन के बीच कोर्टरूम में चल रही तीखी बहस दिखाई गई है, जहां परेश रावल का किरदार 'ताज महल' के पीछे छिपी कहानी और सत्य पर सवाल उठाते हैं। मेकर्स ने इस प्रोमो को साझा करते हुए लिखा है, प्रेम का प्रतीक या नरसंहार का प्रतीक? समय आ गया है ताजमहल की झूठी कहानी को चुनौती देने का। इसके साथ में टैगलाइन दी है, फिल्म आज़ादी के 79 साल बाद भी यह सवाल उठाती है कि क्या हम अब भी बौद्धिक आतंकवाद के गुलाम हैं?परेश रावल के साथ जाकिर हुसैन, अमृता खानविलकर, स्नेहा वाघ और नामित दास जैसे दमदार कलाकारों से सजी 'द ताज स्टोरी' सिर्फ एक पीरियड या ऐतिहासिक फिल्म नहीं, बल्कि एक सिनेमा आधारित बहस है, जो सामाजिक टिप्पणी के साथ इतिहास की पुनः समीक्षा प्रस्तुत करती है। संगीत रोहित शर्मा और राहुल देव नाथ के संगीत निर्देशन में बनी फिल्म 'द ताज स्टोरी' कथानक की तीव्रता के साथ भावनात्मक प्रभाव को भी गहरा करता है। 31 अक्टूबर 2025 को देशभर के सिनेमाघरों में भव्य रूप से रिलीज़ हो रही 'द ताज स्टोरी' दर्शकों को सोचने, सवाल पूछने और शायद इतिहास व आज़ादी की परिभाषा को नए सिरे से समझने के लिए प्रेरित करेगी।

माइक्रोसॉफ्ट छोड़कर एक्टिंग का रुख करने वाली कुब्रा सैत को याद आए अपने पुराने दिन

मुंबई/एजेन्सी

एक्ट्रेस कुब्रा सैत ने हाल ही में इंस्टाग्राम पर एक भावनात्मक पोस्ट के ज़रिए साल 2009 की अपनी यादों का पिटारा खोलते हुए अपने दर्शकों को बताया कि किस तरह उन्होंने बड़ी कॉर्पोरेट नौकरी छोड़कर अपने सपनों की तलाश में मुंबई का रुख किया था।कुब्रा ने कुछ थ्रोबैक तस्वीरें साझा करते हुए लिखा: सन 2009: स्प्रेडशीट्स और सपनों के बीच कहीं मैंने माइक्रोसॉफ्ट की नौकरी छोड़कर मुंबई जाने का फैसला किया। सब कहते थे, 'पोर्टफोलियो' चाहिए। पोर्टफोलियो यानी उस बड़े शहर का मानो जादुई टिकट। मुझे याद है मेरा पोर्टफोलियो दुबई में मिस इंडिया वर्ल्डवाइड में 'मिस पर्सनैलिटी' जीतने के कुछ समय बाद ही एक बेहतर इंसान और फ़ोटोग्राफ़र सुनिथ श्याम ने बनाया था और अपनी उस पहली तस्वीर को मैंने फ्रेम करवाया था। यह ज़िंदगी की वो पहली सीढ़ी थी, जिसे मैंने अभी जिया भी नहीं था। हालांकि सालों बाद, जब मैंने फ्रेम बदलना चाहा, तो कांच तस्वीर से चिपक चुकी थी और तस्वीर निकालते समय उसका एक हिस्सा वहीं रह गया, बिलकुल यादों की तरह। कुछ हिस्से धुंधले हो जाते हैं, कुछ साथ रह जाते हैं, लेकिन उस तस्वीर में शुरू हुई हिम्मत आज भी कायम है। कुब्रा सैत की यह पोस्ट अपनी सच्चाई और भावनात्मक गहराई के साथ दर्शकों के दिलों को इस कदर छू गई है कि वे उनके मुरीद बन गए हैं। साथ ही कभी नए सफर की शुरुआत का प्रतीक रही वह पुरानी तस्वीर अब उनकी उपलब्धियों और साहस की गवाह बन चुकी है। सच कहें तो अपनी बोल्ड चॉइसेज़ और असली अंदाज़ के लिए जानी जाने वाली कुब्रा ने एक बार फिर साबित कर दिया है कि उनमें नरमी भी है, और यही उनकी असली ताकत है।

आयुष शर्मा ने नई फिल्म के लिए पीपल मीडिया फैक्ट्री के साथ सहयोग किया

नयी दिल्ली/भाषा

अभिनेता आयुष शर्मा अपनी आगामी फिल्म के लिए प्रोडक्शन हाउस 'पीपल मीडिया फैक्टरी' के साथ मिलकर काम कर रहे हैं। अभिनेता को लवयात्री और अंतिम: द फाइनल ट्रुथ जैसी फिल्मों में अपने काम के लिए जाने जाते है। प्रोडक्शन हाउस ने रविवार को अभिनेता के 35वें जन्मदिन के मौके पर यह खबर साझा की। उसके आधिकारिक 'एक्स' खाते से एक पोस्ट में अभिनेता की तस्वीर वाला एक पोस्टर साझा किया, जिस पर हैप्पी बर्थडे आयुष शर्मा लिखा है। शर्मा ने कहा कि इस महत्वाकांक्षी परियोजना के लिए इस प्रोडक्शन हाउस के साथ जुड़ना उनके लिए सम्मान की बात है। शर्मा ने एक बयान में कहा, एक महत्वाकांक्षी परियोजना के लिए पीपल मीडिया फैक्टरी के साथ जुड़ना मेरे लिए बहुत सम्मान की बात है। मैं पिछले कुछ सालों से उनके द्वारा निर्मित फिल्में देख रहा हूं, और यह मेरे लिए हमेशा एक सिनेमाई अनुभव रहा है। मेरा मानना ङ्कङ्कहै कि यह उन प्रोडक्शन हाउसों में से एक है जो भारतीय सिनेमा की सीमाओं को आगे बढ़ा रहा है।

अंकुश राजा का नया गाना 'घात ऐ राजा' जल्द होगा रिलीज

मुंबई/एजेन्सी

भोजपुरी सिनेमा के लोकप्रिय गायक और अभिनेता अंकुश राजा का नया गाना 'घात ऐ राजा' जल्द ही रिलीज होने वाला है। गायक ने रविवार को पोस्ट कर इस बात की जानकारी दी। उन्होंने इंस्टाग्राम पर गाने का पोस्टर शेयर किया, जिसके साथ लिखा, जल्द ही रिलीज होने वाला है नया गाना 'घात ऐ राजा,' अंकुश राजा ऑफिशियल यूट्यूब चैनल पर! पोस्ट देखकर प्रशंसक गाने को लेकर काफी उत्साहित नजर आ रहे हैं। वे कमेंट सेक्शन में तरह-तरह की प्रतिक्रियाएं दे रहे हैं।गाने की बात करें तो इसे अंकुश राजा ने अपनी आवाज में गाया है, जबकि बोल रौशन सिंह विश्वास ने लिखे हैं और संगीत प्रियांशु सिंह ने तैयार किया है। वहीं, कोरियोग्राफी का जिम्मा सन्नी सोनकर ने संभाला है। हालांकि, गाने की अन्य जानकारी अभी शेयर नहीं की गई है। बिहार के सासाराम के रहने वाले अंकुश राजा ने करियर की शुरुआत साल 2009 से बाल गायक के रूप में की थी। उन्होंने 2019 में फिल्म मैं तेरा आशिक से अभिनय की दुनिया में कदम रखा और अपने भाई के साथ मिलकर भोजपुरी गाने रिलीज करते हैं।

दोनों की जोड़ी को दर्शकों का खूब प्यार मिलता है और उनके गाने यूट्यूब पर काफी व्यूज पाते हैं। हाल ही में अंकुश ने छठ पूजा से पहले गीत 'ओरी तर' रिलीज किया था, जिसे दर्शकों से बेहद सराहना मिली थी। गाने को महज पांच दिनों में 713,773 व्यूज मिल चुके थे। इस बात की जानकारी खुद अंकुश ने अपने आधिकारिक चैनल पर दी थी। रिलीज के महज पांच दिनों में 'ओरी तर' ने यूट्यूब पर जबरदस्त प्रदर्शन किया। गाने को अंकुश राजा, राज और नंदनी सिंह ने अपनी मधुर आवाज में गाया है। गाने के बोल मनोज मतलबी ने लिखे हैं, जिन्होंने छठ पूजा के भावों को सरल शब्दों में उकेरा है। संगीतकार गोविंद ओझा ने इसका संगीत तैयार किया है।

'बड़ा संदेश' देती हैं लघु फिल्में : हुमा कुरैशी

लखनऊ/भाषा

बॉलीवुड अभिनेत्री हुमा कुरैशी ने लघु फिल्मों को ज्यादातर कलाकारों की कामयाबी की पहली सीढ़ी करार देते हुए रविवार को कहा कि लघु फिल्में हमेशा 'बड़ा संदेश' देती हैं और वे उन लोगों को बड़ा मंच प्रदान करती हैं, जो इस कला में आगे बढ़ना चाहते हैं। हुमा ने लॉस एंजिल्स (अमेरिका) के 'इंडिपेंडेंट शॉर्ट अवार्ड' के फाइनल में पहुंचने वाली भारत की इकलौती फिल्म बनी 'घुसपैठिया कौन' को 'लखनऊ शार्ट फिल्म फेस्टविल' में 'बेस्ट स्क्रिप्ट क्रिटिक्स च्वाइस अवार्ड' प्रदान किया। उन्होंने कहा कि ज्यादातर अभिनेताओं ने अपने फिल्मी सफर की शुरुआत लघु फिल्मों से ही की थी। अभिनेत्री ने कहा, लघु फिल्में उन लोगों को बड़ा मंच प्रदान करती हैं, जो इस कला में आगे बढ़ना चाहते हैं। अगर उनके पास काबिलियत है तो वे लघु फिल्मों के जरिये जो बताते हैं, उसे गम्भीरता से लिया जाता है। छोटी फिल्मों से बड़ा संदेश जाता है। मानव-वन्य जीव संघर्ष पर आधारित लघु फिल्म 'घुसपैठिया कौन' का लेखन वरिष्ठ पत्रकार सुधीर मिश्र ने किया है। फिल्म के निर्माता समीर-नेही अग्रवाल और निर्देशक धीरज भटनागर हैं।

'घुसपैठिया कौन' के लेखक सुधीर मिश्र ने बताया कि इसने लॉस एंजिल्स के 'इंडिपेंडेंट शॉटस अवार्ड' प्रतियोगिता में 25 देशों की फिल्मों की फाइनल सूची में अपना

स्थान बनाया। यह प्रतियोगिता में भारत का प्रतिनिधित्व करने वाली अकेली लघु फिल्म थी। उन्होंने बताया कि इस फिल्म को रविवार को 'लखनऊ शॉर्ट फिल्म फेस्टिवल' में अभिनेत्री हुमा कुरैशी और अभिनेता सनी सिंह ने 'बेस्ट स्क्रिप्ट क्रिटिक्स च्वाइस अवार्ड' से नवाजा। मिश्र ने बताया कि फिल्म 'घुसपैठिया कौन' गाजियाबाद अदालत में एक तेंदुए के घुस जाने के बाद हुए हंगामे की सच्ची घटना से प्रेरित है।

फिल्म में एक किरदार तेंदुए का है, जो मनुष्यों की भाषा बोलता है। इसे एनिमेशन के जरिए मशहूर एनिमेशन एक्सपर्ट राजीव द्विवेदी ने परदे पर उतारा है। फिल्म के लेखक सुधीर मिश्र ने बताया कि देश के ज्यादातर हिस्सों में जिस तरह से विकास के नाम पर जंगलों को काटा जा रहा है और बफर जोन खत्म हो रहे हैं, उससे मानव-वन्यजीव संघर्ष की समस्या गंभीर रूप लेती जा रही है।

उन्होंने कहा कि इस टकराव से मनुष्य और जानवर दोनों को ही नुकसान हो रहा है, जिससे भी बड़ा खतरा समूचे पर्यावरण तंत्र को हो रहा है। मिश्र ने कहा कि शहरों में बंदरों की समस्या के पीछे भी जंगलों में फलदार वृक्षों का कम होना और शहरों का विस्तार होना है। मिश्र ने बताया कि इस फिल्म का पहला प्रीमियर इस साल 10 अगस्त को हुआ था। दो दिवसीय 'लखनऊ शार्ट फिल्म फेस्टविल' में 'थुनई' को सर्वश्रेष्ठ फिल्म, 'गंगा पुत्र' को सर्वश्रेष्ठ वृत्त चित्र और समर जैन को फिल्म 'दद्दू जिंदाबाद' के लिए सर्वश्रेष्ठ निर्देशक का पुरस्कार दिया गया।

बेंगलूरु | मंगलवार | 28-10-2025 www.dakshinbharat.com /dakshinbharat /dakshinbharat DAKSHIN BHARAT RASHTRAMAT HINDI DAILY
दक्षिण भारत राष्ट्रमत

सत्य ज्ञान का पाना इस जगत में अत्यंत दुर्लभ है : साध्वी इंदुप्रभा

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु। स्थानीय श्वेतांबर स्थानकवासी जैन श्रावक संघ, अलसूर के तत्वावधान में जैन भवन में आयोजित प्रवचन में साध्वी इंदुप्रभा जी ने कहा कि धन, परिवार, राज सुख और पद प्रतिष्ठा सत्ता पाना सरल है किंतु सत्य ज्ञान का पाना इस जगत में अत्यंत दुर्लभ है। प्रभु महावीर ने अपने उपदेश में बार बार बोध पाने की प्रेरणा दी है और पूछा कि संसार के दुखों को देखते हुए और अनुभव करते हुए भी हम क्यों जाग नहीं रहे हैं। आज भक्ति में दिखावा बढ़ गया है। भक्ति में शब्दों का शोर ऐसा होता है कि पड़ोसी भी जाग जाए किंतु स्वयं की आत्मा को जगाने का सम्यक पुरुषार्थ नहीं हो रहा है। धर्म आराधना के बिना यह जीवन बांझ समान है। हम माल की चिंता कर रहे हैं किंतु आगे सिर्फ माला काम आने वाली है।

समय की बाढ़ में, मजबूरी में बहने से पहले हम आत्मा की सुरक्षा कर लेवें।ङ्गअपने प्रवचन में साध्वी श्री वृद्धिप्रभा जी ने कहा कि बंधन को जब तक हम बंधन नही समझेंगे, संसार के मोह में जकड़े बंधनों को तोड़ नहीं पाएंगे। आत्मा में जब मुक्ति की तड़प उठेगी तब मोक्ष मार्ग की हम नींव तैयार करेंगे। इस वास्तविकता को पहचाने और संसार में आसक्ति को कम करें। जब तक हमें बंधन आभूषण लगेंगे, तब तक बंधनों को तोड़ने का हमारा प्रयास मात्र स्वयं को छलावा होगा। प्रवचन सभा में जयमल जैन श्रावक संघ के राष्ट्रीय अध्यक्ष अरुण गोटावत, कोषाध्यक्ष गौतम कोठारी, पूर्व अध्यक्ष रिखबचंद बोहरा, वीर भ्राता मगराज सेठिया सहित दोडबल्लापुर, चेन्नई, कोयंबटूर, सूरत, ब्यावर आदि स्थानों से दर्शनार्थी उपस्थित थे। संघ के शांतिलाल कांकरिया ने अतिथियों का स्वागत किया। अलसूर संघ के मंत्री अभय कुमार बांठिया ने सभा का संचालन किया। साध्वी शशिप्रभा जी ने मंगल पाठ प्रदान किया।

सिवांची ओसवाल जैन संघ के दीपावली स्नेह मिलन में दिखा उत्साह

सदस्यों ने एक-दूसरे के साथ साझा की दीपावली की खुशियां

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु। शहर के सिवांची ओसवाल जैन संघ की ओर से जिगनी स्थित रिसोर्ट में रविवार को आयोजित दीपावली स्नेह मिलन कार्यक्रम में सदस्य परिवारों ने मिलकर दीपावली की खुशियों को एक-दूसरे के साथ साझा किया। महिला संघ की सदस्याओं द्वारा नवकार धुन पर दीप नृत्य से कार्यक्रम कीशुरुआत की। संघ के पदाधिकारियों व प्रायोजकों द्वारा दीप प्रज्वलन किया गया। संघ के अध्यक्ष राजेंद्र छाजेड़ ने सबका स्वागत करने के साथ ही सिवांची भवन के संबंध में महत्वपूर्ण जानकारियाँ साझा की। संघ के महामंत्री अशोक सालेचा ने संघ द्वारा किए गए उल्लेखनीय कार्य, जीवदया, श्रावक उन्नति अंतर्गत आवंटित राशि, एप्प अपडेट एवं स्नेहमिलन आयोजन के बारे में जानकारियां दी। ङ्गङ्गमंच पर प्रायोजक जयंतीलाल

चोपड़ा, विनय कानूंगा, मनोज बाफना, अशोक बागरेचा एवं सुरेश चोपड़ा परिवार का सम्मान कर स्मृति चिन्ह भेंट किए गए। हितेश छाजेड़ ने सम्मान कार्यक्रम का संचालन किया। राजेंद्र ओस्तवाल ने सम्मान की व्यवस्था संभाली। सिवांची जैन युवा मंडल एवं महिला संघ ने भी अपने भावी कार्यक्रमों की रूपरेखा प्रस्तुत की। प्रस्तावित सिवांची भवन के नए ट्रस्टी के रूप में पारसमल गुलाबचंद चोपड़ा परिवार ने अपने नाम की घोषणा की। ङ्गदोपहर के सत्र में हास्य कार्यक्रम 'ठहाके ही ठहाके' में प्रसिद्ध हास्य कलाकार प्रताप फौजदार, सुरेश अलबेला एवं हिमांशु बवन्डर ने अपने चिर परिचित अंदाज में हास्य व्यंग्य की बातें प्रस्तुत कर उपस्थित श्रोताओं को खूब गुदगुदाया।

काव्य सत्र का संचालन राजेन्द्र गुलेच्छा ने किया तथा सरस्वती वंदना के साथ ही काव्य पाठ भी किया। सिवांची युवा मंडल के सदस्यों ने बच्चों के लिए अनेक मनोरंजक खेलों का आयोजन किया जिसमें बच्चों ने उत्साह से भाग लिया। महेंद्र रांका एवं राजेंद्र भंसाली के नेतृत्व में जीवदया एवं श्रावक उन्नति के स्टाल पर भी सिवांची बंधुओं ने उदार हृदय से दान राशि अर्पण की। स्थल पर आयुष्मान कार्ड भी बनवाने की सुविधा थी। सुरेश कानूंगा एवं पदम् लुकड़ ने परिवहन व्यवस्था संभाली। प्रवीण बाफना एवं हितेश पालरेचा ने सिवांची ऍप्प की जानकारी दी। भोजन व्यवस्था में प्रकाशकरण मेहता, महावीर पारेख, रमेश छाजेड़ संजय बालर, महेंद्र बागरेचा, अनिल कांकरिया आदि सदस्यों ने सेवाएं दी।

याद मनुष्य को नहीं, बल्कि उसके गुणों को किया जाता है : संतश्री ज्ञानमुनि

बेंगलूरु/दक्षिण भारत। शहर के यलहंका स्थित सुमतिनाथ जैन संघ के तत्वावधान में चातुर्मासार्थ विराजित संतश्री ज्ञानमुनिजी ने कहा कि मनुष्य सभी हैं लेकिन उनमें भी बहुत अंतर है। कोई मानव है तो कोई भगवान है। कोई हीरा है तो कोई इंसान है। सभी का आचरण अलग अलग होता है। कोई मानव है तो कोई दानव होता है। जो दानव होता है वह किसी का सगा नहीं होता है। दूसरा मानव होता है, जो न किसी को परेशान करता है, न ही खुद परेशान होने का काम करता है। तीसरा मानव देवता के समान होता है जो मिला उसमें मस्त रहता है। मिला तो भी ठीक, नहीं मिला तो भी ठीक। ऐसा मनुष्य हर परिस्थिति में मस्त रहता है। चौथा मानव भगवान के जैसा होता है अर्थात चलता फिरता भगवान ही होता है। ऐसे महापुरुष साक्षात भगवान के ही सामान होते हैं। जो मानव सभी को एक समान समझे वह भगवान होता है। खुद की खुदाई से जो जुदा हो गया खुदा की कसम वह खुदा हो गया। ऐसे मनुष्य को भगवान कहते है। ऐसे ही गुरु गणेशीलाल जी महाराज थे। उनका जीवन बहुत ही सादा और सरल था। दुनिया में बहुत लोग आते है और जाते हैं लेकिन सभी को याद नहीं किया जाता है। याद मनुष्य को नहीं बल्कि उसके गुणों को किया जाता है। ङ्गसंत ज्ञानमुनिजी बताया कि संतश्री गणेशीलाल जी का जन्म राजस्थान के बिलाड़ा कस्बे में हुआ था। वे बहुत ही गुणी और ज्ञानी थे। 15 साल के होने के बाद उनकी मां का देवलोकगमन हो गया। मां के जाने के बाद गणेशीलाल के पिता भी चले गए। उसके बाद गणेशीलाल जी ने हिसाब किताब का काम शुरु किया। सेठ ने कुछ गलत किया तो उन्होंने काम छोड़ दिया। फिर दुकान खोली, इसी दौरान उनका भाई भी गुजर गया। जिसने उनके मन पर बड़ा असर किया। परिणामस्वरूप उन्होंने दीक्षा लेने का विचार किया। 38 साल की उम्र में नासिक जिला में दीक्षा ली और मोक्ष के मार्ग पर बढ़ गए। उसी दिन आनंदऋषिजी महाराज ने भी दीक्षा ली। गणेशीलाल जी खूब तपस्या करते थे। किसी से बिना मतलब नहीं बोलते थे। धर्म, ध्यान और त्याग तपस्या ही उनका जीवन था। इस प्रकार वे भक्तों के भगवान बन गए थे। ऐसे महापुरुष के बताए मार्ग पर चल कर जीवन को सफल बनाया जा सकता है। आज प्रवचन में उपाध्याय प्रवीणऋषिजी द्वारा गठित अर्हम विज्ञा आनंद तीर्थ महिला परिषद की अध्यक्ष पदमाबाई कोठारी, मंत्री शांतिबाई एवं वसन्तीबाई चौपड़ा के नेतृत्व में एक गुरु दर्शन यात्रा संघ आया। अध्यक्ष पदमाबाई कोठारी ने अपने विचार व्यक्त किए एवं संतोषबाई लोढ़ा ने एक गीत गाया। सभा का संचालन महामंत्री मनोहरलाल लुकड़ ने किया।

पारीक समाज कर्नाटक ने मनाया दीपावली स्नेह मिलन

बेंगलूरु/दक्षिण भारत। शहर के पारीक समाज कर्नाटक ने रविवार को राजराजेश्वरीनगर स्थित एक होटल में दीपावली स्नेह मिलन का आयोजन किया। पाराशर ऋषिजी के चित्र के समक्ष पदाधिकरियों ने दीप प्रज्वलित किया। काव्य जोशी ने ईश वंदना, धनक पारीक ने स्वागत गीत-नृत्य पेश किया। समाज के अध्यक्ष पृथ्वीराज पारीक ने सभी का स्वागत करते हुए दीपावली की शुभकामाएं दी। मुख्य प्रायोजक के रूप में गजानन्द पारीक, ललित व्यास, वरिष्ठ सदस्य चंपालाल पारीक एवं महावीर पारीक का सम्मान किया गया। कार्यक्रम में समाज के प्रतिभाशाली विद्यार्थियों व सांस्कृतिक कार्यक्रमों में भाग लेने वाले बच्चों को पुरस्कार वितरित किए गए। तीज महिला समिति की महिला सदस्याओं का भी सम्मान किया गया। समाज के बच्चों ने सांस्कृतिक कार्यक्रम के तहत 'राम दरबार की झांकी' तथा निकिता, वन्दना व रश्मि पारीक ने राम भजन व नृत्य की प्रस्तुति दी।

पदमा जोशी के निर्देशन में 'उम्मीदों का बाजार' विषयक एक सामाजिक लघु नाटक पेश किया गया जिसमें संतोष, रश्मि, वंदना, संतोषी, निकिता व हर्षिता ने मंचन किया। स्नेह मिलन में समाज के रामावतार जोशी, राधेश्याम जोशी, विष्णु पारीक, प्रकाश पारीक, रमेश पारीक, पूर्व अध्यक्ष सत्यनारायण त्रिवेदी, एसएल जोशी, पुखराज तिवाड़ी, मनोज पारीक, महेंद्र व्यास, माणकचंद जोशी, यशपाल जोशी, रामनिवास पण्डिया, पवन तिवाड़ी, जगदीश पारीक, मुरलीधर पारीक व मदनलाल पारीक आदि उपस्थित थे। सचिव रामावतार जोशी ने धन्यवाद दिया। मंच का संचालन विमलेश जोशी ने किया

विश्व में हो ज्ञान का सदैव सदुपयोग : आचार्य अरिहंतसागरसूरी

बेंगलूरु/दक्षिण भारत। शहर के वासुपूज्य मुनिसुव्रतस्वामी जैन संघ, माधवनगर में सोमवार को ज्ञान पंचमी के अवसर पर प्रवचन के दौरान आचार्य श्री अरिहंतसागरसूरीजी ने कहा कि किसी भी धर्म का प्रवाह

शास्त्रज्ञान और ज्ञानियों के सहारे निरंतर बहता है। ज्ञानियों ने अपनी अगली पीढ़ियों को ज्ञान प्रदान कर ज्ञान की परंपरा आगे बढ़ाई है और बदले में किसी भी भौतिक अपेक्षा के बगैर वर्तमान की ज्ञान परंपरा के ढांचे में आए बदलाव पर खेद जताते हुए उन्होंने कहा कि हमारे यहां प्राचीन काल से ही निःस्वार्थ भाव से ज्ञान प्रदान करने की परंपरा रही है।लेकिन आज व्यवसायीकरण के दौर में शिक्षण भी इससे प्रभावित हुए बिना नहीं रह पाया, ज्ञान को एक बिक्री योग्य साधन बना दिया गया है और इससे ज्ञान गलत हाथों में चलता गया। नतीजतन पिछले दो सौ-ढाई सौ वर्षों में जो कुछ विध्वंस, विनाश, शोषण हुआ वह ज्ञान के दुरुपयोग के कारण हुआ। अयोग्य पढ़े-लिखे हाथों में ज्ञान के आने से जान का दुरुपयोग होता गला गया और शोषण, निर्बलों का दमन, गरीबी, भुखमरी, सामाजिक और आर्थिक असमानता की खाई बढ़ती गई। अतः यह आवश्यक है कि ज्ञान का सदुपयोग हो। आज चारों ओर शिक्षा का बोलबाला है लेकिन वह शिक्षा मात्र व्यवहारिक है जो व्यक्ति को इस भव में रोज़गार या जीवन यापन का माध्यम प्रदान करती है लेकिन धर्म की शिक्षा, यानी सम्यक ज्ञान की घोर उपेक्षा हो रही है जो अत्यंत चिंताजनक विषय है। सम्यक ज्ञान के महत्व पर प्रकाश डालते हुए उन्होंने कहा कि सम्यक ज्ञान व्यक्ति को न सिर्फ वर्तमान जीवन में सही दिशा प्रदान करता है बल्कि वह परलोक में भी उसे सुखी बनाता है। आज धर्म के शिक्षण के अभाव में धर्म के सिद्धांतों के रहस्यों और गहराइयों को जानने व समझने की बौद्धिक क्षमता धीरे धीरे घटती जा रही है।

नतीजतन संघों का सर्वांगी स्तर उतरता जा रहा है, अतः ज़रूरत है जागृत होकर इस दिशा में ठोस कदम उठाए जाएं और सम्यक जान का प्रकाश पुनः ज्वलंत बनाया जाए। ज्ञान पंचमी के उपलक्ष्य में सोमवार को श्रद्धालुओं ने हस्त लेखन के उपकरण अर्पित कर ज्ञान की उपासना की।

पूर्वांचल परिवार के सदस्यों ने आयोजित किया दिवाली स्नेह मिलन

बेंगलूरु/दक्षिण भारत। शहर के पूर्वांचल परिवार के सदस्यों ने रविवार को हरियाणा भवन में दिवाली स्नेह मिलन मनाया। सदस्यों ने लकी ड्रॉ और विभिन्न मनोरंजक खेल? जैसे हाउज़ी, सॉन्ग प्रॉप हंट, म्यूजिकल चेयर और अन्य गतिविधियों में उत्साहपूर्वक भाग लिया। पूर्वांचल परिवार के प्रत्येक परिवार को समिति की ओर से प्रेम और एकजुटता के प्रतीक के रूप में एक विशेष उपहार दिया गया। इस समारोह में नए सदस्यों का भी स्वागत किया गया।

वरिष्ठ सदस्य शंकर जीतानी, नंदलाल गोयल, रमेश टिबरेवाला, प्रभुदयाल पोद्दार, सुरेश मोदी, पवन अग्रवाल, सावन गोयल, रवि माहेश्वरी सहित अनेक वरिष्ठ सदस्य उपस्थित थे। अध्यक्ष संदीप टिबरेवाल, सचिव राजेश जिंदल और कोषाध्यक्ष रमेश अग्रवाल ने कार्यक्रम को सफल बनाने में उत्साहपूर्वक भागीदारी और सहयोग के लिए सभी सदस्यों को धन्यवाद दिया।

दक्षिण भारत राष्ट्रमत

छठ पूजा

बेंगलूरु की सिद्धार्थ सांस्कृतिक परिषद द्वारा आरटीनगर स्थित एचएमटी ग्राउंड पर छठ महापर्व का आयोजन किया गया। सोमवार को बड़ी संख्या में श्रद्धालुओं ने अस्ताचल सूर्य की विधिवत पूजा कर अर्घ्य दिया और परिवार की खुशहाली की कामना की। मंगलवार को उदित होते सूर्य को अर्घ्य दिया जाएगा।

गौड़ ब्राह्मण संघ ने दीपावली स्नेह मिलन में किया मेधावी विद्यार्थियों का सम्मान

बेंगलूरु/दक्षिण भारत। स्थानीय गौड़ ब्राह्मण संघ कर्नाटक के तत्वावधान में हसरगट्टा स्थित एक रिसोर्ट में रविवार को दीपावली स्नेह मिलन का आयोजन किया गया। भगवान परशुराम के चित्र के समक्ष दीप प्रज्वलित किया गया। दिनेश उपाध्याय द्वारा गणेश वंदना व गायत्री मंत्र के उच्चारण से कार्यक्रम की शुरुआत हुई । संघ के सदस्यों ने एक दूसरे को दीपावली व नव वर्ष की शुभकामनाएं दी। संघ के अध्यक्ष चुन्नीलाल नाथोलिया ने सभी का स्वागत किया । कार्यक्रम में समाज के प्रतिभावान विद्यार्थियों को पुरस्कार देकर सम्मानित किया गया। शिक्षा को बढ़ावा देने पर जोर दिया गया। इस मौके पर जगदीशचंद्र शर्मा, सुभाष शर्मा, विनोद शर्मा, सुनील शर्मा, मुरारीलाल शर्मा, अरुण जोशी, महावीर प्रसाद शर्मा, शशिकांत शर्मा सहित अनेक सदस्यों ने अपन विचार व्यक्त किए। गौड़ ब्राह्मण संघ की महिला समिति की हंसा शर्मा व उनकी टीम का सम्मान किया गया। सचिव अनिल शर्मा ने सभी को धन्यवाद दिया।

दक्षिण भारत राष्ट्रमत

अस्ताचलगामी सूर्य को अर्घ्य

बेंगलूरु के नवयुवक मंगल दल समिति, दासरहल्ली के सदस्यों ने राचनहल्ली लेक में सामूहिक छठ पूजा का आयोजन किया। हजारों श्रद्धालुओं ने सोमवार को अस्ताचलगामी सूर्य को श्रद्धा से अर्घ्य अर्पित किया। इस आयोजन की व्यवस्था में समिति के अध्यक्ष शत्रुघ्न सिंह, सचिव दीनदयाल यादव, उपाध्यक्ष धर्मेंद्र दुबे, कोषाध्यक्ष राजू यादव आदि ने सहयोग किया। मंगलवार को उगते भास्कर को अर्घ्य अर्पित किया जाएगा।

दक्षिण भारत राष्ट्रमत

देवी उत्सव

बेंगलूरु के दीपांजलि नगर क्षेत्र में अंगाळा परमेश्वरी कब्बालम्मा देवी वार्षिक उत्सव का आयोजन किया गया जिसमें मुख्य अतिथि के रूप में उपस्थित समाजसेवी महेंद्र मुणोत ने देवी मां के दर्शन कर आशीर्वाद लिया एवं अन्नदान कार्यक्रम में सेवा प्रदान की। मायम्मा मंगलमुखी ने मुणोत का सम्मान किया।

संतश्री गणेशलालजी के जन्मोत्सव पर अन्नदान किया

बेंगलूरु/दक्षिण भारत। कर्नाटक गजकेसरी गुरुदेव गणेशलालजी के 146वें जन्मोत्सव पर गुरु गणेश सेवा समिति के सदस्यों ने सोमवार को अन्नदान कार्यक्रम का आयोजन मैसूरु बैंक सर्कल पर हनुमान मंदिर के पास किया। समिति के अध्यक्ष किरणचंद बोहरा ने बताया कि स्व.भवरीबाई हीराचन्द गुगलिया परिवार के सौजन्य से आयोजित इस मानवसेवा कार्य में संघ के पूर्व अध्यक्ष अशोक

गुगलिया का सम्मान किया गया। समिति के मंत्री उगमराज चोपड़ा, अनिल पोकरना, उपाध्यक्ष अनिल बाफना, उत्तम मुथा, अशोक समदड़िया, प्रदीप गुलेच्छा, मानक गुलेच्छा, यशवंत सालेचा, रितु संचेती, श्रुति जैन आदि ने हजारों जरूरतमंद लोगों को अन्नदान किया।

Printed& Published by Devendra Sharma on behalf of owners M/s. New Media Company, 6/4 , Ist floor, Cantonment station road, Bengaluru-51 and printed at Dinasudar Printing Division, 116, Queens Road, Bengaluru-560052. **Editor-Shreekant Parashar**,
(*Responsible for selection of news under PRB Act.) Reproduction of any matter from this newspaper in whole or in part or any such manner without prior written permission from the publisher is strictly prohibited and punishable by law.
HEAD OFFICE : DAKSHIN BHARAT RASHTRAMAT, New Media Company, 6/4, Cantonment Station Road, Bangalore 560051. Editorial : 080-25363030 / 9945488003. For Advertisement : 9945488002 - email : news@dakshinbharat.com/**RNI No. 58061/93.**